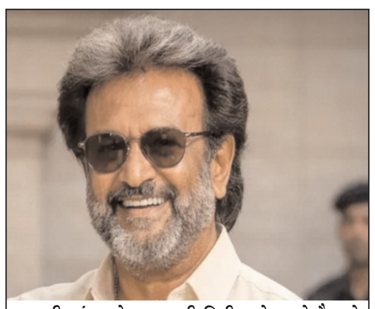

रजनीकांत: 'जेलर 2' की रिलीज से पहले फैन ने दिखाया अनोखा प्यार, एक्टर के 230 अवतारों से सजाया खास नवरात्रि कोलू

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिकतम - 31
न्यूनतम - 22

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 283 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर सोमवार 12 अक्टूबर 2026 ● आश्विन शुक्ल 2 विक्रमी संवत ● पृष्ठ 12 ● मूल्य 4 रूपया

संक्षिप्त समाचार

द्वितीय दिन
मां ब्रह्मचारिणी

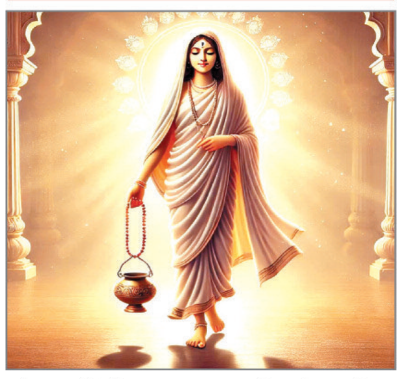

मां ब्रह्मचारिणी तपस्या, त्याग और संयम की प्रतीक हैं। इनके एक हाथ में जपमाला और दूसरे में कमंडल रहता है। मान्यता है कि इनकी आराधना से साधक को धैर्य, आत्मबल और कठिन परिस्थितियों का सामना करने की शक्ति मिलती है। भक्त ज्ञान, शांति और सफलता के लिए इनकी पूजा करते हैं।

टीएमसी विधायक बिभास सरदार पर हमला कार के शीशे तोड़े

बीजेपी पर आरोप, 5 महीने में 26 से ज्यादा टीएमसी नेताओं पर हमले

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल के बारुईपुर ईस्ट से टीएमसी विधायक बिभास सरदार की गाड़ी पर शनिवार को हमला किया गया और उनके साथ मारपीट की गई। सरदार ने इसके लिए बीजेपी को जिम्मेदार ठहराया है। सरदार के मुताबिक, पहले

उनकी कार का शीशा ईंट मारकर तोड़ा गया। इसके बाद गोलबेरिया हाट में हुए दूसरे हमले में उनके साथ मारपीट की गई। इस घटना में उनकी आंख में चोट आई है। बंगाल में 4 मई को विधानसभा चुनाव के नतीजे आए थे। 15 साल बाद टीएमसी सत्ता से बाहर हो गई और पहली बार बीजेपी की सरकार बनी। पिछले 5 महीनों में 26 नेताओं पर हमला हुआ है।

पाकिस्तान के एक प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में लगी इमरजेंसी

इमरान खान की पार्टी की प्रांतीय सरकार बर्खास्त

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने रविवार को देश के प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में बिगड़ती कानून-व्यवस्था और बढ़ते आतंकी हमलों का हवाला देते हुए आपातकाल की घोषणा कर दी है। इसके साथ ही जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई के नेतृत्व वाली प्रांतीय सरकार को बर्खास्त कर दिया गया है।

राष्ट्रपति जरदारी ने संविधान के अनुच्छेद 232(1) और 234(1) के तहत यह अधिसूचना जारी की। इसके लागू होते ही मुख्यमंत्री, प्रांतीय मंत्री, सलाहकार, विशेष सहायक और एडवोकेट जनरल को अपने पद तुरंत खाली करने का आदेश दिया गया है। आदेश के तहत खैबर पख्तूनख्वा विधानसभा के अधिकार अब पाकिस्तान की संसद या उसके अधीन किसी प्राधिकरण द्वारा चलाए जाएंगे। इसके अलावा केंद्र सरकार राज्यपाल को प्रांत का पूर्ण प्रशासनिक नियंत्रण संभालने का निर्देश दे सकती है।

अपनी ही सांस्कृतिक ताकत से प्रेरणा लेता है भारत

● पीएम बोले-तमिलनाडु में दिखती है नए भारत की झलक

पीएम मोदी ने सीएम विजय के साथ मेट्रो में किया सफर

चेन्नई (एजेंसी)। पीएम मोदी ने चेन्नई में कहा कि मंदिरों से लेकर मेट्रो तक तमिलनाडु में नए भारत की झलक दिखती है। भारत अपनी सांस्कृतिक ताकत से प्रेरणा लेता है, वैज्ञानिक प्रगति के जरिए आगे बढ़ता है। मोदी ने चेन्नई मेट्रो के फेज-2 प्रोजेक्ट के 14.6 किमी लंबे पूनमल्ली-वडापालानी रूट का उद्घाटन भी किया। इसके बाद पीएम ने खुद ट्रेन में यात्रा की, इस दौरान तमिलनाडु के सीएम विजय भी उनके साथ मौजूद थे। 2026 के विधानसभा चुनावों के बाद यह पीएम मोदी का पहला चेन्नई दौरा है। 2026 में टीवीके ने जीत हासिल की और एक्टर विजय सीएम बने। कांग्रेस उनकी सहयोगी पार्टी है। पीएम ने कहा-देश को मजबूत बनाने के लिए राज्यों को मजबूती जरूरी है।

तमिलनाडु में सरकारें बदलती रहीं, मेरा सेवा का संकल्प जारी रहा

पीएम मोदी ने कहा– मुख्यमंत्री के रूप में मुझे करुणानिधि और जयललिता के साथ कई बार बातचीत करने का अवसर मिला। प्रधानमंत्री बनने के बाद मुझे जयललिता, ओ. पन्नीरसेल्वम, ई. पलानीस्वामी और एम.के. स्टालिन के साथ काम करने का अवसर मिला। सरकारें बदलती रहीं, लेकिन तमिलनाडु के विकास और यहां के लोगों की सेवा करने का मेरा संकल्प कायम रहा। अब हम मुख्यमंत्री जोसेफ विजय के साथ इस यात्रा को आगे बढ़ा रहे हैं।

आपके प्यार से सरकार प्रमुख के रूप में 25 साल पूरे

मोदी बोले– कुछ दिन पहले ही, आपके आशीर्वाद और देश की जनता के प्यार से मैंने सरकार के प्रमुख के तौर पर 25 साल पूरे करने का एक महत्वपूर्ण पड़ाव पार किया। अक्टूबर 2001 में मैंने मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। तब से देश की जनता ने मुझे पहले मुख्यमंत्री और बाद में प्रधानमंत्री के रूप में सेवा करने का अवसर दिया। पीएम मोदी ने कहा, आज तमिलनाडु के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। आज के कार्यक्रम में 13,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं शामिल हैं। हम कई पूरी हो चुकी परियोजनाओं का उद्घाटन कर रहे हैं और नई परियोजनाओं की आधारशिला रख रहे हैं। इनमें से कुछ परियोजनाएं रोजमर्रा की आवाजाही को आसान बनाएंगी, जबकि कुछ उद्योग और व्यापार को मजबूती देंगी। ये सभी मिलकर पूरे तमिलनाडु के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करेंगी।

मेट्रो और इंटरनेट सेवा बहाल हो, बैरिकेड्स हटाए जाएं

● सुप्रीम कोर्ट बोला-शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को हिरासत में न लें

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर सीजेपी के प्रस्तावित प्रदर्शन से ठीक पहले हुए सरकारी एक्शन और पुलिस कार्रवाई के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट ने रविवार को एक विशेष सुनवाई की। इस दौरान कोर्ट ने प्रशासन को सख्त निर्देश दिए हैं कि शांतिपूर्ण तरीके से इकट्ठा होने वाले लोगों को अवैध रूप से हिरासत में न लिया जाए और राजधानी में मेट्रो व रेल सेवाएं सामान्य रूप से चालू रखी जाएं। बता दें कि जस्टिस जयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने 9 अक्टूबर के अपने आदेश के कथित उल्लंघन और 10 अक्टूबर को दिल्ली में बड़ी संख्या में लोगों को अवैध रूप से हिरासत में लिए जाने के मामलों पर तत्काल सुनवाई करते हुए कई अहम आदेश दिए। शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों की अवैध हिरासत पर रोक- कोर्ट ने प्रशासन को कड़ा निर्देश दिया है कि जो लोग शांतिपूर्ण तरीके से इकट्ठा हो रहे हैं, उन्हें अवैध रूप से हिरासत में न लिया जाए।

मेट्रो और रेलवे सेवाओं की बहाली की जाए

अदालत ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता को यह सुनिश्चित करने का आदेश दिया कि दिल्ली मेट्रो अपने सामान्य शेड्यूल के मुताबिक चले और सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था सुचारू रूप से काम करे। कोर्ट ने कहा कि जब तक कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर बेहद जरूरी न हो, सभी बैरिकेड्स हटा दिए जाएं।

मणिपुर में 12 घंटे से झड़प, 9 लोगों की मौत

● हिंसक झड़पों, गोलीबारी और आगजनी से तनाव बढ़ा ● कुकी व नागा संघर्ष में अब तक कई नागरिक हताहत

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के पहाड़ी जिलों में हिंसा का एक बेहद खौफनाक दौर देखने को मिला है। राज्य के तीन अलग-अलग जिलों में महज 12 घंटों के भीतर हुई हिंसक झड़पों, गोलीबारी और आगजनी में एक गूर्खा किसान और पांच बच्चों की मां सहित कुल 9 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है। इस तांडव के बाद से पूरे इलाके में भारी तनाव बना हुआ है। बता दें कि इस ताजा हिंसा की शुरुआत शुक्रवार रात को कामजोंग जिले के चास्साद गांव में हुई, जहां 42 वर्षीय कुकी महिला डोमखोनेई तौथांग की गोली लगने से मौत हो गई। पुलिस और सुरक्षा बलों की संयुक्त टीमें गांव के सुरक्षा गार्ड पोस्ट को हटाने गई थीं, जिसका ग्रामीण विरोध कर रहे थे। इसी दौरान सुरक्षा बलों और उग्रवादियों के बीच हुई गोलीबारी की क्रॉसफायर में वह महिला फंस गईं। उनके पैर और सीने में गोली लगी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

12 घंटों का खूनी संघर्ष और मौतें

इस घटना के बाद स्थिति तेजी से बिगड़ी और कुकी व नागा समुदायों के बीच कई जगह आमने-सामने की जंग छिड़ गई। चास्साद गांव में शनिवार सुबह एक हमले में 22 वर्षीय माइकल गाममिनलेन हाओकिप की मौत हो गई और कई कुकी घरों को आग के हवाले कर दिया गया। वहीं निंगचो गांव में भारत-म्यांमार सीमा के पास सुबह करीब 9.30 बजे संदिग्ध कुकी उग्रवादियों ने दो नागा नागरिकों की गोली मारकर हत्या कर दी। कांगपोकपी जिला के मकुई असांग गांव में उग्रवादियों ने हमला बोला, जिसके जवाब में नागा ग्राम रक्षकों ने भी मोर्चा लिया। इस भीषण गोलीबारी में चार रक्षकों की मौत हो गई, जिनमें से एक अजिंउ पौर रिंगखांगमाई का सिर काटे जाने की भी खबर है। इसके अलावा उखरूल जिला शनिवार सुबह करीब 6 बजे महादेव-तोलॉई-पुफसेरो सड़क पर गाड़ी चला रहे 40 वर्षीय गूर्खा किसान संदीप राय को अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। गौरतलब है कि इस साल फरवरी में नागा-कुकी संघर्ष शुरू होने के बाद से अब तक दोनों पक्षों के दर्जनों लोग अपनी जान गंवा चुके हैं।

समय-समय पर आंदोलन ने देश को दिशा देने का किया है काम

● चिराग बोले- प्रदर्शन का अधिकार युवाओं पर बल प्रयोग नहीं हो

पटना (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री और लोजपा-आर प्रमुख चिराग पासवान ने एक बार फिर से दिल्ली में छात्रों और युवाओं के चल रहे आंदोलन के बीच बड़ा दिया है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जहां शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन करना एक बुनियादी लोकतांत्रिक अधिकार है। हालांकि, जो लोग प्रदर्शनों का इस्तेमाल हिंसा भड़काने और अराजकता फैलाने के लिए करते हैं, उनकी पहचान की जानी चाहिए और उन्हें रोका जाना चाहिए। चिराग पासवान ने रविवार को पटना में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि अगर कांग्रेस को चुनाव आयोग को लेकर कोई चिंता है, तो उसे सही माध्यमों से अपनी बात रखनी चाहिए।

एफ-35 के पास भी नहीं जाने देते और खरीदने की बात करते हैं

● एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने अमेरिकी कमांडर को जमकर सुना दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह ने अमेरिका की ओर से भारत को अपने पांचवीं पीढ़ी के एफ-35 स्टील्थ फाइटर एयरक्राफ्ट बेचने संबंधी दावों पर अहम टिप्पणी की है। उन्होंने उन दावों को खारिज कर दिया है। जोधपुर में मल्टीनेशनल एयर एक्सरसाइज तरंग शक्ति-2026 के समापन समारोह के दौरान आयोजित कार्यक्रम में इंडियन एयर फोर्स चीफ मार्शल ए.पी. सिंह ने अहम टिप्पणी की। एयर चीफ मार्शल ने कहा कि हमें कोई ऑफिशियल ऑफर नहीं आया है स्न-35 का। मैं अभी इधर अमरीकी कमांडर को बता रहा था कि हमें तो जहाज के पास जाने नहीं दे रहे आपके लोग, आप हमें बेचने की बात करते हैं। तो ऐसा कोई ऑफिशियल ऑफर हमारे पास नहीं आया है जो हमारे तक पहुंचा हो। भारतीय वायुसेना चीफ ने आगे कहा कि और जहां तक एफ-57 का सवाल है, हमें खबर आई है कि उन्होंने ऑफर किया है। लेकिन अभी तक कोई डिसीजन नहीं हुआ है कि हमें चेक करना है या नहीं करना है। जब हमें डिसीजन दिया जाएगा, हम उसको इवेलुएट करेंगे कि हमारी रिक्वायरमेंट्स पर वो कितना खरा उतरता है।

यूपी कांग्रेस कार्यालय में हंगामा जमकर चले जूते

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी कांग्रेस अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना के कार्यभार ग्रहण के दौरान रविवार को पार्टी मुख्यालय में जमकर हंगामा हुआ। नेताओं के बीच धक्का-मुक्की और मारपीट

हुई। जूते भी चले। इस दौरान पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय राय धरने पर बैठ गए। उन्होंने अपने समर्थकों के साथ बदसलूकी का आरोप लगाया है। अजय राय के समर्थक और दूसरे पक्ष के कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। अजय राय ने ममता चौधरी को घेरा है।

पटरियों पर दौड़ती ट्रेन के 10 डिब्बों में सजा नौ देवियों का दरबार

● भाप इंजन के चालक बनेंगे भगवान भोलेनाथ और गार्ड के रूप में दिखेंगे गणपति
● नवरात्रि में विदिशा के मोहनगिरी तिराहे पर श्रद्धा और रचनात्मकता का अनूठा संगम

विदिशा (एजेंसी)। धार्मिक आस्था और अनूठी सजावट के लिए इस बार विदिशा का मोहनगिरी तिराहा खास आकर्षण बनने जा रहा है। यहां माता रानी के दरबार को भारतीय रेलवे की थीम पर तैयार किया जा रहा है।

पूरे तिराहे को रेलवे स्टेशन जैसा स्वरूप दिया जा रहा है, जिसे 'मोहनगिरी जंक्शन' नाम दिया गया है। इस झांकी की सबसे खास बात भाप से चलने वाले पुराने स्टीम इंजन की प्रतिकृति और उसके पीछे लगी 10 डिब्बों की ट्रेन होगी। झांकी में भगवान भोलेनाथ को इंजन चालक के रूप में दर्शाया गया है। वहीं, ट्रेन के अलग-अलग डिब्बों में देवी मां के विभिन्न स्वरूप विराजमान होंगे। एक डिब्बे में भगवान गणेश को गार्ड के रूप में दिखाया गया है।

रेलवे स्टेशन जैसा माहौल श्रद्धालुओं का होगा स्वागत

समिति के सदस्यों के मुताबिक, झांकी को इस तरह तैयार किया जा रहा है कि यहां आने वाले श्रद्धालुओं को रेलवे स्टेशन और ट्रेन का वास्तविक अहसास हो। 'मोहनगिरी जंक्शन' पर पहुंचने वाले भक्तों का विशेष स्वागत भी किया जाएगा। विदिशा को मध्य प्रदेश की प्रमुख धार्मिक नगरी के रूप में भी जाना जाता है। बेतवा नदी के बीच स्थित चरण तीर्थ धाम श्रद्धालुओं की आस्था का महत्वपूर्ण केंद्र है। स्थानीय धार्मिक मान्यता के अनुसार, वनवास के दौरान भगवान राम के चरण इस स्थान पर पड़े थे, इसी वजह से इसे चरण तीर्थ कहा जाता है। मोहनगिरी तिराहे पर तैयार हो रही यह अनूठी ट्रेन झांकी धार्मिक आस्था के साथ कलात्मक सजावट का संगम पेश करेगी। अब श्रद्धालुओं के बीच इस बात को लेकर उत्सुकता है कि 'मोहनगिरी जंक्शन' पर माता रानी के इस खास दरबार का स्वरूप कैसा नजर आएगा।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

जब महिषासुर के अत्याचार से तीनों लोकों में त्राहि-त्राहि मच गई, तब देवताओं की सामूहिक ऊर्जा से एक ऐसी दिव्य शक्ति का प्राकट्य हुआ, जो साक्षात् आदिशक्ति थीं। *मां दुर्गा ने महिषासुर का वध कर धर्म और न्याय की पुनर्स्थापना की। महिषासुरमर्दिनी की इसी विजय और शक्ति की आराधना के पावन पर्व शारदीय नवरात्र पर आप सभी को हृदय से मंगलकामनाएं।*

लंका विजय से पूर्व प्रभु श्रीराम ने मां जगतजननी की साधना की थी। साधना के लिए 108 नीलकमलों में एक कम पड़ने पर उन्होंने अपने नयन को ही अर्पित करने का निश्चय किया। तब मां प्रकट हुईं और उन्हें विजय का वर दिया। ममता और वात्सल्य की प्रतिमूर्ति यही मां त्रैलोक्य बचाने के लिए चंडी का रूप लेती हैं तथा मधु-कैटभ, शुंभ-निशुंभ और रक्तबीज जैसे दानवों का संहार करती हैं। ***अहंकार, दुराग्रह, आसक्ति और बढ़ती नकारात्मक प्रवृत्तियों पर विनम्रता, साहस, शक्ति, संकल्प, न्याय और धर्म की विजय का भाव ही मां के नौ स्वरूपों में निहित है। आज भी जब समाज ऐसी प्रवृत्तियों से संघर्ष करता है, तब नवरात्र हमें स्मरण कराता है कि सज्जनता तभी प्रभावी होती है, जब उसमें शक्ति और संकल्प का सामर्थ्य हो।*** *यही सामर्थ्य हमारी मातृशक्ति एवं समस्त समाज को सुरक्षित, सम्मानित और आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प का आधार है।*

मां विंध्यवासिनी, मां पाटेश्वरी और मां शाकुम्भरी जैसे प्रमुख शक्तिपीठों में नवरात्र पर श्रद्धालुओं की आस्था और युवाओं की बढ़ती सहभागिता यह दर्शाती है कि नई पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक विरासत से गहराई से जुड़ रही है। *उत्तर प्रदेश आज आस्था, संस्कृति और परंपरा के पुनर्जागरण का सशक्त केंद्र बन रहा है। इसी चेतना को सार्थक बनाने के लिए बेटियों को शिक्षा, सुरक्षा और समान अवसर दिए जा रहे हैं।*

हमारी सरकार ने वर्ष 2020 में शारदीय नवरात्र पर मिशन शक्ति अभियान प्रारंभ किया था। इसका उद्देश्य ही नारी सुरक्षा, सम्मान और सशक्तीकरण को जनभागीदारी से जोड़ना था। आज लगभग 44,000 से अधिक महिलाएं उत्तर प्रदेश पुलिस बल का हिस्सा हैं। पुलिस भर्ती में महिलाओं के लिए 20 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित किया गया है। *ऊदा देवी पासी, झलकारी बाई कोरी तथा रानी अवंतीबाई लोधी जैसी वीरांगनाओं के नाम पर तीन महिला PAC बटालियन गठित की गई हैं। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना से बालिकाओं की शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य को प्रोत्साहन मिल रहा है। 10 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर एक करोड़ से अधिक महिलाएं स्वावलंबन की नई गाथा लिख रही हैं।*

आइए, नवरात्र के इस पावन अवसर पर उपासना एवं उपवास के साथ एक संकल्प यह भी लें कि किसी बहन की सुरक्षा के लिए उसकी आवाज बनेंगे, किसी बालिका की शिक्षा में सहयोग करेंगे और किसी महिला के आत्मनिर्भर बनने की राह में उसका संबल बनेंगे। *आदिशक्ति की आराधना तभी पूर्ण होगी, जब प्रदेश की मातृशक्ति सुरक्षित, सम्मानित और स्वावलंबी बनेगी। इसी से विकसित उत्तर प्रदेश के संकल्प की सिद्धि होगी।*

आपका
योगी आदित्यनाथ

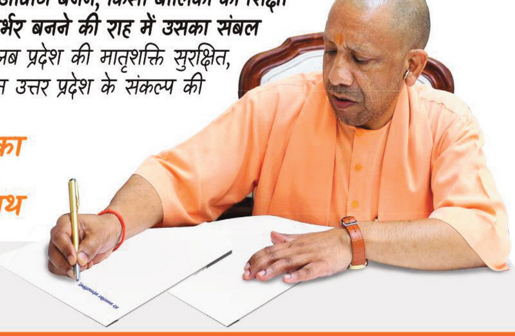

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
UPGovtOfficial CMOUttarpradesh CMOfficeUP

साहस. सृजन. नेतृत्व.

अनमोल वचन

जाने-अनजाने गलतियाँ सबसे हो जाती हैं। कुछ गलतियाँ जो अधिक घनत्व की होती हैं, वे पाप की श्रेणी में आती हैं। जब आदमी में पुण्य जागता है तो अपने द्वारा की गई गलतियों और पापों पर वह पछताता है। भविष्य में कोई पाप न करने की शपथ लेता है, प्रभु को साक्षात मान उनसे क्षमा माँगता है। हमारे ग्रंथों में भी कहा गया है कि प्रभु के सम्मुख संकल्प करें कि भविष्य में कोई पाप नहीं करूँगा। अपने पापों को धोने के लिए यथासामर्थ्य पुण्यकर्म तथा परोपकार, पर-सेवा आदि जो भी बन पड़े, मैं करता रहूँगा। परमात्मा ने मनुष्य को पापकर्मों से बचने के लिए लज्जा, मयार्दा, आत्मा के आदेश जैसे उपहार प्रदान किए हैं। कुल की मयार्दा का भय और समाज से शर्मिंदगी और आत्मा की नसीहत—यदि इनका ध्यान रखा जाए तो आदमी पाप से बचा रह सकता है। पशु-पक्षियों में न कोई मयार्दा होती है, न उनके अपने समाज से कोई लज्जा। यह विधान वहाँ नहीं है क्योंकि वे भोगयोनि में हैं, नर्क की भट्ठी में तपकर शुद्ध हो रहे हैं। आपने भी यदि प्रायश्चित नहीं किया तो पता नहीं किन 84 योनियों में धक्के खाने पड़ें। इसलिए सम्भल जाने में ही भलाई है।

जन्मदिन के अगले ही दिन घर पहुंचा सिपाही अंकित कुमार का पार्थिव शरीर, शाहबुद्दीनपुर रोड पर मचा कोहराम

शाहजहांपुर के रोजा थाने में तैनात मुजफ्फरनगर निवासी आरक्षी की सड़क हादसे में मौत, शनिवार को मनाया था जन्मदिन; रविवार को घर पहुंचा शव तो बिलख पड़े परिजन

मुजफ्फरनगर। शहर के शाहबुद्दीनपुर रोड निवासी उत्तर प्रदेश पुलिस के आरक्षी अंकित कुमार की शाहजहांपुर में सड़क दुर्घटना में मौत के बाद रविवार को उनका पार्थिव शरीर गृह जनपद पहुंचा तो परिवार में चीख-पुकार मच गई। जिस घर में परिवार के सदस्य उनके सुरक्षित लौटने का इंतजार कर रहे थे, वहां जवान का पार्थिव शरीर पहुंचते ही मातम छा गया। पत्नी, दो मासूम बच्चों और माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। सबसे दर्दनाक बात यह रही कि शनिवार को ही अंकित कुमार का जन्मदिन था और अगले ही दिन उनकी मौत की खबर ने परिवार की खुशियों को मातम में बदल दिया। जवान की असमय मौत से शाहबुद्दीनपुर रोड क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। अंतिम दर्शन के लिए रिश्तेदारों, परिचितों और आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। अंकित कुमार शाहजहांपुर जनपद के थाना रोजा में आरक्षी के पद पर तैनात थे। वह पुलिस विभाग में अपनी ड्यूटी निभाते हुए परिवार की जिम्मेदारियां संभाल रहे थे। किसी ने कल्पना भी नहीं की थी कि जन्मदिन के अगले ही दिन परिवार को उनके पार्थिव

शरीर के दर्शन करने पड़ेंगे। एक ओर पत्नी और बच्चों का भविष्य अंधकारमय हो गया, वहीं माता-पिता ने अपना इकलौता बेटा खो दिया। इस हृदयविदारक घटना से परिवार ही नहीं, बल्कि परिचितों और क्षेत्र के लोगों की आंखें भी नम हो गईं।

शनिवार को मनाया था जन्मदिन, अगले दिन घर पहुंचा पार्थिव शरीर

अंकित कुमार के परिवार के लिए यह हादसा किसी बड़े सदमे से कम नहीं है। शनिवार को उनका जन्मदिन था। जन्मदिन पर परिवार की खुशियां और अपने बेटे की लंबी उम्र की कामनाएं अगले ही दिन मातम में बदल गईं। रविवार को जैसे ही उनका पार्थिव शरीर शाहबुद्दीनपुर रोड स्थित घर पहुंचा, परिवार के सदस्यों का दर्द फूट पड़ा। परिजनों को यकीन नहीं हो रहा था कि जिस अंकित के साथ उन्होंने जन्मदिन की खुशियों की कल्पना की थी, वह अब हमेशा के लिए उनसे बिछड़ चुका है। घर में पत्नी और बच्चों की हालत देखकर वहां मौजूद लोग भी भावुक हो उठे। जन्मदिन के अगले ही दिन इस तरह जवान की मौत ने पूरे परिवार को झकझोर कर रख दिया।

शाहजहांपुर पुलिस अधीक्षक कार्यालय की ओर से 11 अक्टूबर 2026 को जारी पत्र के अनुसार, आरक्षी अंकित कुमार पुत्र राकेश कुमार थाना रोजा में तैनात थे। 10 और 11 अक्टूबर की मध्यरात्रि वह रात्रि गश्त ड्यूटी के दौरान क्षेत्र में भ्रमणशील थे। इसी दौरान मेजबान होटल तिराहे के पास वह दुर्घटना में घायल हो गए। घटना की सूचना मिलने पर थाना रोजा की दूसरी मोबाइल पुलिस टीम उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल शाहजहांपुर लेकर पहुंची। अस्पताल में चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। जवान की मौत की सूचना मिलने के बाद पुलिस विभाग में आवश्यक कार्रवाई शुरू हुई और उनके गृह जनपद मुजफ्फरनगर में अंतिम संस्कार के लिए जरूरी व्यवस्थाएं कराने की प्रक्रिया शुरू की गई। विभागीय पत्र में दुर्घटना के विस्तृत कारणों का उल्लेख नहीं किया गया है। हादसा किन परिस्थितियों में हुआ, इसकी पुष्टि संबंधित जांच के आधार पर ही हो सकेगी। परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, अंकित कुमार के पिता राकेश कुमार जिला पंचायत कार्यालय में तैनात हैं, जबकि उनकी माता रानी कुमारी गृहिणी हैं। अंकित अपने माता-पिता के इकलौते बेटे बताए जा रहे हैं। माता-पिता ने बेटे को पढ़ा-लिखाकर अपने पैरों पर खड़ा किया और पुलिस विभाग में नौकरी करते देखकर उसके उज्ज्वल भविष्य के सपने संजोए थे। लेकिन सड़क हादसे ने परिवार की खुशियां छीन लीं। जिस बेटे को माता-पिता अपने बुढ़ापे का सहारा मानते थे, उसकी असमय मौत ने उन्हें गहरे सदमे में डाल दिया। पार्थिव शरीर घर पहुंचने के बाद माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। रिश्तेदारों और परिचितों ने परिवार को संभालने का प्रयास किया, लेकिन इकलौते बेटे को खोने का दर्द हर किसी को भावुक कर रहा था।

वर्ष 2016 में मेरठ में हुई थी शादी, पत्नी भी रहती थीं साथ

अंकित कुमार की शादी वर्ष 2016 में मेरठ में हुई थी। बताया गया है कि उनकी पत्नी प्रीति भी उनके साथ शाहजहांपुर में रहती थीं, जहां वह थाना रोजा में तैनात रहकर पुलिस की जिम्मेदारियां निभा रहे थे। परिवार सामान्य रूप से जीवन व्यतीत कर रहा था और बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए योजनाएं बनाई जा रही थीं। अचानक हुए इस हादसे ने पत्नी की जिंदगी में ऐसा खालीपन पैदा कर दिया, जिसकी भरपाई संभव नहीं है। जिस जीवनसाथी के साथ उन्होंने जीवन के सुख-दुख साझा किए और भविष्य के सपने देखे थे, वह अचानक हमेशा के लिए बिछड़ गया। अंकित की मौत की खबर से पत्नी पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। पार्थिव शरीर घर पहुंचने के बाद परिवार का दर्द और गहरा हो गया।

एक बेटा और एक बेटी, दोनों बच्चों के सिर से उठा पिता का साया

अंकित कुमार अपने पीछे एक बेटी चार वर्षीय अनुष्का और एक दो वर्षीय बेटा विहान छोड़ गए हैं। पिता की असमय मौत से दोनों मासूम बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया। जिस उम्र में बच्चों को पिता के स्नेह, मार्गदर्शन और सहारे की सबसे अधिक जरूरत होती है, उसी उम्र में उन्हें इस बड़ी त्रासदी का सामना करना पड़ा है। अंकित पुलिस विभाग में नौकरी कर अपने परिवार की जिम्मेदारियां निभा रहे थे। बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए मेहनत करने वाले पिता के अचानक चले जाने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पत्नी के सामने अब बच्चों की परवरिश और भविष्य की जिम्मेदारी है। घर में पार्थिव शरीर पहुंचने के बाद बच्चों के भविष्य को लेकर परिजनों की चिंता और गहरा गई। इस दर्दनाक घटना ने परिवार की जिंदगी पूरी तरह बदल दी है।

खतौली में निकली राम बारात: भक्तिमय माहौल में गूंजे श्रीराम के जयकारे, भंडारे में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

श्रीराम बारात में बैंड-बाजों और आकर्षक झांकियों ने मोहा मन

खतौली (मुजफ्फरनगर)। श्री रामलीला महोत्सव कमेटी ठाकुरद्वारा (बड़ा बाजार) के तत्वावधान में आयोजित वार्षिक श्रीरामलीला महोत्सव के अंतर्गत शनिवार की रात नगर में मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की भव्य बारात अत्यंत धूमधाम व श्रद्धाभाव के साथ निकाली गई। बैंड-बाजों की मधुर और मनमोहक धुनों, नयनाभिराम धार्मिक झांकियों तथा 'जय श्रीराम' के गगनभेदी जयकारों के बीच निकली इस राम बारात ने पूरे खतौली नगर को पूरी तरह से भक्तिमय वातावरण में सराबोर कर दिया। बारात के मार्ग में जगह-जगह नगरवासियों एवं श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर बारात का स्वागत किया और भगवान श्रीराम के दर्शन कर धर्मलाभ उठाया। राम बारात का भव्य शुभारंभ श्री रामलीला महोत्सव कमेटी के अध्यक्ष गणेश शंकर पालीवाल द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान से पूजन-अर्चन के साथ किया गया। बारात ठाकुरद्वारा बड़ा बाजार स्थित पारंपरिक श्रीरामलीला आयोजन स्थल से शुरू होकर नगर के प्रमुख व्यापारिक एवं आवासीय मार्गों—जीटी रोड, पेठ रोड और ढाकन चौक से होते हुए गुजरी। बारात में शामिल विभिन्न पौराणिक प्रसंगों पर आधारित सुंदर धार्मिक झांकियां श्रद्धालुओं के मुख्य आकर्षण का केंद्र रहीं। देर रात बारात पुनः अपने प्रस्थान स्थल ठाकुरद्वारा पहुंचकर संपन्न हुई। इस पावन अवसर पर श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कमेटी के अध्यक्ष गणेश शंकर पालीवाल ने कहा कि भगवान श्रीराम का संपूर्ण जीवन मयार्दा, त्याग, सत्य, कर्तव्य और उच्च आदर्शों का प्रतीक है। श्रीरामलीला केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि हमारी सनातन सांस्कृतिक विरासत और नैतिक मूल्यों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने जोर देकर कहा कि राम बारात जैसे आयोजन समाज में आपसी प्रेम, सद्भाव, भाईचारे और सामाजिक एकता की डोर को मजबूत करते हैं। इसमें सभी वर्गों की सहभागिता भारतीय संस्कृति की विविधता में एकता को दशार्ती है।

विशाल भंडारे में उमड़ी भीड़, सुरक्षा के रहे कड़े इंतजाम

राम बारात के पावन अवसर पर कमेटी की ओर से एक विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया, जिसमें देर रात तक हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पंक्तिबद्ध होकर प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के दौरान शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए खतौली कोतवाल दिनेश चन्द्र बघेल पुलिस बल के साथ पूरे बारात मार्ग पर मुस्तैद रहे।

आयोजन में उपस्थित प्रमुख व्यक्तित्वः

कार्यक्रम में अध्यक्ष गणेश शंकर पालीवाल के अलावा दुष्यंत शर्मा अनु, ज्ञानेश्वर शर्मा, मदन छाबड़ा, परवीन शर्मा, सतीश वर्मा, अनुपम गौड़, मनोज सैनी, कन्हैया मित्तल, आदर्श नगर, बृजभूषण, राजेंद्र वर्मा, अनिल त्यागी, मनन गुप्ता, शिवम मित्तल, गौरव शर्मा, कुलबीर सिंह कर्णवाल, सूरज पालीवाल, प्रवीण गुप्ता, रजनीश मिश्रा, राजकुमार राठी, राजेंद्र विश्वकर्मा और अनिल सैनी सहित भारी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

खतौली बाईपास पर रोडवेज चालकों की मनमानी: खतौली बाईपास पर उतारे यात्रियों को सुरक्षा के संकट में डाला

यात्रियों ने की रात में खतौली में बस ले जाने की मांग

खतौली (मुजफ्फरनगर)। खतौली बाईपास हाईवे का निर्माण होने के बाद से ही कस्बे में रोडवेज बसों के आवागमन को लेकर उत्पन्न हुआ विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। बसों का संचालन कस्बे के अंदर से कराने के बजाय बाईपास के रास्ते किए जाने से स्थानीय यात्रियों को निरंतर भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से देर रात यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए यह व्यवस्था मुसीबत का सबब बनी हुई है। आरोप है कि मेरठ से मुजफ्फरनगर की ओर जाने वाली खतौली डिपो की बसें यात्रियों को कस्बे के भीतर ले जाने के बजाय भंगेला कट स्थित सुनसान बाईपास पर ही जबरन उतारकर आगे रवाना हो जाती हैं, जिससे रात के अंधेरे में जान-माल की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। ताजा मामला शनिवार देर रात का है, जब खतौली डिपो की बस संख्या वढ 78 खळ 0480 के चालक और परिचालक ने मेरठ से खतौली आ रहे

आठ यात्रियों को कस्बे के मुख्य बस स्टैंड पर छोड़ने के बजाय भंगेला बाईपास हाईवे पर उतार दिया। देर रात सुनसान हाईवे पर उतारे जाने के कारण यात्रियों में हड़कंप मच गया। हाईवे से कस्बे तक पहुंचने के लिए कोई भी स्थानीय साधन उपलब्ध न होने के कारण यात्रियों को पैदल ही अंधेरे रास्तों से होकर अपने गंतव्य तक जाना पड़ा। यात्रियों ने चालक-परिचालक की इस मनमानी पर कड़ा रोष व्यक्त करते हुए कहा कि यात्रियों को उनके गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचाना परिवहन निगम की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि देर रात भंगेला बाईपास पर यात्रियों को उतारना सुरक्षा के दृष्टिकोण से बेहद खतरनाक है। हाईवे से कस्बे के रिहायशी इलाकों की दूरी अधिक होने और देर रात ऑटो या अन्य साधन उपलब्ध न होने से महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और अकेले सफर करने वाले यात्रियों के साथ लूटपाट या अन्य आपराधिक वारदातें होने की आशंका बनी रहती है। नागरिकों ने कहा कि परिवहन विभाग के कर्मचारियों का यह रवैया सीधे तौर पर यात्रियों की जान को जोखिम में डालने जैसा है। पीड़ित यात्रियों का आरोप है कि उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम की शिकायत खतौली डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक राकेश कुमार से भी की थी, परंतु शिकायत के बावजूद संबंधित चालक और परिचालक के खिलाफ अब तक कोई विभागीय या अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं की गई है। एआरएम कार्यालय के इस उदासीन रवैये से यात्रियों और क्षेत्रीय नागरिकों में भारी असंतोष व्याप्त है।

कस्बा वासियों एवं दैनिक यात्रियों ने परिवहन विभाग के उच्चाधिकारियों से पुरजोर मांग की है कि रात्रिकालीन समय में संचालित होने वाली सभी रोडवेज बसों का खतौली कस्बे के अंदर से होकर गुजरना अनिवार्य किया जाए। यात्रियों को बाईपास पर छोड़ने वाले चालक-परिचालकों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। बसों के ठहराव और निर्धारित मार्ग की पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि यात्रियों के समय, धन और सुरक्षा की रक्षा हो सके। अब यह देखना शेष है कि उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के उच्चाधिकारी यात्रियों की इस गंभीर सुरक्षा समस्या का समाधान कब तक निकालते हैं।

महाराजा अग्रसेन जयंती पर श्री कदीम अग्रवाल सभा द्वारा हवन-पूजन एवं विचार गोष्ठी का आयोजन

मुजफ्फरनगर। महाराजा अग्रसेन जी की जयंती के पावन अवसर पर आज श्री कदीम अग्रवाल सभा, अब्बूपुरा द्वारा विधि-विधान के साथ हवन-पूजन किया गया। कार्यक्रम में महाराजा अग्रसेन जी के जीवन चरित्र, उनके आदर्शों, समाज के प्रति उनके योगदान तथा उनके द्वारा दिए गए समानता, सेवा, सहयोग और परोपकार के संदेश पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में मुख्य यजमान के रूप में प्रसिद्ध एडवोकेट श्री हरिओम गोयल जी सपत्नीक उपस्थित रहे। सभा के उपाध्यक्ष श्री मयंक बंसल जी सपत्नीक ने भी हवन-पूजन में भाग लिया। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद मुजफ्फरनगर की माननीय अध्यक्ष श्रीमती मीनाक्षी स्वरूप जी एवं उनके पति श्री गौरव स्वरूप जी प्रसिद्ध उद्योगपति एवं वरिष्ठ भाजपा नेताकी गरिमामयी उपस्थिति रही अध्यक्षता पूर्व अध्यक श्री श्रीमान तायल ब संचालन महामंत्री अनिल तायल का रहा सभी उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने महाराजा अग्रसेन जी के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने तथा समाज में एकता, भाईचारे, सेवा और सहयोग की भावना को मजबूत करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य महाराजा अग्रसेन जी के आदर्शों को जन-जन तक पहुँचाना तथा नई पीढ़ी को उनके महान जीवन और विचारों से प्रेरित करना रहा। महाराजा अग्रसेन जी अमर रहें! महाराजा अग्रसेन जी की जय श्री हरिश्चंद्र, नरेश कुमार गर्ग जी ,मयंक बंसल जी,अनिल बंसल जी, अभिलक्ष मित्तल, आस्था मयंक बंसल, प्रदीप कुमार बंसल जी, गौरव गोयल जी, वीरेंद्र मित्तल जी, दीपक मित्तल , विनोद कुमार गर्ग, प्रदीप गोयल, आशुतोष गुप्ता ,गिरीश बंसल,आदि उपस्थित रहे!

शारदीय नवरात्रि के पहले दिन मिशन शक्ति अभियान-6.0 का आगाज, एसएसपी सूरज कुमार राय ने मीनाक्षी चौक से शिव चौक तक निकाला पैदल मार्च

महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन का दिया संदेश, पुलिस अधिकारियों के साथ सड़क पर उतरे एसएसपी; महिला अपराधों की रोकथाम और जागरूकता पर जोर

मुजफ्फरनगर। शारदीय नवरात्रि के प्रथम दिवस पर मुजफ्फरनगर पुलिस ने महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन और अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मिशन शक्ति अभियान-6.0 का शुभारम्भ किया। अभियान के तहत रविवार, 11 अक्टूबर 2026 को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के नेतृत्व में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने शहर में पैदल मार्च निकाला। मीनाक्षी चौक से शुरू हुआ यह मार्च शिव चौक तक पहुंचा। इस दौरान एसएसपी ने पुलिस बल के साथ सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और आमजन को महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा तथा सम्मान के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। पुलिस ने स्पष्ट किया कि महिलाओं के विरुद्ध छेड़छाड़, उत्पीड़न और हिंसा जैसी घटनाओं की रोकथाम के लिए जागरूकता बढ़ाने के साथ आवश्यक कार्रवाई भी की जाएगी। नवरात्रि के प्रथम दिन शुरू किए गए इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के साथ उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग बनाना है। इसके अंतर्गत महिलाओं को सामाजिक एवं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। पुलिस की ओर से विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा संबंधी जानकारी, अधिकारों तथा शासन की ओर से संचालित कल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताया जा रहा है।

मिशन शक्ति अभियान-6.0 के शुभारम्भ के अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय पुलिस बल के साथ शहर के प्रमुख मार्गों पर निकले। मीनाक्षी चौक से शुरू हुए पैदल मार्च के दौरान पुलिस अधिकारियों ने क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और लोगों को महिला सुरक्षा के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझने का संदेश दिया। पैदल मार्च के माध्यम से आमजन को बताया गया कि महिलाओं और बालिकाओं की

सुरक्षा केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। घर, कार्यस्थल, शिक्षण संस्थान और सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं के प्रति सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित करना जरूरी है। किसी भी महिला या बालिका के साथ छेड़छाड़, उत्पीड़न अथवा हिंसा की घटना सामने आने पर उसे नजरअंदाज करने के बजाय पुलिस को सूचना देने की अपील की गई। मार्च के दौरान पुलिस की मौजूदगी के बीच महिला सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को लेकर जागरूकता का संदेश दिया गया। अभियान का उद्देश्य पुलिस और आमजन के बीच संवाद को मजबूत करना तथा महिलाओं में सुरक्षा को लेकर विश्वास बढ़ाना भी है।

मीनाक्षी चौक से पैदल मार्च करते हुए पुलिस अधिकारी शिव चौक पहुंचे। यहां वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय ने भगवान शिव के मंदिर में दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। शारदीय नवरात्रि के प्रथम दिन आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से धार्मिक अवसर के साथ महिला सुरक्षा और सामाजिक जागरूकता का संदेश भी दिया गया। पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में आयोजित मार्च का मुख्य उद्देश्य शहर में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के साथ महिलाओं एवं बालिकाओं के सम्मान और अधिकारों के प्रति लोगों को जागरूक करना रहा। महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करेगा अभियान

मिशन शक्ति अभियान-6.0 के अंतर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके कानूनी अधिकारों, सुरक्षा उपायों और शासन की ओर से संचालित कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। अभियान के माध्यम से महिलाओं को अपनी समस्याओं के प्रति खुलकर आवाज उठाने और जरूरत पड़ने पर पुलिस की सहायता लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। पुलिस का उद्देश्य महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ाना, उन्हें सामाजिक एवं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करना और महिला संबंधी अपराधों की रोकथाम के लिए समाज में जागरूकता पैदा करना है। इसके लिए अलग-अलग स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी जा रही है। अभियान के तहत महिलाओं को यह संदेश दिया जा रहा है कि किसी भी प्रकार की परेशानी, उत्पीड़न या अपराध की स्थिति में वे भय अथवा संकोच किए बिना पुलिस से संपर्क करें और अपनी शिकायत दर्ज कराएं। पैदल मार्च के दौरान पुलिस की ओर से आमजन को महिलाओं एवं बालिकाओं के प्रति सम्मानजनक व्यवहार अपनाने का संदेश दिया गया। पुलिस ने कहा कि महिलाओं के साथ छेड़छाड़, उत्पीड़न और हिंसा जैसी घटनाओं की रोकथाम के लिए जागरूकता और समय पर शिकायत बेहद महत्वपूर्ण हैं। महिलाओं और बालिकाओं को किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक गतिविधि का सामना करने पर चुप रहने के बजाय अपनी बात संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। वहीं आमजन से भी अपील की गई कि यदि उन्हें महिला संबंधी किसी अपराध या आपत्तिजनक गतिविधि की जानकारी मिलती है तो तत्काल पुलिस को सूचित करें।

पुलिस के अनुसार, महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने के लिए सामुदायिक सहयोग आवश्यक है। जब समाज के लोग भी इस दिशा में जिम्मेदारी निभाएंगे, तभी महिलाओं और बालिकाओं के लिए सुरक्षित वातावरण बनाने के प्रयासों को मजबूती मिलेगी।

महिला सुरक्षा के साथ स्वावलंबन पर भी जोर

मिशन शक्ति अभियान-6.0 का एक प्रमुख उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को केवल सुरक्षा संबंधी जानकारी देना ही नहीं, बल्कि उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित करना भी है। अभियान के माध्यम से उन्हें शासन की कल्याणकारी योजनाओं तथा उपलब्ध सहायता के बारे में जानकारी दी जा रही है, ताकि वे अपने सामाजिक और आर्थिक विकास की दिशा में आगे बढ़ सकें। पुलिस की ओर से महिलाओं को अपनी समस्याओं की जानकारी साझा करने, जरूरत पड़ने पर सहायता प्राप्त करने और किसी भी तरह के अपराध के खिलाफ आवाज उठाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। साथ ही परिवारों और समाज के अन्य लोगों से भी महिलाओं के सम्मान और समान अवसरों को प्राथमिकता देने की अपील की गई। मिशन शक्ति अभियान-6.0 के शुभारम्भ और पैदल मार्च के दौरान पुलिस अधीक्षक नगर अमृत जैन, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक, मिशन शक्ति नोडल अधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक अपराध इंदु सिद्धार्थ तथा पुलिस अधीक्षक यातायात अतुल कुमार चौबे सहित अन्य पुलिस अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में

मुजफ्फरनगर में तेज आंधी और हवा के झोंकों से मची अफरा-तफरी, सर्कुलर रोड पर आधा दर्जन पेड़ टूटे; चर्च के बाहर भी पेड़ गिरा

तेज हवाओं के चलते कई पेड़ और शाखाएं क्षतिग्रस्त, जिला परिषद मार्केट के सामने चर्च के बाहर एक पेड़ उखड़ा, दो अन्य पेड़ों की शाखाएं टूटीं; सड़कों पर पेड़ गिरने से लोगों में मची हलचल

मुजफ्फरनगर। शहर में तेज आंधी और हवा के झोंकों के चलते कई स्थानों पर पेड़ टूटकर गिर गए। सर्कुलर रोड पर करीब आधा दर्जन पेड़ टूटने की सूचना है। तेज हवाओं का असर जिला परिषद मार्केट के सामने स्थित चर्च के बाहर भी देखने को मिला, जहां एक पेड़ टूटकर गिर गया, जबकि दो अन्य पेड़ों की शाखाएं टूट गईं। अचानक चली तेज हवाओं के कारण पेड़ों के क्षतिग्रस्त होने से शहर में लोगों के बीच हलचल मच गई। सड़कों और आसपास के इलाकों में पेड़ों के टूटने की घटनाओं ने मौसम के अचानक बदले मिजाज की ओर ध्यान खींचा। शहर में तेज हवा के झोंकों का असर कई स्थानों पर दिखाई दिया। सर्कुलर रोड पर आधा दर्जन पेड़ों के टूटने से क्षेत्र में नुकसान हुआ। वहीं जिला परिषद मार्केट के सामने चर्च के बाहर एक पेड़ टूटकर गिर गया और दो अन्य पेड़ों की शाखाएं टूट गईं। तेज हवाओं के कारण पेड़ों के तने और शाखाएं टूटने से आसपास के लोगों का ध्यान इस ओर गया। मुजफ्फरनगर के सर्कुलर रोड पर तेज हवा के चलते करीब आधा दर्जन पेड़ टूट गए। हवा के तेज झोंकों के कारण पेड़ क्षतिग्रस्त होने की घटना सामने आई। सड़क के आसपास पेड़ों के टूटने से लोगों में हलचल रही। शहर के इस प्रमुख मार्ग पर पेड़ों के टूटने की सूचना से राहगीरों और स्थानीय लोगों का ध्यान भी इस ओर गया।

जिला परिषद मार्केट के सामने चर्च के बाहर भी नुकसान

तेज हवाओं का असर जिला परिषद मार्केट के सामने स्थित चर्च के बाहर भी दिखाई दिया। यहां एक पेड़ टूटकर गिर गया, जबकि दो अन्य पेड़ों की शाखाएं टूट गईं। पेड़ों के क्षतिग्रस्त होने से चर्च के बाहर के क्षेत्र में भी नुकसान हुआ। अचानक पेड़ टूटने की घटना ने आसपास मौजूद लोगों को चौंका दिया।

तेज हवाओं से बदला शहर का मिजाज

शहर में तेज हवा के झोंकों के चलते पेड़ों के टूटने की घटनाएं सामने आने के बाद मौसम के अचानक बदले मिजाज की चर्चा रही। सर्कुलर रोड से लेकर जिला परिषद मार्केट के सामने स्थित चर्च तक पेड़ों के क्षतिग्रस्त होने की जानकारी मिली। हालांकि, इन घटनाओं में किसी व्यक्ति के घायल होने या अन्य नुकसान की आधिकारिक जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है। तेज हवाओं के दौरान लोगों को पेड़ों के नीचे और कमजोर शाखाओं के आसपास खड़े होने से बचने की जरूरत है। विशेषकर पुराने और बड़े पेड़ों के आसपास सावधानी बरतना जरूरी है, क्योंकि तेज हवा में उनकी शाखाएं टूटकर गिर सकती हैं। शहर में तेज हवाओं के कारण पेड़ों के टूटने की इन घटनाओं ने एक बार फिर मौसम के अचानक बदलने पर सतर्क रहने की जरूरत को रेखांकित किया है।

लायंस क्लब मुजफ्फरनगर उन्नति ने धूमधाम से मनाई गरबा एवं डांडिया नाइट

मुजफ्फरनगर। लायंस क्लब मुजफ्फरनगर उन्नति द्वारा गरबा एवं डांडिया नाइट का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संगीत, मस्ती, मनोरंजन और नृत्य का शानदार संगम देखने को मिला। क्लब के सदस्यों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ भाग लेकर इस रंगीन शाम को यादगार बना दिया। कार्यक्रम में शानदार अंताक्षरी, मनोरंजक खेलों, मजेदार गायन और धमाकेदार डांस ने सभी का भरपूर मनोरंजन किया। सदस्यों ने सुर, ताल और संगीत के बीच खूब मस्ती की। डांडिया की खनक और गरबा के रंगों से पूरा माहौल उत्सवमय हो गया। सभी सदस्यों ने जमकर नृत्य किया और कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया।ये जानकारी क्लब के मीडिया चेयरमैन एवं डिप्टी डिस्ट्रिक गवर्नर लायन अनिल कंसल ने दी। कार्यक्रम का प्रभावी एवं आकर्षक संचालन लायन

शिवांगी गर्ग एवं लायनेड शालू मित्तल द्वारा किया गया। दोनों ने अपनी शानदार एंकरिंग और मनोरंजक अंदाज से कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए तथा पूरे समय सदस्यों को उत्साह और उमंग से जोड़े रखा। इस अवसर पर क्लब के अनेक सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रमुख रूप से डिस्ट्रिक्ट ऑफिसर लायन अजय अग्रवाल, लायन रीना अग्रवाल, रीजन चेयरपर्सन लायन मनीष बंसल, पूर्व अध्यक्ष लायन अमित मित्तल, सचिव लायन दिनेश गर्ग, कोषाध्यक्ष लायन रोहित सिंघल, लायन अतुल एरन, लायन अनिल कंसल, लायन अमित गर्ग, लायन निखिल मित्तल, लायन ममता अग्रवाल, लायन दीप अग्रवाल, लायन प्रतिभा बंसल, लायन वंदना मित्तल, लायन पूजा सिंघल, लायन सचिन गोयल, लायन राहुल महेश्वरी, लायन डॉ. प्रवेश कुमार, लायन हिमांशु गुप्ता, लायन आकाश अग्रवाल, लायन नितिन गोयल, लायन राजेश मित्तल, लायन विशाल अग्रवाल, लायन नितिन सिंघल, लायन मयंक गोयल, लायन नेहा गर्ग, लायन नीतू गोयल, लायन रचना महेश्वरी, लायनेड रुचि मित्तल, लायनेड निधि अग्रवाल, लायनेड मोना सिंघल, लायन अनुपमा कर्णवाल, लायनेड सौम्या गुप्ता, लायनेड खुशबू गोयल, लायनेड छाया गोयल एवं लायनेड सुनीता कंसल सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादक:
◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222,
मो. 9412211222
e-mail Address :
royalbulletin@gmail.com

रॉयल बुलेटिन

मुजफ्फरनगर समाचार

सोमवार 12 अक्टूबर '2026 पृष्ठ 3

तेज आंधी के साथ झमाझम बारिश; दिन में छाया अंधेरा, वाहनों की लाइट जलाकर निकले चालक

अचानक बदले मौसम ने कराया सर्दी का अहसास, बारिश और तेज हवाओं से सड़कों पर थमी रफ्तार, कई इलाकों में बिजली गुल होने से बढ़ी लोगों की परेशानी, जनजीवन प्रभावित

मुजफ्फरनगर। जनपद में रविवार को अचानक मौसम का मिजाज बदलने से दिन में ही अंधेरे जैसी स्थिति बन गई। आसमान में घने काले बादल छाने के बाद तेज आंधी चलने लगी और देखते ही देखते बारिश शुरू हो गई। मौसम में आए इस बदलाव से लोगों को सर्दी का अहसास होने लगा। तेज हवाओं और बारिश के चलते सड़कों पर आवाजाही प्रभावित हुई। आसमान में छाए घने बादलों के कारण दिन में ही दृश्यता कम होने लगी, जिसके चलते कई वाहन चालकों को अपने वाहनों की लाइट जलाकर गंतव्य की ओर जाना पड़ा। वहीं, बारिश और तेज हवाओं के बीच बिजली आपूर्ति बाधित होने से लोगों की परेशानियां और बढ़ गईं। रविवार को जनपद में मौसम ने अचानक करवट ली। कुछ ही देर में आसमान में काले बादलों ने डेरा जमा लिया। देखते ही देखते वातावरण में अंधेरा छाने लगा और तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई। मौसम का यह बदला हुआ रूप देखकर लोग भी हैरान रह गए। घने बादलों के कारण दिन के समय भी रोशनी कम हो गई। सामान्य दिनों में जहां दिन के उजाले में सड़कें साफ दिखाई देती हैं, वहीं बादलों की घनी चादर के चलते कई स्थानों पर वाहन चालकों को लाइट जलाकर चलना पड़ा। अचानक बदले मौसम ने पूरे वातावरण को बदलकर रख दिया। तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू होने से सड़कों पर चलने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। दोपहिया वाहन चालकों और पैदल राहगीरों को बारिश से बचने के लिए सुरक्षित स्थानों पर रुकना पड़ा। वहीं, सड़क पर चल रहे वाहन चालकों को भी सावधानी बरतनी पड़ी। दिन में अंधेरा छाने और बारिश के कारण सड़क पर आगे देखने में परेशानी होने की स्थिति बनी। ऐसे में कई वाहन चालकों ने अपने वाहनों की हेडलाइट जलाई और सावधानीपूर्वक अपने गंतव्य की ओर बढ़े। अचानक मौसम बिगड़ने से बाजारों और सड़कों पर निकलने वाले लोगों की दिनचर्या भी प्रभावित हुई। बारिश के दौरान खुले स्थानों पर मौजूद लोगों को आश्रय तलाशना पड़ा, जबकि दोपहिया वाहनों पर सफर कर रहे लोगों को विशेष परेशानी का सामना करना पड़ा। आसमान में घने काले बादल छाने के कारण दिन में ही अंधेरे जैसी स्थिति बन गई। इसके चलते सड़क पर चलने वाले कई वाहन चालकों को अपने वाहनों की लाइट जलानी पड़ी। बारिश और कम रोशनी के बीच चालकों ने सावधानी बरतते हुए अपने गंतव्य की ओर सफर जारी रखा।

ऐसे मौसम में सड़क पर दृश्यता कम होने के कारण दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ सकता है। खासकर दोपहिया वाहन चालकों के लिए फिसलन भरी सड़कें परेशानी पैदा कर सकती हैं। इसलिए बारिश के दौरान धीमी गति से वाहन चलाना और दूसरे वाहनों से पर्याप्त दूरी बनाए रखना जरूरी है। तेज हवाओं और बारिश के चलते मौसम में ठंडक महसूस होने लगी।

दिन के समय गर्मी और सामान्य मौसम के बीच अचानक आए बदलाव ने लोगों को सर्दी का अहसास करा दिया। काले बादलों, तेज हवाओं और बारिश के कारण वातावरण में ठंडक बढ़ती महसूस हुई।

भोकरहेड़ी में दंगल देखने गए युवक की बाइक चोरी: ग्राउंड के गेट से उड़ा ले गए चोर, तलाश में जुटी पुलिस

भोकरहेड़ी इंटर कॉलेज में कुश्ती खत्म होने के बाद वापस लौटने पर गायब मिली बाइक

मोरना (मुजफ्फरनगर)। कस्बा भोकरहेड़ी स्थित इंटर कॉलेज में आयोजित दंगल प्रतियोगिता को देखने पहुंचे एक युवक की मोटरसाइकिल अज्ञात बदमाशों ने चोरी कर ली। पीड़ित ने जब कुश्ती का कार्यक्रम समाप्त होने के बाद वापस आकर देखा तो वाहन मौके से नदारद मिला। पीड़ित की ओर से स्थानीय भोपा थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ तहरीर दी गई है, जिसके बाद पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार भोपा थाना क्षेत्र के कस्बा भोकरहेड़ी के मोहल्ला नईबस्ती निवासी मेहताब पुत्र मौसम शनिवार को मोरना मार्ग पर स्थित इंटर कॉलेज भोकरहेड़ी के खेल ग्राउंड में कुश्ती का दंगल देखने गया था। मेहताब ने अपनी स्प्लेंडर जेड ब्लैक मोटरसाइकिल (नंबर UP 12 BF 8410) को खेल मैदान के अंदर मुख्य गेट के पास बाकायदा लॉक लगाकर खड़ा किया था। देर शाम दंगल का आयोजन समाप्त होने पर जब वह वापस अपनी बाइक के पास पहुंचा तो वहां का नजारा देखकर उसके होश उड़ गए।

अज्ञात चोरों ने ताला तोड़कर वारदात को दिया अंजाम अज्ञात शातिर चोर मेहताब की बाइक का लॉक तोड़कर उसे उड़ा ले गए थे। काफी खोजबीन और आसपास के लोगों से पूछताछ करने के बाद भी जब बाइक का कोई अता-पता नहीं चला, तो पीड़ित ने तत्काल पुलिस को घटना से अवगत कराया। पीड़ित ने तहरीर देकर पुलिस से चोरों का सुराग लगाकर वाहन बरामद करने की गुहार लगाई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया है।

मामले की जांच कर रही पुलिस टीम ने इंटर कॉलेज ग्राउंड और मोरना मार्ग के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है, ताकि चोरों की आवाजाही और बाइक ले जाने की दिशा का पता लगाया जा सके। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फुटेज के आधार पर जल्द ही शातिरों को चिन्हित कर बाइक बरामद कर ली जाएगी।

भोकरहेड़ी में ताबड़तोड़ फायरिंग से खौफ में परिवार: दो दिन बाद भी आरोपी पुलिस गिरफ्त से दूर, परिवार ने मांगी सुरक्षा

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद जागा प्रशासन, फोरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य

मोरना (मुजफ्फरनगर)। क्षेत्र के ऐतिहासिक कस्बे भोकरहेड़ी के मोहल्ला नेहरू चौक में शुक्रवार की देर रात हुई ताबड़तोड़ फायरिंग की घटना ने पूरे इलाके को दहलाकर रख दिया है। जन्मदिन की पार्टी से लौट रहे कार सवार हमलावरों ने पुरानी रंजिश के चलते संजीव और राजीव के मकान को निशाना बनाकर अंधाधुंध गोलियां बरसाईं। घटना के 48 घंटे बीत जाने के बावजूद पुलिस के हाथ खाली हैं, जिससे पीड़ित परिवार और आसपास के निवासियों में गहरा खौफ व्याप्त है। पीड़ित परिवार ने अपनी जान का खतरा जताते हुए आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी और सुरक्षा की गुहार लगाई है। शुक्रवार रात करीब 11 बजे हुए इस हमले से मोहल्ला नेहरू चौक अचानक गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंज उठा। हमलावर वारदात को अंजाम देकर मौके से फरार हो गए। गोलियों की बौछार इतनी भीषण थी कि मकान के लोहे के दरवाजों और पक्की दीवारों में छर्रों व गोलियों के गहरे निशान बन गए। शनिवार सुबह मौके पर पड़ताल के दौरान मकान के बाहर बड़ी संख्या में खाली कारतूस के खोखे बिखरे मिले, जिन्हें देखकर ग्रामीण भी सहम गए।

एसपी और फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी अक्षय संजय महाडिक, क्षेत्राधिकारी (सीओ) राधा रमण सिंह और भोपा थाना प्रभारी निरीक्षक आशुतोष कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने पीड़ित परिजनों से बातचीत कर सुरक्षा का पूरा भरोसा दिया। इसके साथ ही फोरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल का मुआयना कर वहां से खाली कारतूस, दीवारों के नमूने व अन्य महत्वपूर्ण वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्रित किए। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। नामजद आरोपियों में भोकरहेड़ी निवासी बादल, निखिल उर्फ फाटा, हार्दिक, राजन तथा थाना पुरकाजी क्षेत्र के गांव तुगलकपुर निवासी आर्यन खेड़ा शामिल हैं। इसके अलावा कई अज्ञात हमलावरों को भी मुकदमे में शामिल किया गया है।

स्थानीय सूत्रों और पुलिस जांच के अनुसार, यह वारदात दो पक्षों के बीच लंबे समय से चली आ रही रंजिश का नतीजा है। इससे पूर्व बीते तीन अगस्त को भी इसी रंजिश के तहत एक पक्ष के विक्रांत की ओर से थाना भोपा में मुकदमा दर्ज कराया गया था। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस यदि पूर्व में हुई घटना पर सख्त कदम उठाती, तो शायद शुक्रवार रात यह दुस्साहसिक वारदात न होती।

बुढ़ाना में गौकशी के मामले में वांछित दूसरे आरोपी से पुलिस की मुठभेड़, गोली लगने से घायल

बसी रोड-चंदेड़ी मार्ग पर गौकशी की सूचना के बाद पुलिस पर फायरिंग कर फरार हुआ था आरोपी, मदीनपुर के जंगल में घेराबंदी के दौरान दबोचा, तमंचा, जिंदा और खोखा कारतूस बरामद

बुढ़ाना। बुढ़ाना क्षेत्र में गौकशी के मामले में वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए जुटी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। बसी रोड से चंदेड़ी रोड की ओर जंगल में गौकशी की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम पर फायरिंग कर फरार हुए दूसरे आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान हरियाणा के पानीपत जनपद के सनौली थाना क्षेत्र के ग्राम पत्थरगढ़ निवासी दिलशाद पुत्र मंजूर के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से एक तमंचा, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस .315 बोर बरामद किया है। घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ पहले से भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

गौकशी की सूचना पर पहुंची थी पुलिस, फायरिंग कर भागा था साथी

पुलिस के अनुसार शुक्रवार रात को थाना बुढ़ाना पुलिस को सूचना मिली थी कि बसी रोड से चंदेड़ी रोड की ओर जंगल में दो व्यक्ति एक गोवंश की गौकशी करने की तैयारी में हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस का दावा है कि इस दौरान आरोपियों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए दिलावर पुत्र कदीर निवासी ग्राम परासौली, थाना बुढ़ाना, मुजफ्फरनगर को घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया था, जबकि उसका साथी दिलशाद मौके से फरार हो गया था। फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही थी।

मदीनपुर के जंगल में छिपे होने की मिली सूचना

पुलिस के मुताबिक, 10 अक्टूबर की देर रात मुखबिर से सूचना मिली कि पहले हुई मुठभेड़ में फरार हुआ आरोपी मदीनपुर के जंगल में छिपा हुआ है और वहां से भागने की फिराक में है। सूचना के आधार पर थाना बुढ़ाना पुलिस ने बताए गए स्थान पर पहुंचकर तलाश शुरू कर दी। इसी दौरान पुलिस टीम को खड़ंजे पर एक व्यक्ति पैदल आता दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया, लेकिन वह रुकने के बजाय वापस मुड़कर तेज कदमों से चलने लगा। पुलिस टीम उसके करीब पहुंची तो आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग कर दी और ईख के खेत में घुस गया।

पुलिस की चेतावनी के बाद भी नहीं रुका, जवाबी फायरिंग में घायल

पुलिस के अनुसार, आरोपी की ओर से की गई फायरिंग में पुलिसकर्मी बाल-बाल बच गए। पुलिस टीम ने उसे फायरिंग बंद कर आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, लेकिन आरोपी ने चेतावनी को अनसुना करते हुए फायरिंग जारी रखी। इसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की, जिसमें आरोपी घायल हो गया। पुलिस ने घायल आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक तमंचा, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस .315 बोर बरामद हुआ। इसके बाद घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस अब गिरफ्तारी और बरामदगी के संबंध में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

गिरफ्तार आरोपी पर पहले से दर्ज हैं कई मुकदमे

पुलिस द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार दिलशाद का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। उसके खिलाफ बुढ़ाना थाने में वर्ष 2024 में भारतीय दंड संहिता की धारा 307 और शस्त्र अधिनियम की धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ था। वर्ष 2025 में उसके खिलाफ गैंगस्टर अधिनियम के तहत भी कार्रवाई की गई थी। इसके अतिरिक्त, वर्ष 2026 में उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 109(1), 317(5), शस्त्र अधिनियम तथा गोवध निवारण अधिनियम से संबंधित धाराओं में मुकदमे दर्ज होने का उल्लेख पुलिस ने किया है। पुलिस के अनुसार, उसके अन्य आपराधिक इतिहास की जानकारी भी जुटाई जा रही है।

थाना प्रभारी के नेतृत्व में हुई कार्रवाई

यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के पर्यवेक्षण में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक, क्षेत्राधिकारी बुढ़ाना गजेन्द्र पाल सिंह और थाना प्रभारी बुढ़ाना सुभाष बाबू अत्री के नेतृत्व में की गई। पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक सुभाष अत्री, उपनिरीक्षक मोहित कुमार तेवतिया, उपनिरीक्षक ललित कसाना, मुख्य आरक्षी हरीश पाल सिंह तथा आरक्षी पवन कुमार और कपिल कुमार शामिल रहे।

नाबालिग से दुष्कर्म और धर्म परिवर्तन के मामले में 25 हजार का इनामी बदमाश मुठभेड़ में घायल, गिरफ्तार

नई मंडी पुलिस की टीएस मान रजवाहे पर कार्रवाई, पुलिस टीम पर गोली चलाने के बाद जवाबी फायरिंग में पैर में लगी गोली, तमंचा, जिंदा और खोखा कारतूस बरामद

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर में नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने, दुष्कर्म और धर्म परिवर्तन से जुड़े मामले में फरार चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी आरोपी को नई मंडी पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, शनिवार को टीएस मान रजवाहे के पास गश्त के दौरान आरोपी दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया तो वह भागने लगा और पुलिस टीम पर गोली चला दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी घायल हो गया। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान हरियाणा के गुरुग्राम स्थित रामपुरा निवासी अजरू उर्फ अजरुद्दीन पुत्र दीनू उर्फ दीन मोहम्मद के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से .315 बोर का एक तमंचा, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद करने का दावा किया है। पुलिस के अनुसार, छह जून 2026 को नई मंडी थाना क्षेत्र की एक महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि एक अज्ञात व्यक्ति उसकी नाबालिग बेटी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। शिकायत के आधार पर नई मंडी थाने में मुकदमा अपराध संख्या 282/2026 दर्ज किया गया था। पुलिस ने नाबालिग की सकुशल बरामदगी और मामले का खुलासा करने के लिए टीम गठित की थी। विवेचना के दौरान हरियाणा के गुरुग्राम स्थित रामपुरा निवासी अजरू उर्फ अजरुद्दीन का नाम सामने आया। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान मिले तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर मुकदमे में भारतीय न्याय संहिता की धारा 87 और 64(1), लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) की धारा 3/4, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम की धारा 3(2)(5) तथा धर्म परिवर्तन से संबंधित कानून की धारा 3/4 की बढ़ोतरी की गई थी। पुलिस के मुताबिक मंडी पुलिस क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि नाबालिग से संबंधित मामले में वांछित चल रहा आरोपी टीएस मान रजवाहे के पास बैठा है और किसी अन्य घटना को अंजाम देने की फिराक में है। सूचना मिलने पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर रजवाहे के पास बैठा व्यक्ति तेज कदमों से जाने लगा। पुलिसकर्मियों ने उसे रुकने और जांच कराने के लिए कहा, लेकिन वह नहीं रुका। पुलिस टीम ने जब उसके पास पहुंचने का प्रयास किया तो उसने पुलिस पर जान से मारने की नीयत से गोली चला दी। पुलिस की चेतावनी के बाद भी की फायरिंग, जवाबी कार्रवाई में घायल पुलिस का दावा है कि आरोपी की ओर से चलाई गई गोली से पुलिसकर्मी बाल-बाल बच गए। पुलिस टीम ने आरोपी को फायरिंग बंद कर आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, लेकिन उसने चेतावनी की अनदेखी करते हुए गोलीबारी जारी रखी। इसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की, जिसमें आरोपी घायल हो गया। पुलिस ने घायल आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक तमंचा, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस .315 बोर बरामद किया गया। घायल अवस्था में उसे उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस के अनुसार, आरोपी की गिरफ्तारी और बरामदगी के संबंध में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

रिश्ता टूटने के बाद बढ़ा विवाद! खालसा पट्टी में घर के बाहर लाठी-डंडे लेकर पहुंचे युवक, घटना का वीडियो वायरल

छोटे भाई का रिश्ता समाप्त होने के बाद घर पर हंगामा करने का आरोप, दहशत में परिवार ने नहीं खोला दरवाजा, पीड़िता ने खालापार थाने में दी शिकायत

मुजफ्फरनगर। शहर के थाना खालापार क्षेत्र की खालसा पट्टी में रिश्ता समाप्त होने के बाद विवाद का मामला सामने आया है। एक महिला ने कुछ युवकों पर घर के बाहर पहुंचकर गाली-गलौज करने, लाठी-डंडों से दरवाजे पर वार करने और जान से मारने की धमकी देने के गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला का कहना है कि घर के बाहर हुए हंगामे से परिवार के लोग बुरी तरह घबरा गए और किसी अनहोनी की आशंका के चलते उन्होंने घर का दरवाजा नहीं खोला। पीड़िता ने इस पूरे मामले को लेकर थाना खालापार में शिकायत देकर आरोपितों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। वहीं, घटना से संबंधित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने की बात भी सामने आई है। हालांकि, मामले में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि और पुलिस की आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने आना बाकी है। खालसा पट्टी निवासी सादिया राना ने थाना खालापार पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि उनके छोटे भाई का रिश्ता अमान की बहन के साथ हुआ था। बाद में किसी कारणवश दोनों पक्षों के बीच यह रिश्ता समाप्त हो गया। महिला के अनुसार, रिश्ता समाप्त होने के बाद से दोनों पक्षों के बीच विवाद की स्थिति बनी हुई थी। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इसी विवाद के चलते उनके घर पर आकर हंगामा किया गया। महिला ने पुलिस से पूरे मामले की जांच कराते हुए संबंधित लोगों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। हालांकि, रिश्ता किन परिस्थितियों में समाप्त हुआ और विवाद की वास्तविक वजह क्या रही, इसकी विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। सादिया राना की ओर से दी गई शिकायत के मुताबिक, 7 अक्टूबर 2026 को सुबह करीब 10:40 बजे कुछ लोग उनके घर के बाहर पहुंचे। महिला का आरोप है कि घर के बाहर पहुंचने के बाद इन लोगों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। इसके बाद लाठी-डंडों से घर के दरवाजे पर वार किए गए और दरवाजे पर लाठियां बजाई गईं। महिला के अनुसार, अचानक हुए इस घटनाक्रम से घर के अंदर मौजूद परिवार के लोग घबरा गए। उन्हें आशंका हुई कि यदि दरवाजा खोला गया तो उनके साथ मारपीट की जा सकती है। इसी डर के चलते परिवार ने दरवाजा नहीं खोला और घर के अंदर ही रहा। पीड़िता ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि घर के बाहर मौजूद लोग गाली-गलौज करते रहे। परिवार को डर था कि बाहर निकलने पर विवाद और अधिक बढ़ सकता है तथा कोई गंभीर घटना हो सकती है। महिला का कहना है कि घर के दरवाजे पर लाठी-डंडे मारने और धमकी देने से परिवार के लोग भयभीत हो गए थे। शिकायत के अनुसार, आरोपितों ने कथित तौर पर जान से मारने की धमकी भी दी और इसके बाद वहां से चले गए।

महिला ने पुलिस को दिए प्रार्थनापत्र में इस घटनाक्रम का उल्लेख करते हुए सुरक्षा और न्याय की मांग की है। हालांकि, यह स्पष्ट होना बाकी है कि घटना के समय घर के अंदर कितने लोग मौजूद थे, मौके पर आसपास के लोगों ने क्या देखा और विवाद के दौरान किसी प्रकार की चोट या संपत्ति को नुकसान पहुंचा या नहीं। इन तथ्यों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। महिला का आरोप है कि घर के बाहर हुए हंगामे और धमकी के कारण परिवार के लोग दहशत में आ गए। किसी भी अप्रिय घटना की आशंका के चलते उन्होंने बाहर निकलने से परहेज किया। शिकायतकर्ता ने पूरे मामले को गंभीर बताते हुए पुलिस से आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

नाली के पानी के विवाद में घर में घुसकर मारपीट का आरोप, चार लोग घायल, नौ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। भोपा थाना क्षेत्र के ग्राम कासमपुरा में घर के बाहर नाली के पानी को लेकर हुआ विवाद मारपीट में बदल गया। आरोप है कि गांव के नौ लोगों ने एक राय होकर महिला के घर में घुसकर उसके और परिवार के सदस्यों के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। हमले में महिला, उसके पति पालेराम, देवर तारे और मिंटू को चोटें आने की बात शिकायत में कही गई है। पीड़िता ने आरोपितों पर लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से हमला करने तथा जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। मामले में पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। ग्राम कासमपुरा निवासी चाहती देवी ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि छह अक्टूबर 2026 की सुबह करीब नौ बजे घर के बाहर नाली के पानी को लेकर विवाद हुआ था। आरोप है कि इसी दौरान गांव के ओम सिंह, प्रवीण और मिलन, सन्नी, जनेश्वर, विपिन, सचिन, संजय और कुनाल एक साथ उसके घर में घुस आए।

पीड़िता के अनुसार, आरोपितों के हाथों में लाठी-डंडे और धारदार हथियार थे। घर में घुसते ही उन्होंने गाली-गलौज शुरू कर दी और विरोध करने पर परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट की। महिला ने आरोप लगाया कि उक्त लोग उसके परिवार से रंजिश रखते हैं और आए दिन झगड़ा करते रहते हैं। चाहती देवी ने अपनी शिकायत में बताया कि घटना के समय घर पर वह, उसका पति और पुत्रवधू मौजूद थे। मारपीट और शोर-शराबे की आवाज सुनकर उसका देवर भी मौके पर पहुंच गया। आरोप है कि हमलावरों ने पालेराम और तारे के साथ भी मारपीट की, जिससे परिवार के कई सदस्यों को चोटें आईं। पीड़िता के मुताबिक, परिवार के लोगों ने जब बचाव के लिए शोर मचाया तो ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। आरोप है कि ग्रामीणों के हस्तक्षेप के बाद परिवार के सदस्यों को बचाया जा सका।

पीड़िता ने आरोप लगाया कि मारपीट करने के बाद आरोपित परिवार को जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से चले गए।

शिकायत के अनुसार, आरोपितों ने धमकी दी कि वे परिवार को नहीं छोड़ेंगे और उनका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता, क्योंकि उनके पुलिस में ऊपर तक संबंध हैं। चाहती देवी का कहना है कि इन धमकियों के कारण उसका परिवार डरा हुआ है और उसे अपनी जान-माल की सुरक्षा की चिंता सता रही है। उसने पुलिस अधिकारियों से परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने और आरोपितों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की।

महिला ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को दिए प्रार्थना पत्र में यह भी कहा कि उसने घटना के संबंध में थाना भोपा पुलिस और छह अक्टूबर को संबंधित पुलिस अधिकारी के समक्ष शिकायत की थी, लेकिन उसके अनुसार, उस समय कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई।

इसके बाद उसने नौ अक्टूबर 2026 को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से दोबारा शिकायत कर न्याय की गुहार लगाई। पीड़िता ने मांग की कि आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाए तथा उसके परिवार को सुरक्षा प्रदान की जाए।

ऑनलाइन विज्ञापन देकर कार बेचना पड़ा महंगा! 2.80 लाख का चेक थमाकर गाड़ी ले गया सहारनपुर का व्यक्ति, रुपये मांगने पर दी जान से मारने की धमकी

मुजफ्फरनगर। अपनी कार बेचने के लिए ऑनलाइन माध्यम पर विज्ञापन देना मुजफ्फरनगर के फुगाना थाना क्षेत्र के गांव कुरावा निवासी एक व्यक्ति के लिए परेशानी का कारण बन गया। आरोप है कि सहारनपुर निवासी एक व्यक्ति कार खरीदने के बहाने उसके घर पहुंचा और 2 लाख 80 हजार रुपये में सौदा तय करने के बाद इतनी ही रकम का चेक थमाकर कार तथा उसके कागजात अपने साथ ले गया। पीड़ित का आरोप है कि कार ले जाते समय उसे भरोसा दिलाया गया था कि दो-चार दिन बाद चेक वापस लेकर पूरी रकम का भुगतान कर दिया जाएगा, लेकिन निर्धारित समय बीतने के बाद भी न तो रुपये मिले और न ही कार वापस की गई। आरोप है कि जब पीड़ित ने अपने पैसे मांगे तो उसे कथित तौर पर ठगी करने की बात कहते हुए धमकाया गया। बाद में आरोपी के घर पहुंचकर रकम अथवा कार वापस मांगने पर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। पीड़ित की लिखित शिकायत के आधार पर फुगाना थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। गांव कुरावा निवासी कविन्द्र ने फुगाना थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसने अपनी कार संख्या डीएल 8 सीएएन 8082 को बेचने के लिए ऑनलाइन माध्यम पर विज्ञापन डाल रखा था। वह अपनी कार बेचना चाहता था और इसी सिलसिले में उसने वाहन की जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध कराई थी। शिकायत के अनुसार, सहारनपुर जनपद के सदर बाजार थाना क्षेत्र की इंद्रा कॉलोनी, पेपर मिल रोड निवासी अमित चौधरी ने ऑनलाइन विज्ञापन देखने के बाद कविन्द्र से फोन पर संपर्क किया। बातचीत के दौरान अमित ने कार खरीदने की इच्छा जताई। इसके बाद वह वाहन देखने और सौदे की बातचीत करने के लिए कविन्द्र के घर पहुंच गया। कविन्द्र ने अपनी शिकायत में बताया कि जब अमित चौधरी उसके घर आया था, उस समय उसका भाई रविन्द्र भी वहां मौजूद था। दोनों पक्षों के बीच कार की कीमत को लेकर बातचीत हुई और अंत में 2 लाख 80 हजार रुपये में सौदा तय हो गया। आरोप है कि कार की कीमत के भुगतान के लिए अमित चौधरी ने कविन्द्र को 2 लाख 80 हजार रुपये का चेक दिया। शिकायत में चेक संख्या का उल्लेख किया गया है। इसके बाद अमित चौधरी कार और उसके कागजात अपने साथ लेकर चला गया। कविन्द्र के अनुसार, उस समय अमित ने उससे कहा था कि वह दो-चार दिन बाद अपना चेक वापस ले जाएगा और कार की पूरी कीमत 2 लाख 80 हजार रुपये अदा कर देगा। इसी बात पर भरोसा करते हुए उसने अपनी कार आरोपी को सौंप दी। पीड़ित का कहना है कि उसे उम्मीद थी कि तय समय के भीतर भुगतान कर दिया जाएगा, लेकिन बाद में मामला उलझता चला गया। शिकायतकर्ता के मुताबिक, कार सौंपने के बाद जब तय समय बीत गया तो उसने अमित चौधरी से संपर्क कर कार की कीमत के भुगतान के बारे में जानकारी मांगी। आरोप है कि बार-बार संपर्क करने के बावजूद उसे रकम नहीं

संपादकीय

जर्जर इमारतों को खाली कराने और सुरक्षित पुनर्वास की स्पष्ट व्यवस्था जरूरी

दिल्ली के सीमापुरी इलाके में चार मंजिला इमारत ढहने की घटना को महज एक हादसा कहकर आगे बढ़ना आसान है, लेकिन सवाल यही है कि राजधानी में ऐसी दुर्घटनाएं बार-बार क्यों हो रही हैं। सवाल इमारत ढहने का ही नहीं, तंत्र की नाकामी का भी है।अगर किसी इमारत में दरारें दिख रही थीं, तो क्या किसी जिम्मेदार तंत्र की नजर उस पर नहीं थी? क्या राजधानी में जर्जर और जोखिम वाली इमारतों का कोई अभिलेख नहीं है? क्या लोगों की जान बचाने के लिए किसी इमारत के मलबे में बदलने का इंतजार जरूरी है? पिछले महीने सत्य निकेतन की घटना अभी भी लोगों की जेहन में ताजा है। वहां भी हादसे की जिम्मेदारी तय करने के आश्वासन मिले। मगर उन घटनाओं से व्यवस्था ने क्या सबक लिया?विडंबना है कि हादसे के बाद व्यवस्था अचानक जागती है। मुआवजे की घोषणा होती है, जांच बैठती है, जिम्मेदारों पर कार्रवाई का भरोसा दिया जाता है और कुछ समय बाद सब सामान्य हो जाता है। किसी को चिंता नहीं सताती कि अगली इमारत कब गिरेगी और उसके नीचे कौन दबेगा।सवाल यह कि आखिर जिम्मेदार कौन है? केवल भवन मालिक? अवैध निर्माण करने वाला? निर्माण की अनुमति देने वाला? निरीक्षण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारी? या फिर वह पूरी प्रशासनिक व्यवस्था, जो खतरे को देखते हुए भी समय रहते निर्णायक कदम नहीं उठाती? जिम्मेदारी जितनी बंटी हुई दिखाई देती है, जवाबदेही उतनी ही गायब नजर आती है।राजधानी में सुरक्षित आवास कोई विलासिता नहीं, नागरिक का बुनियादी अधिकार है। इसलिए जरूरी है कि जोखिम वाली इमारतों का नियमित संरचनात्मक सर्वेक्षण हो, उन्हें खाली कराने और सुरक्षित पुनर्वास की स्पष्ट व्यवस्था बने और लापरवाही साबित होने पर जिम्मेदारी ऊपर तक तय हो। मुआवजा मृत लोगों को वापस नहीं ला सकता और जांच किसी परिवार की उजड़ी दुनिया फिर से नहीं बसा सकती।दिल्ली को ऐसी व्यवस्था चाहिए जो मलबा हटाने में दक्ष होने से पहले किसी इमारत को ढहने से रोकने में सक्षम हो। वरना हर अगली ढहती इमारत यही गवाही देगी कि यहां मौत अचानक नहीं आती, व्यवस्था की लापरवाही ऐसी स्थिति को धीरे-धीरे तैयार करती है।

युद्ध की होड़ के बीच कराहती मनुष्यता

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 में करीब 67.3 करोड़ लोग भूख से प्रभावित थे। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि दुनिया की आर्थिक प्राथमिकताएं किस दिशा में जा रही हैं। सुरक्षा जरूरी है, लेकिन इसका अर्थ केवल ज्यादा से ज्यादा हथियार जमा करना नहीं हो सकता। क्या हम युद्धों के इतिहास से कुछ भी सीखना नहीं चाहते? हथियारों के बढ़ते कारोबार के पीछे केवल देशों की सुरक्षा जरूरतें नहीं हैं। इसके साथ एक बड़ा वैश्विक रक्षा उद्योग भी जुड़ा हुआ है। युद्ध और तनाव बढ़ने के साथ हथियारों की मांग भी बढ़ती है। सिपरी के अनुसार, दुनिया की सौ सबसे बड़ी हथियार निर्माता और सैन्य सेवा कंपनियों की कुल आय 2024 में 5.9 फीसद बढ़कर रिकार्ड 679 अरब डालर पहुंच गई।

(संतोष कुमार पाठक)

रूस-यूक्रेन युद्ध से लेकर पश्चिम एशिया के संघर्ष और लाल सागर में जारी तनाव तक दुनिया के कई हिस्से लंबे समय से हिंसा की चपेट में हैं। हर संघर्ष के पीछे अलग राजनीतिक, सामरिक और सुरक्षा संबंधी कारण हैं, लेकिन उसका सबसे बड़ा बोझ आम नागरिक उठाता है। घर उजड़ते हैं, कारोबार ठप होते हैं, बच्चे स्कूल से दूर होते हैं और लाखों लोग विस्थापन का दर्द झेलते हैं। सृष्टि के सबसे विवेकशील प्राणी होने का दावा करने वाला इंसान आज अपने ही अस्तित्व को खतरे में डालने की होड़ में लगा है। विज्ञान और तकनीक ने जहां जीवन को आसान बनाने की नई संभावनाएं पैदा की हैं, वहीं उसी तकनीक ने विनाश के ऐसे साधन भी तैयार कर दिए हैं, जो कुछ ही समय में शहरों को मलबे में तब्दील कर सकते हैं। दुनिया के किसी भी हिस्से में नजर डालें, तो युद्ध, सैन्य तैयारियों और हथियारों की होड़ की खबरें लगातार सामने आती हैं। कहीं मिसाइलों का परीक्षण हो रहा है, तो कहीं लड़ाकू विमानों, ड्रोन और युद्धपोतों की तैनाती बढ़ाई जा रही है। सवाल यह है कि आखिर यह ताकत किसके लिए जुटाई जा रही है? रूस-यूक्रेन युद्ध से लेकर पश्चिम एशिया के संघर्ष और लाल सागर में जारी तनाव तक दुनिया के कई हिस्से लंबे समय से हिंसा की चपेट में हैं। हर संघर्ष के पीछे अलग राजनीतिक, सामरिक और सुरक्षा संबंधी कारण हैं, लेकिन उसका सबसे बड़ा बोझ आम नागरिक उठाता है। घर उजड़ते हैं, कारोबार ठप होते हैं, बच्चे स्कूल से दूर होते हैं और लाखों लोग विस्थापन का दर्द झेलते हैं। सैन्य ताकत का प्रदर्शन किसी देश की सुरक्षा जरूरतों का हिस्सा हो सकता है, लेकिन जब हथियारों की होड़ लगातार बढ़ती जाती है, तो उसका असर पूरी दुनिया पर पड़ता है। खंडहरों पर फहराया गया विजय का झंडा किसी सभ्यता की वास्तविक जीत नहीं हो सकता। युद्ध खत्म होने के बाद भी उसके घाव पीढ़ियों तक बने रहते हैं। आज के युद्ध का स्वरूप तलवार और ढाल से लड़ने वाला नहीं है। यह मिसाइलों, ड्रोन, साइबर तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) और लंबी दूरी के अत्याधुनिक हथियारों का दौर है। इंसान ने अपनी वैज्ञानिक क्षमता से ऐसी तकनीक विकसित कर ली है, जिसमें युद्ध के मैदान और आम नागरिकों के घर के बीच की दूरी बहुत कम हो गई है। यही कारण है कि आधुनिक युद्ध का सबसे बड़ा खतरा केवल सैनिकों के लिए नहीं, बल्कि पूरी आबादी के लिए होता है। हथियारों की इस होड़ का एक दूसरा पहलू आर्थिक भी है। स्टाकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) के अनुसार, वर्ष 2024 में दुनिया का सैन्य खर्च 2.718 ट्रिलियन डालर तक पहुंच गया। यह एक साल में 9.4 फीसद की वास्तविक वृद्धि थी और शीतयुद्ध की समाप्ति के बाद सैन्य खर्च में हुई सबसे तेज वार्षिक बढ़ोतरी। इस दौरान अमेरिका, चीन, रूस, जर्मनी और भारत दुनिया के सबसे बड़े सैन्य खर्च करने वाले देशों में शामिल रहे। हथियारों का अंतरराष्टीय कारोबार भी लगातार बढ़ रहा है। सिपरी के अनुसार, वर्ष 2020-24 के दौरान अमेरिका अकेले दुनिया के प्रमुख हथियारों के निर्यात में 43 फीसद हिस्सेदारी के साथ सबसे बड़ा निर्यातक रहा। इसी अवधि में यूरोप में हथियारों के आयात में भी तेज वृद्धि दर्ज की गई। दूसरी तरफ, दुनिया के सामने

भूख, गरीबी, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छ पानी और जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याएं हैं। करोड़ों लोग आज भी बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 में करीब 67.3 करोड़ लोग भूख से प्रभावित थे। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि दुनिया की आर्थिक प्राथमिकताएं किस दिशा में जा रही हैं। सुरक्षा जरूरी है, लेकिन इसका अर्थ केवल ज्यादा से ज्यादा हथियार जमा करना नहीं हो सकता। क्या हम युद्धों के इतिहास से कुछ भी सीखना नहीं चाहते? हथियारों के बढ़ते कारोबार के पीछे केवल देशों की सुरक्षा जरूरतें नहीं हैं। इसके साथ एक बड़ा वैश्विक रक्षा उद्योग भी जुड़ा हुआ है। युद्ध और तनाव बढ़ने के साथ हथियारों की मांग भी बढ़ती है। सिपरी के अनुसार, दुनिया की सौ सबसे बड़ी हथियार निर्माता और सैन्य सेवा कंपनियों की कुल आय 2024 में 5.9 फीसद बढ़कर रिकार्ड 679 अरब डालर पहुंच गई। यहां सवाल रक्षा उद्योग के अस्तित्व का नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का है, जिसमें संघर्ष बढ़ने के साथ हथियारों की मांग भी बढ़ती है। किसी भी युद्ध का आर्थिक लाभ अगर कहीं दिखाई देता है, तो वह युद्ध झेल रहे समाज की कीमत पर नहीं होना चाहिए, क्योंकि हथियारों की बिक्री का आंकड़ा बढ़ना और मानव जीवन की सुरक्षा बढ़ना दो अलग बातें हैं। यूक्रेन से लेकर पश्चिम एशिया और सूडान तक संघर्षों ने बड़ी संख्या में लोगों को विस्थापित किया है। घर, स्कूल, अस्पताल और बुनियादी ढांचा नष्ट होने का असर युद्ध खत्म होने के बाद भी लंबे समय तक रहता है। ऐसी स्थिति में एक पीढ़ी को सामान्य जीवन में लौटने में वर्षों लग सकते हैं। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद संयुक्त राष्ट्र की स्थापना का एक बड़ा उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को मजबूत करना था। मगर सुरक्षा परिषद की संरचना और वीटो व्यवस्था के कारण कई बार वह प्रभावी कार्रवाई करने में असमर्थ दिखाई देती है। पांच स्थायी सदस्यों में से किसी एक के वीटो के कारण सुरक्षा परिषद का प्रस्ताव पर्याप्त समर्थन मिलने के बावजूद पारित नहीं हो सकता। गाजा को लेकर भी ऐसा कई बार हुआ है। नवंबर 2024 में सुरक्षा परिषद में तत्काल और स्थायी युद्धविराम की मांग वाला प्रस्ताव चौदह सदस्यों के समर्थन के बावजूद अमेरिका के वीटो के कारण पारित नहीं हो सका। जून 2025 में भी इसी तरह का एक प्रस्ताव चौदह मतों के समर्थन के बावजूद अमेरिकी वीटो से रुक गया। यह व्यवस्था अंतरराष्ट्रीय राजनीति की वास्तविकता को तो दिखाती है, लेकिन साथ ही यह सवाल भी खड़ा करती है कि जब दुनिया के किसी हिस्से में बड़े पैमाने पर मानवीय संकट हो, तब वैश्विक संस्थाओं की प्रभावशीलता कितनी रह जाती है। केवल चिंता व्यक्त करना पर्याप्त नहीं है। युद्ध रोकने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी अंतरराष्ट्रीय तंत्र भी जरूरी है। मानव सभ्यता आज ऐसे दौर में है, जहां युद्ध की कीमत पहले से कहीं ज्यादा बड़ी हो चुकी है। परमाणु हथियारों और आधुनिक तकनीक ने यह खतरा बढ़ा दिया है कि किसी क्षेत्रीय संघर्ष का असर सीमाओं से बाहर तक जा सकता है। इसलिए सैन्य शक्ति के साथ संवाद, कूटनीति और संघर्षों को रोकने की क्षमता भी उतनी ही जरूरी है। दुनिया को हथियारों की जरूरत पूरी तरह खत्म करने की बात शायद व्यावहारिक न लगे, क्योंकि हर देश अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित रहता है। मगर हथियारों की अंधी होड़ को रोकना, सैन्य खर्च में संतुलन लाना, विनाशकारी हथियारों के प्रसार पर नियंत्रण और युद्ध अपराधों के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करना जरूर संभव लक्ष्य हो सकते हैं। आखिरकार किसी देश की ताकत का सबसे बड़ा प्रमाण उसके शस्त्रागार का आकार नहीं, बल्कि उसके नागरिकों की सुरक्षित और सम्मानजनक जिंदगी होनी चाहिए। विज्ञान का इस्तेमाल इंसान की सांसें रोकने के लिए नहीं, उन्हें बेहतर बनाने के लिए होना चाहिए। बारूद से भरी दुनिया में सबसे बड़ी जरूरत किसी नई मिसाइल की नहीं, बल्कि उस विवेक की है, जो इंसान को याद दिलाए कि युद्ध में जीतने वाला भी अंततः उसी धरती पर जीता है, जिस पर दूसरे इंसान रहते हैं। अगर इंसान ने अपनी वैज्ञानिक शक्ति के साथ अपने विवेक को नहीं बचाया, तो आने वाली पीढ़ियां यह जरूर पूछेंगी कि इतनी बुद्धिमत्ता हासिल करने के बाद भी इंसान शांति का रास्ता क्यों नहीं खोज सका।

आजादी चाहिए लेकिन अपनी शर्तों पर : दूसरों की पसंद से समाज को परेशानी क्यों?

(सुप्रिया सत्यार्थी)

समाज समानता, स्वतंत्रता और सहिष्णुता की बातें तो करता है लेकिन अलग सोच और जीवन के फैसलों को आसानी से स्वीकार नहीं कर पाता। वास्तविक परिपक्वता शायद उस दिन शुरू होती है, जब मनुष्य यह समझना शुरू करता है कि हर अंतर विवाद नहीं होता, हर असहमति अपमान नहीं होती और हर अलग राय उसके अस्तित्व पर हमला नहीं होती। विडंबना यह है कि जिस समाज को हम विविधताओं का समाज कहते हैं, उसमें अलग ढंग से सोचने की कीमत अक्सर उपहास, बहिष्कार और विरोध के रूप में चुकानी पड़ती है। हम समानता की बातें करते हैं, लेकिन भीतर से चाहते हैं कि दूसरा भी हमारी तरह ही सोचे। स्वतंत्रता का उत्सव मनाते हैं, मगर दूसरों की स्वतंत्रता तभी तक स्वीकार करते हैं, जब तक वह हमारी सुविधा और सामाजिक स्वीकृति की सीमा में रहती है।सहिष्णुता पर लंबे भाषण दिए जाते हैं, लेकिन असहमति का पहला स्वर सुनते ही तर्क पीछे छूट जाता है और व्यक्ति निशाने पर आ जाता है। समस्या मतभेदों का होना नहीं है। समस्या यह है कि हमने मतभेदों के साथ जीने की क्षमता खोनी शुरू कर दी है। किसी की पसंद अलग हो, तो प्रश्न उठते हैं। जीवन का चुनाव अलग हो, तो चरित्र पर चर्चा होने लगती है। विचार प्रचलित धारणा से अलग हो, तो उसे समझने के बजाय गलत, भटका हुआ या असामान्य घोषित करना आसान लगता है। मानो समाज ने एक अदृश्य सांचा बना रखा हो। जो उसमें फिट न बैठे, गलती उसी की मान ली जाती है। यहां सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि समाज को परिवर्तन चाहिए, लेकिन परिवर्तन करने वाला व्यक्ति नहीं। परिवर्तन भी विचार और आग्रहों की सुविधा के मुताबिक। नए विचार चाहिए, लेकिन पुराने विश्वासों पर प्रश्न उठाने वाला नहीं। प्रगतिशील पीढ़ी चाहिए, लेकिन उसकी स्वतंत्र सोच नहीं। हम चाहते हैं कि अगली पीढ़ी हमसे बेहतर जीवन जीए, मगर यह स्वीकार करने को तैयार नहीं कि वह जीवन को हमारी तरह नहीं, अपनी तरह भी देख सकती है। हर पीढ़ी अगली पीढ़ी को अपने अधूरे सपनों का उत्तराधिकारी बनाना चाहती है। बच्चे क्या पढ़ें, क्या बनें, किससे मित्रता करें, किस तरह जीवन जीएं और सफलता को किस अर्थ में समझें, इन सब पर समाज के पास सलाहों की कोई कमी नहीं। मगर जब वही बच्चा पूछता है कि 'क्यों', तो असहजता शुरू हो जाती है। दरअसल, प्रश्न केवल प्रश्न नहीं होता। प्रश्न उस व्यवस्था की नींव तक पहुंचता है, जिसे हम लंबे समय से बिना जांचे स्वीकार करते आए हैं। समाज को अक्सर सत्य से अधिक अपनी आदतें प्रिय होती हैं। अगर हर व्यक्ति वही सोचता, जो पहले से स्वीकार्य है, तो नए विचार कहां से आते? अगर हर पीढ़ी वही दोहराती, जो पिछली पीढ़ी ने सिखाया, तो परिवर्तन का जन्म कैसे होता? अगर हर सवाल को अनुशासनहीनता और हर असहमति को विद्रोह मान लिया जाए, तो समाज आगे नहीं बढ़ता। वह केवल अपनी पुरानी परछाई को नए समय में घसीटता रहता है। समाज की सबसे बड़ी कमजोरी यह नहीं कि उसमें एकरूपता है, बल्कि यह है कि वह अपनी सुविधा से खुद को श्रेष्ठ समझने लगता है। 'लोग क्या कहेंगे'- यह वाक्य हमारे सामाजिक जीवन का शायद सबसे बड़ा अदृश्य नियंत्रण है, लेकिन कभी हम यह पूछने का साहस नहीं करते कि आखिर लोगों की राय को हमने अपने जीवन पर इतना अधिकार क्यों दे दिया! किसी व्यक्ति का जीवन उसके अपने निर्णयों से अधिक दूसरों की स्वीकृति का विषय क्यों बन जाता है? किसी की शादी नहीं हुई, किसी ने अपनी पसंद का करिअर चुना, किसी ने परंपरा से अलग रास्ता अपनाया, किसी ने परिवार या समाज से कोई कठिन सवाल पूछ लिया। इन स्थितियों में उसे समझने के बजाय उसके बारे में चर्चा शुरू हो जाती है। व्यक्ति पीछे छूट जाता है और उसकी जिंदगी सार्वजनिक टिप्पणी का विषय बन जाती है। हम स्वतंत्र व्यक्तित्व चाहते हैं, लेकिन स्वतंत्र व्यक्ति नहीं। प्रतिभाशाली बच्चे चाहते हैं, लेकिन वे हमारी अपेक्षाओं से बाहर न जाएं। आत्मनिर्भर युवा चाहते हैं, लेकिन वे पुरानी मान्यताओं पर प्रश्न न करें। प्रगतिशील समाज चाहते हैं, लेकिन रूढ़ियों को चुनौती देने की कीमत कोई न चुकाए। यानी परिवर्तन भी चाहिए और यथास्थिति भी। यही हमारा सबसे सुविधाजनक विरोधाभास है। असहमति को दुश्मनी समझना इसी मानसिकता का विस्तार है। किसी मुद्दे पर दो लोगों की राय अलग हो सकती है, लेकिन हमारे यहां विचारों का मतभेद बहुत जल्दी व्यक्तियों का संघर्ष बन जाता है। तर्क समाप्त होते ही व्यक्ति के चरित्र, संस्कार और नीयत पर सवाल उठने लगते हैं। किसी विचार से असहमत होना स्वाभाविक है, असहमति के अधिकार को अस्वीकार कर देना समस्या है। स्वस्थ समाज वह नहीं, जहां सभी लोग सहमत हों। बल्कि वह है, जहां असहमति के बावजूद लोग एक-दूसरे के अस्तित्व और गरिमा का सम्मान कर सकें।

भारतीय प्रतिभा का अपमान बर्दाश्त नहीं होगा, ट्रंप प्रशासन को भारत का करारा जवाब

प्रशासन का आरोप है कि कुछ कंपनियों ने विदेशी कर्मचारियों की भर्ती के लिए ऐसी व्यवस्था का इस्तेमाल किया, जिससे अमेरिकी कामगारों के रोजगार और वेतन पर प्रतिकूल असर पड़ा। अब सवाल उठता है कि आखिर पीईआरएम है क्या और इस पर रोक से भारतीयों को कितना नुकसान होगा? हम आपको बता दें कि पीईआरएम यानी रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड हासिल करने की प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण चरण है। सामान्यत: नियोक्ता को अमेरिकी श्रम विभाग से प्रमाणित कराना होता है कि संबंधित पद के लिए पर्याप्त इच्छुक और योग्य अमेरिकी कर्मचारी उपलब्ध नहीं हैं और विदेशी कर्मचारी की नियुक्ति से अमेरिकी कर्मचारियों के वेतन तथा कामकाजी परिस्थितियों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

(नीरज कुमार दुबे)

अमेरिका में भारतीय प्रतिभा का लोहा मानने वाले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने अब उसी प्रतिभा के लिए मुश्किलें खड़ी कर दी हैं, जिसने अमेरिकी तकनीकी उद्योग को वैश्विक ताकत बनाने में अहम भूमिका निभाई है। एक तरफ ट्रंप भारतीय मूल के माइक्रोसॉफ्ट सीईओ सत्य नडेला की तारीफ करते हैं, तो दूसरी तरफ उपराष्ट्रपति जेडी वांस के नेतृत्व में अमेरिकी प्रशासन माइक्रोसॉफ्ट, टीसीएस, इंफोसिस, विप्रो और कॉग्निजेंट समेत आठ प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियों को ग्रीन कार्ड की प्रक्रिया से जुड़े पीईआरएम कार्यक्रम से निलंबित कर देता है। इस फैसले से हजारों भारतीय आईटी पेशेवरों के भविष्य और अमेरिका में स्थायी निवास पाने की उम्मीदों पर अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे हैं। हालांकि, भारत सरकार ने इस मामले पर अपनी प्रतिक्रिया में स्पष्ट किया है कि पीईआरएम कार्यक्रम और एच-1बी वीजा अलग-अलग व्यवस्थाएं हैं तथा पीईआरएम आवेदनों पर रोक लगने से मौजूदा एच-1बी वीजा या उनके धारकों और आश्रितों की स्थिति अपने आप प्रभावित नहीं होती, भले ही पात्र कर्मचारियों की ग्रीन कार्ड प्रक्रिया पर असर पड़ सकता है। विदेश मंत्रालय ने यह भी दोटूक कहा है कि प्रतिभाओं की आवाजाही भारत और अमेरिका, दोनों की अर्थव्यवस्थाओं के लिए फायदेमंद है। इससे अमेरिकी कंपनियों को उच्च कौशल वाले पेशेवर, नवाचार, अनुसंधान, उत्पादकता, प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता और रोजगार सृजन में मदद मिलती है। मंत्रालय ने वांस की उन टिप्पणियों पर भी आपत्ति जताई है, जिनमें विदेशी कर्मचारियों के लिए अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया। भारत ने कहा कि अमेरिका में भारतीय पेशेवर उच्च शिक्षित और कुशल योगदानकर्ता हैं तथा उन्हें औपनिवेशिक इतिहास की पीड़ादायक याद दिलाने वाली भाषा से संबोधित करना गहरे तौर पर आपत्तिजनक है। देखा जाये तो भारत का यह बयान महज औपचारिक कूटनीतिक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि वाशिंगटन के लिए स्पष्ट संदेश है कि भारतीय प्रतिभा को अपमानित करके और उसके अवसर सीमित करके दोनों देशों की साझा महत्वाकांक्षाओं को आगे नहीं बढ़ाया जा सकता। अब बड़ा सवाल यह है कि ट्रंप प्रशासन का यह कदम अमेरिकी रोजगार की सुरक्षा तक सीमित है या इसके पीछे चुनावी राजनीति, भारत पर आर्थिक दबाव और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ संबंधों के समीकरण भी काम कर रहे हैं? उल्लेखनीय है कि उपराष्ट्रपति जेडी वांस, श्रम सचिव कीथ सॉन्डरलिंग और अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लांश ने अमेरिकी एंटी-फ्रॉड टास्क फोर्स पहल के तहत आठ प्रौद्योगिकी कंपनियों को पीईआरएम कार्यक्रम से निलंबित करने की घोषणा की। इनमें माइक्रोसॉफ्ट, एडोबी, टीसीएस, इंफोसिस, विप्रो, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, कॉग्निजेंट और कैपजेमिनी शामिल हैं। प्रशासन का आरोप है कि कुछ कंपनियों ने विदेशी कर्मचारियों की भर्ती के लिए ऐसी व्यवस्था का इस्तेमाल किया, जिससे अमेरिकी कामगारों के रोजगार और वेतन पर प्रतिकूल असर पड़ा। अब सवाल उठता है कि आखिर पीईआरएम है क्या और इस पर रोक से भारतीयों को कितना नुकसान होगा? हम आपको बता दें कि पीईआरएम यानी रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड हासिल करने की प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण चरण है। सामान्यतः नियोक्ता को अमेरिकी श्रम विभाग से प्रमाणित कराना होता है कि संबंधित पद के लिए पर्याप्त इच्छुक और योग्य अमेरिकी कर्मचारी उपलब्ध नहीं हैं और विदेशी कर्मचारी की नियुक्ति से अमेरिकी कर्मचारियों के वेतन तथा कामकाजी परिस्थितियों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। इसके बाद ही नियोक्ता विदेशी कर्मचारी के रोजगार आधारित स्थायी निवास की प्रक्रिया आगे बढ़ा सकता है। इस कार्यक्रम से आठ कंपनियों को बाहर करने का मतलब यह है कि वे नई पीईआरएम अर्जियां दाखिल नहीं कर पाएंगी और उनकी लंबित अर्जियों पर भी प्रक्रिया रुक जाएगी। लेकिन इसका यह अर्थ नहीं है कि

इन कंपनियों में काम कर रहे सभी भारतीयों के एच-1बी वीजा रद्द हो गए हैं या उन्हें तत्काल अमेरिका छोड़ना पड़ेगा। असली खतरा उन कर्मचारियों के लिए है जो छह साल की सामान्य एच-1बी अवधि के करीब पहुंच रहे हैं और अमेरिका में लंबे समय तक बने रहने के लिए ग्रीन कार्ड प्रक्रिया पर निर्भर हैं।

कुछ परिस्थितियों में ग्रीन कार्ड की प्रक्रिया के निर्धारित चरण पूरे होने पर एच-1बी अवधि बढ़ाई जा सकती है। पीईआरएम प्रक्रिया रुकने से ऐसे कर्मचारियों के लिए भविष्य की योजना बनाना कहीं अधिक मुश्किल हो सकता है। देखा जाये तो अमेरिकी प्रशासन की इस कार्रवाई ने भारतीय आईटी उद्योग से लेकर अमेरिका में पढ़ाई और नौकरी करने का सपना देखने वाले युवाओं तक अनिश्चितता बढ़ा दी है।

जेडी वांस ने माइक्रोसॉफ्ट पर सबसे तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि कंपनी ने 2025 में करीब 6,000 अमेरिकी कर्मचारियों की छंटनी की, लेकिन साथ ही 6,000 से अधिक एच-1बी वीजा की मंजूरी हासिल की और 3,600 से अधिक पीईआरएम आवेदन भी दाखिल किए। उन्होंने विदेशी कर्मचारियों को फॉरेन इंडेंचर्ड सर्वेंट्स और ऐसी कंपनियों को वीजा मिल्स तक कह दिया। श्रम सचिव सॉन्डरलिंग का दावा है कि केवल इन कंपनियों ने 2009 से लगभग 30 लाख विदेशी कर्मचारियों के लिए अनुरोध किए, 2.30 लाख से अधिक एच-1बी वीजा मंजूर कराए और एक लाख से अधिक पीईआरएम प्रमाणन हासिल किए। प्रशासन इन आंकड़ों को अमेरिकी कामगारों के अवसर छिनने से जोड़ रहा है। लेकिन आवेदन, मंजूरी, वास्तविक नियुक्ति और अमेरिकी कर्मचारी की जगह विदेशी कर्मचारी रखे जाने के आंकड़े अलग-अलग हैं। माइक्रोसॉफ्ट का पक्ष भी इस बहस में महत्वपूर्ण है। कंपनी ने कहा है कि उसके करीब 6,000 एच-1बी आवेदनों में लगभग 80 प्रतिशत मौजूदा कर्मचारियों के वीजा विस्तार या उनकी स्थिति बदलने से संबंधित थे। इसका अर्थ है कि सभी आवेदनों को नई विदेशी भर्तियों के रूप में नहीं देखा जा सकता। साथ ही नेशनल ऑर्गनाइजेशन फॉर सॉफ्टवेयर एंड टेक्नोलॉजी प्रोफेशनल्स के संस्थापक राजीव दाभाडकर की व्याख्या इस विवाद का एक महत्वपूर्ण पहलू सामने लाती है। उनके मुताबिक, अमेरिकी प्रशासन अब केवल यह नहीं पूछ रहा कि विदेशी कर्मचारी योग्य है या नहीं, बल्कि यह भी जांच रहा है कि विदेशी श्रम की भर्ती, भुगतान और आपूर्ति का कारोबारी मॉडल किस तरह काम करता है।

माध्यमिक विद्यालय एथलेटिक्स प्रतियोगिता के दूसरे दिन खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

1500 मीटर और 200 मीटर दौड़ में खिलाड़ियों ने किया शानदार प्रदर्शन, बारिश के कारण शेष प्रतियोगिताएं अगले दिन सुबह नौ बजे होंगी

मुजफ्फरनगर। माध्यमिक विद्यालय शैक्षिक एथलेटिक्स बालक-बालिका क्रीड़ा प्रतियोगिता 2026 के दूसरे दिन खिलाड़ियों ने उत्साह और खेल भावना के साथ विभिन्न स्पधाओं में प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला विद्यालय निरीक्षक हरिकेश यादव, एनएफसी प्रभारी प्रमोद कुमार, जिला क्रीड़ा सचिव सत्यकाम तोमर, संयोजक आदित्य प्रकाश सक्सेना एवं संयोजिका मोनिका ने किया। प्रतियोगिता में बालक एवं बालिका वर्ग के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा, गति और दमखम का शानदार प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता के दौरान 1500 मीटर सीनियर बालक वर्ग में अनमोल बालियान, हिमांशु और प्रशांत ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वहीं, सीनियर बालिका वर्ग में हिमांशी, खुशी और अक्षरा पाल ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। जूनियर बालक वर्ग में वंश राठी, सुधांशु कुमार और शिवराम ने बेहतर प्रदर्शन किया।

200 मीटर दौड़ में बालक वर्ग से समीर, रिहान और सागर प्रजापति ने शानदार प्रदर्शन किया, जबकि बालिका वर्ग में ताशी, रूबी और पूजा ने अपनी गति का परिचय दिया। जूनियर बालक वर्ग में मोहम्मद आरिस, अक्षित शर्मा और वंश ने अच्छा प्रदर्शन किया। जूनियर बालिका वर्ग में वैष्णवी, जीविका और संध्या ने प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा दिखाई।

सब-जूनियर बालक वर्ग में देव लाटयान, हिमांशु और अक्षय ने भाग लेकर अपनी खेल क्षमता का प्रदर्शन किया। वहीं, सब-जूनियर बालिका वर्ग में फिजा, वैभव और दिव्या के नाम दर्ज किए गए। विभिन्न स्पधाओं में खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और खेल भावना का परिचय दिया।

प्रतियोगिता के दौरान प्रधानाचार्य हरपाल सिंह, कैप्टन प्रवीण चौधरी, प्रवीण कुमार, अजय कुमार, नरेंद्र कुमार, डॉ. त्रिवेंद्र, डॉ. सलीम अहमद, अमित कुमार, नितिन सहरावत, सुरेंद्र सिंह, पदमाकर यादव, आशीष द्विवेदी, यतेंद्र कुमार धीर, फूलचंद्र एवं किरण सहित अन्य शिक्षक और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। प्रतियोगिता को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में डॉ. राहुल कुशवाहा, राहुल राणा, अरुण कुमार, मनोज कुमार, अक्षय कुमार, गया प्रसाद प्रजापति, विपिन त्यागी, अमित कुमार, नीरज कुमार, विनुज कुमार, मुकेश कुमार, वरुण मलिक, रवि कुमार, रमेश कुमार, सुधीर कुमार, पवन कुमार, उधम सिंह, प्रदीप लाल, विकास मोतला, शुभम पाल, प्रवेश कुमार, अनिल कुमार, हंस कुमार, कैप्टन बबीता राणा, शालू राणा, पूजा रानी, पूनम, शशि प्रभा, सीमा कुमारी, प्रीति, अनिल वत्स, राजबल सैनी, संदीप कौशिक, आकाश वर्मा, गरिमा एवं जयलक्ष्मी त्यागी सहित शारीरिक शिक्षकों और शिक्षिकाओं का विशेष सहयोग रहा। आयोजकों ने बताया कि खराब मौसम और बारिश के कारण कुछ प्रतियोगिताएं संपन्न नहीं हो सकीं। इन शेष स्पधाओं का आयोजन अगले दिन प्रातः नौ बजे से किया जाएगा। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों का उत्साह देखते ही बना और आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में खेल प्रतिभा को निखारना, अनुशासन विकसित करना तथा खेलों के प्रति रुचि बढ़ाना रहा।

शक्ति क्लब की रामलीला में ताड़का वध, सुबाहु वध और फुलवारी लीला का भव्य मंचन

कलाकारों ने शानदार अभिनय से दर्शकों का मन मोहा, श्रीराम के जयकारों से गूंजा रामलीला परिसर

मुजफ्फरनगर। शक्ति क्लब रजिस्टर्ड मुजफ्फरनगर द्वारा आयोजित श्रीरामलीला महोत्सव-2026 में ताड़का वध, सुबाहु वध एवं फुलवारी लीला का सुंदर और मनमोहक मंचन किया गया। कलाकारों ने अपने शानदार अभिनय और संवादों के माध्यम से रामायण के प्रसंगों को जीवंत कर दिया। लीला के दौरान दर्शक भावविभोर नजर आए और पूरे आयोजन स्थल पर भक्तिमय वातावरण बना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ संगम प्रकाशन के आदेश गुप्ता ने श्री गणेश वंदना, रामायण वंदना तथा भगवान श्रीराम की आरती के साथ किया। इसके बाद रामलीला का मंचन प्रारंभ हुआ। कलाकारों ने अपनी अभिनय प्रतिभा से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। ताड़का वध और सुबाहु वध के प्रसंगों में भगवान श्रीराम की वीरता, धर्म की रक्षा और अधर्म पर धर्म की विजय का संदेश प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। वहीं, फुलवारी लीला के मंचन ने दर्शकों को आकर्षित किया।

रामलीला में ताड़का का अभिनय सनी कुमार रामपुरी वाले ने बेहद शानदार ढंग से निभाया। भगवान श्रीराम की भूमिका में सौरभ, लक्ष्मण की भूमिका में वैभव तथा सीता की भूमिका में निशांत ने अपने अभिनय से दर्शकों की खूब सराहना प्राप्त की। सुबाहु के रूप में वंश कश्यप, मारीच के रूप में शिवा शर्मा तथा माली की भूमिका में अज्जू शर्मा ने भी प्रभावशाली अभिनय किया। सभी कलाकारों ने अपने पात्रों के अनुरूप संवाद और भाव-भंगिमाओं के माध्यम से मंचन को आकर्षक बनाया।

रामलीला के माध्यम से दर्शकों को भगवान श्रीराम के आदर्शों, मयार्दा, साहस और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिली। आयोजन में उपस्थित श्रद्धालुओं ने कलाकारों के अभिनय की सराहना की। शक्ति क्लब द्वारा प्रत्येक वर्ष आयोजित किए जाने वाले इस धार्मिक महोत्सव का उद्देश्य रामायण के प्रसंगों के माध्यम से समाज में धार्मिक आस्था, नैतिक मूल्यों और संस्कारों को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखने में शक्ति क्लब के अध्यक्ष पवन पाल, सचिव संजीव दीक्षित, कोषाध्यक्ष सरदार राजिंदर सिंह एडवोकेट, मीडिया प्रभारी नवनीत कौशिक, संयोजक नीरज शर्मा एवं सतेंद्र पंवार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इनके अतिरिक्त उपाध्यक्ष शिव कुमार भाई जी, रविकांत सभासद, अखिलेश पाल, नितिन विजेंद्र पाल, नितिन अरोरा, महीपाल, सुनील रुहेला, शुभम सैन, राजीव अरोरा, हर्षित गोयल, सन्नी शर्मा, आकाश शर्मा सहित अन्य पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने व्यवस्थाओं में पूर्ण सहयोग किया।

बिंदल पेपर मिल ने गांव मखियाली में लगाया निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर, 140 मरीजों की जांच

23 मरीजों को ऑपरेशन के लिए किया गया चयनित, ग्रामीणों ने बिंदल ग्रुप की पहल की सराहना की

मुजफ्फरनगर। बिंदल पेपर मिल की ओर से वरदान सेवा संस्थान के सहयोग से गांव मखियाली में ग्रामीणों के लिए निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ मिल के डायरेक्टर मयंक बिंदल एवं उनकी पत्नी रश्मि बिंदल ने किया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर अपनी आंखों की जांच कराई और विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श प्राप्त किया। शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. स्वाति अग्रवाल ने मरीजों की आंखों की जांच की। उन्होंने नेत्र रोगों से बचाव, आंखों की उचित देखभाल तथा विभिन्न नेत्र समस्याओं के उपचार के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। शिविर के दौरान कुल 140 नेत्र रोगियों का परीक्षण किया गया, जिनमें से 23 मरीजों को ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया।

इस अवसर पर बिंदल ग्रुप के डायरेक्टर मयंक बिंदल ने कहा कि आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की सेवा करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। समाज के जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना और उन्हें बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने में सहयोग करना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि लोगों को अपने गांव में ही स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं का लाभ मिल सके।

गांव मखियाली में निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर लगाए जाने पर ग्रामीणों ने बिंदल ग्रुप एवं वरदान सेवा संस्थान का आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों ने कहा कि इस प्रकार के शिविर जरूरतमंद लोगों के लिए बेहद उपयोगी हैं। इससे लोगों को आंखों की जांच कराने और समय रहते नेत्र रोगों का उपचार कराने का अवसर मिलता है।

राम जन्मोत्सव के आनंद में डूबा नई मंडी रामलीला मंडप, शताब्दी वर्ष महोत्सव के तीसरे दिन भव्य मंचन

मुजफ्फरनगर। श्री रामलीला कमेटी, नई मंडी के ऐतिहासिक शताब्दी वर्ष महोत्सव के तीसरे दिन प्रभु श्री राम के धरा पर अवतरण की लीला का अत्यंत मनोहारी और जीवंत मंचन किया गया। पूरा रामलीला मंडप "भए प्रगट कृपाला, दीनदयाला" के भजनों और जयकारों से गुंजायमान हो उठा।

प्रमुख चिकित्सकों ने किया मयार्दा पुरुषोत्तम की लीला का शुभारंभ

महोत्सव के तीसरे दिन की लीला का विधिवत शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में पधारे जिले के प्रतिष्ठित एवं प्रमुख चिकित्सक डॉ. सुमित गर्ग और उनकी धर्मपत्नी डॉ. स्वाति गर्ग ने दीप प्रज्वलन व आरती कर किया। इस पावन अवसर पर श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए डॉ. सुमित गर्ग ने कहा, "प्रभु श्री राम का संपूर्ण जीवन काल हमें मयार्दा, धैर्य और धर्म के पथ पर चलने की प्रेरणा देता है। शताब्दी वर्ष के इस पुनीत अवसर पर हमारी यही प्रार्थना है कि प्रभु श्री राम की असीम कृपा और उनकी स्थापित मयार्दाएं हम सभी के जीवन में सदैव बनी रहें।"

वृंदावन के कलाकारों ने जीवंत किया राम जन्म का प्रसंग

इसके पश्चात, श्री श्यामा श्याम ब्रजलोक लीला संस्थान, वृंदावन से पधारे उच्च कोटि के कलाकारों द्वारा भगवान श्री राम के जन्म का अत्यंत आनंददायक और भावपूर्ण मंचन किया गया। राजा दशरथ के महल में पुत्र रत्न की प्राप्ति, अयोध्या वासियों का हर्षोल्लास और देवताओं द्वारा की गई पुष्प वर्षा के दृश्यों को कलाकारों ने अपनी कला से जीवंत कर दिया।

आतिशबाजी से जगमगाया आकाश, गूंजे बधाई गीत

जैसे ही रंगमंच पर प्रभु राम का प्राकट्य हुआ, पूरा रामलीला मंडप भव्य और रंग-बिरंगी आतिशबाजी की रोशनी से नहा उठा। इस दिव्य पल के गवाह बने श्रद्धालुओं ने तालियां बजाकर खुशियां मनाईं। उत्सव के इस आनंद में सराबोर होकर पंडाल में उपस्थित महिलाओं ने पारंपरिक सोहर और मंगलमयी बधाई गीत गाए, जिससे वहां का वातावरण पूरी तरह अवधपुरी के उत्सव जैसा प्रतीत होने लगा।

स्वामी नंदकिशोर रसाचार्य ने समझाया राम जन्म का आध्यात्मिक मर्म

लीला के दौरान प्रख्यात अध्यात्मवेत्ता स्वामी नंदकिशोर रसाचार्य ने अपनी ओजस्वी और मधुर वाणी से श्री राम जन्म के गूढ़ संदेश को भक्तों के समक्ष रखा। उन्होंने कहा कि जब-जब धरा पर अधर्म और अत्याचार बढ़ता है, तब-तब भक्तों के कल्याण और मयार्दा की स्थापना के लिए ईश्वर मानव रूप में अवतार लेते हैं। श्री राम का जन्म केवल एक कथा नहीं, बल्कि मानव समाज को आदर्श पुत्र, आदर्श भाई और आदर्श राजा बनने का मार्ग दिखाने वाला साक्षात दर्शन है। इस अवसर पर कमेटी के अध्यक्ष संजय मित्तल, मंत्री अशोक गर्ग, कोषाध्यक्ष आदित्य भरतिया, राजीव अग्रवाल, बृज गोपाल छारिया, प्रवीण कुमार एडवोकेट, विदित गुप्ता, अभिषेक कुच्छल, राजेश गोयल, विवेक गर्ग, उपेंद्र मित्तल, विवेक बंसल, मुकेश गुप्ता, संजय जिंदल काका, विनोद संगल, शरद गोयल सहित गणमान्य नागरिक व भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे जिन्होंने देर रात तक प्रभु की लीलाओं का रसपान किया`

थानाभवन में मौसम का कहर: तेज हवाओं के साथ बरसे ओले, धान-उड़द की फसल पर संकट

8 से 10 मिनट तक हुई ओलावृष्टि से किसानों की बढ़ी चिंता, नसीम, गुलशन, संजय और शाहनवाज बोले–फसलों को नुकसान का डर; बारिश से बढ़ी ठंडक

थानाभवन। थानाभवन क्षेत्र में अचानक बदले मौसम ने किसानों की चिंता बढ़ा दी। तेज हवाओं के साथ हुई बारिश और करीब 8 से 10 मिनट तक हुई ओलावृष्टि से खेतों में खड़ी धान, उड़द समेत अन्य फसलों को नुकसान पहुंचने की आशंका है। अचानक हुई बारिश से आम जनजीवन भी प्रभावित हुआ और मौसम में ठंडक बढ़ गई। रविवार को अचानक आसमान में बादल छा गए और तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई। कुछ ही देर में ओलावृष्टि होने लगी। अचानक बदले मौसम से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा, वहीं किसानों को अपनी फसलों की चिंता सताने लगी। धान-उड़द की फसल पर संकट तेज हवाओं और ओलावृष्टि से धान, उड़द समेत अन्य फसलों को नुकसान पहुंचने का डर है। किसानों का कहना है कि खेती में पहले ही लागत बढ़ रही है, ऐसे में मौसम की मार से फसल प्रभावित हुई तो आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। हालांकि, फसलों को हुए वास्तविक नुकसान का आकलन खेतों का निरीक्षण करने के बाद ही स्पष्ट होगा। आम जनजीवन भी प्रभावित, ठंड बढ़ने के आसार अचानक हुई बारिश और ओलावृष्टि से राहगीरों, दोपहिया वाहन चालकों और खुले स्थानों पर काम करने वाले लोगों को परेशानी हुई। बारिश के बाद मौसम में ठंडक महसूस होने लगी है। तापमान में गिरावट आने पर सुबह और शाम ठंड बढ़ सकती है। अब किसानों को फसलों के नुकसान का सही आकलन होने का इंतजार है।

बिहारी जैन अतिशय क्षेत्र में भव्य वार्षिक रथयात्रा महोत्सव धूमधाम से संपन्न

स्वर्ण रथ पर विराजमान होकर नगर भ्रमण पर निकले श्री शांतिनाथ भगवान, पांडुकशिला पर हुआ श्रीजी का जिनाभिषेक

मुजफ्फरनगर। श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर अतिशय क्षेत्र बिहारी में रविवार को भव्य वार्षिक रथयात्रा महोत्सव बड़े ही धूमधाम, श्रद्धा और धार्मिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ। महोत्सव में दूर-दराज के क्षेत्रों से पहुंचे जैन श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर धर्म लाभ प्राप्त किया। धार्मिक अनुष्ठानों, पूजन और भक्ति के वातावरण के बीच निकली रथयात्रा ने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय बना दिया। स्वर्ण रथ पर तीन लोक के नाथ श्री शांतिनाथ भगवान विराजमान होकर बिहारी कस्बे के मुख्य मार्गों से होते हुए मंदिर पहुंचे। इसके बाद पांडुकशिला पर श्रीजी का जिनाभिषेक संपन्न कराया गया।

मंदिर समिति के प्रबंधक अमित कुमार जैन एडवोकेट एवं मंत्री शीतल जैन सीए ने रथयात्रा के अवसर पर पत्रकारों से वार्ता करते हुए बताया कि बिहारी जैन अतिशय क्षेत्र मंसूरपुर गांव से लगभग सात किलोमीटर तथा मुजफ्फरनगर जिला मुख्यालय से करीब 18 किलोमीटर दूर स्थित है। यह क्षेत्र अपनी प्राचीन धार्मिक परंपराओं, ऐतिहासिक मान्यताओं और जैन तीर्थंकरों की प्राचीन प्रतिमाओं के लिए विशेष महत्व रखता है। यहां वर्षभर श्रद्धालु दर्शन-पूजन के लिए पहुंचते हैं, जबकि वार्षिक रथयात्रा महोत्सव क्षेत्र का प्रमुख धार्मिक आयोजन है।

महाभारत काल से जुड़ी हैं क्षेत्र की मान्यताएं

मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि स्थानीय मान्यताओं के अनुसार बिहारी क्षेत्र का संबंध महाभारत काल से भी रहा है। कहा जाता है कि प्राचीन समय में इस क्षेत्र को अनूप शहर के नाम से जाना जाता था। महाभारत की कथाओं से जुड़ी मान्यताओं के अनुसार, पांडवों और द्रौपदी के प्रसंग के कारण यह क्षेत्र बुहारी नाम से प्रसिद्ध हुआ, जो कालांतर में बिहारी के नाम से जाना जाने लगा। यह भी मान्यता है कि पांडव हस्तिनापुर से यहां आने के लिए एक गुप्त गुफा का उपयोग करते थे। गांव में आज भी एक प्राचीन तालाब मौजूद है, जिसे कंची का तालाब कहा जाता है। स्थानीय परंपरा के अनुसार, पांडव यहां स्नान कर पूजा-अर्चना करते थे।

प्राचीन प्रतिमाओं के लिए प्रसिद्ध है मंदिर

मंदिर समिति के अनुसार, मुगलकाल में जैन मंदिरों को नुकसान पहुंचाए जाने के दौरान प्रतिमाओं को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से उन्हें तालाब में छिपा दिया गया था। बाद में संवत 1500 के आसपास इन प्रतिमाओं को तालाब से निकालकर वर्तमान मंदिर में स्थापित किए जाने की मान्यता प्रचलित है। स्थानीय लोगों के बीच तालाब को लेकर यह विश्वास भी है कि इसमें स्नान करने से चर्म रोगों में लाभ मिलता है। मंदिर की मूल प्रतिमा श्री 1008 पार्श्वनाथ भगवान की है, जिसे लगभग 1800 वर्ष प्राचीन बताया जाता है। मंदिर की मूल वेदी में पाषाण एवं अष्टधातु से निर्मित प्राचीन प्रतिमाएं विराजमान हैं। ग्रेनाइट पाषाण की शिला पर श्री 1008 पार्श्वनाथ भगवान की 26 प्रतिमाओं का उल्लेख भी मंदिर समिति ने किया। मंदिर परिसर में माता पद्मावती एवं क्षेत्रपाल भगवान की वेदियां भी श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र हैं। प्राचीन प्रतिमाओं के दर्शन कर श्रद्धालु आध्यात्मिक शांति और भक्ति का अनुभव करते हैं।

रंग संसार

रजनीकांत: 'जेलर 2' की रिलीज से पहले फैन ने दिखाया अनोखा प्यार, एक्टर के 230 अवतारों से सजाया खास नवरात्रि कोलू

नई दिल्ली। रजनीकांत के फैंस अपने पसंदीदा अभिनेता के लिए अक्सर कुछ खास करते रहते हैं। इस बार नवरात्रि के मौके पर एक फैन ने ऐसा ही अनोखा काम किया है। उन्होंने रजनीकांत की 230 से ज्यादा तस्वीरों और उनके मशहूर किरदारों को एक खास सजावट में शामिल किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मुंबई के अझगुमिगु श्री रजनी मंदिर में नवरात्रि के मौके पर खास कोलू सजाया गया है। इसमें रजनीकांत के फिल्मी सफर को दिखाया गया है। उनकी पहली फिल्म 'अपूर्व रागंगल' से लेकर आने वाली फिल्म 'जेलर 2' और 'धर्मन' तक के सफर की झलक इस सजावट में देखने को मिलती है इस खास सजावट को कार्तिक नाम के फैन ने तैयार किया है। वह पिछले तीन साल से नवरात्रि के दौरान इस तरह का आयोजन कर रहे हैं। हर साल वह रजनीकांत के अलग-अलग किरदारों और तस्वीरों को इसमें शामिल करते हैं। इस बार की सजावट में एक्टर की पत्ते पर बनाई गई तस्वीर भी आकर्षण का केंद्र है। इस आयोजन में तस्वीरों को अलग-अलग तरीके से सजाया जाता है। इसके लिए तस्वीरों को काटकर फोम शीट और कपड़े पर लगाया जाता है। मंदिर में रोजाना पूजा भी होती है और भक्तों को प्रसाद बांटा जाता है। नवरात्रि के दौरान खास तौर पर रविवार को यहां काफी लोग पहुंचते हैं।15 अक्तूबर को रिलीज होगी रजनीकांत की ये फिल्म रजनीकांत इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'जेलर 2' को लेकर चर्चा में हैं। नेल्सन दिलीपकुमार के निर्देशन में बनी यह फिल्म 15 अक्तूबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म में रजनीकांत एक बार फिर मुथुवेल पांडियन के किरदार में नजर आएंगे।

राज काज

'मैन्युफैक्चरिंग बढ़ानी है तो घटाना होगा एसएलआर': कांत ने बताया- कैसे सस्ता कर्ज-जमीन पैदा करेंगे रोजगार?

नई दिल्ली। नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ कांत का कहना है कि भारत को मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में रोजगार बढ़ाने के लिए कारोबार की लागत कम करनी होगी। इसके लिए बैंकों के वैधानिक तरलता अनुपात (एसएलआर) में कटौती करने, कर्ज सस्ता करने और जमीन की उपलब्धता आसान बनाने जैसे कदम जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) फिलहाल मददगार है, लेकिन लंबे समय तक मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ाने के लिए दूसरे उपायों पर भी ध्यान देना होगा। एसएलआर वह अनुपात है, जिसके तहत बैंकों को अपनी जमा देनदारियों का एक निश्चित हिस्सा सरकारी प्रतिभूतियों में रखना होता है। अमिताभ कांत के मुताबिक, भारत में एसएलआर 18 फीसदी है, जो काफी ज्यादा है। उन्होंने इसे कम करने की वकालत करते हुए कहा कि मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को लंबे समय तक आगे बढ़ाने के लिए कर्ज की उपलब्धता अहम होगी। एसएलआर में कटौती से बैंकों के पास निजी कंपनियों को कर्ज देने के लिए ज्यादा संसाधन उपलब्ध हो सकते हैं। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि एसएलआर को घटाकर कितना किया जाना चाहिए.पीएलआई योजना क्या लंबे समय के लिए पर्याप्त है? अमिताभ कांत ने कहा कि उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना यानी पीएलआई मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के लिए अल्पकालिक समाधान है। लंबे समय में कारोबार की लागत कम करना जरूरी है। उनके मुताबिक, कर्ज की लागत घटाने और कंपनियों को आसानी से वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराने से इस क्षेत्र को मजबूती मिल सकती है। उन्होंने कहा कि भारत के पास मैन्युफैक्चरिंग बढ़ाने का बड़ा अवसर है और दुनिया का देश पर भरोसा भी है। ऐसे में घरेलू स्तर पर मौजूद समस्याओं को दूर करना जरूरी है। चीन, वियतनाम और मैक्सिको से भारत क्या सीख सकता है? अमिताभ ने जमीन की उपलब्धता को मैन्युफैक्चरिंग के लिए अहम बताया। उन्होंने कहा कि भारत को चीन और उसके विकल्प के तौर पर उभर रहे वियतनाम तथा मैक्सिको जैसे देशों में अपनाए जा रहे तरीकों पर गौर करना चाहिए।

दैनिक राशिफल सोमवार 12 अक्टूबर 2026

मेष – सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होंगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे।

वृष – आय के अच्छे योग बनेंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है।

मिथुन : प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं।

कर्क – कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आत्मचिंतन करें। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। योग्यताएं सम्मान दिलायेगी।

सिंह– दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा।

कन्या – व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे।

तुला – लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। आगे-आगे गौरख जागे वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। यात्रा परिणाम सुखद रहेगा।

वृश्चिक – कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेगी।

धनु – अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। मन उदास रहेगा। कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा।

मकर – सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा।

कुंभ – विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्गजनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

मीन – कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गवाएं। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी।

दैनिक पंचांग

12 अक्टूबर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

सोमवार 2026 वर्ष का 285 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास आश्विन **पक्ष** शुक्ल
तिथि द्वितीया 22.14 बजे को समाप्त।
नक्षत्र स्वाती 23.52 बजे को समाप्त।
योग विष्कुम्भ 20.32 बजे को समाप्त।
करण बालव 09.49 बजे तदनन्तर कौलव 22.14 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 1.3 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 07° 19'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872860
जूलियन दिन 2461325.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना रवि उस्सानी
तारीख 30
विशेष चन्द्र दर्शन।

ग्रह	स्थिति
सूर्य	कन्या में
चंद्र	तुला में
मंगल	कर्क में
बुध	तुला में
गुरु	कर्क में
शुक्र	तुला में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
तुला	06.24 बजे से
वृश्चिक	08.38 ब.से
धनु	10.54 बजे से
मकर	12.59 बजे से
कुंभ	14.46 बजे से
मीन	16.19 बजे से
मेष	17.49 बजे से
वृष	19.29 बजे से
मिथुन	21.27 बजे से
कर्क	23.41 बजे से
सिंह	01.57 बजे से
कन्या	04.09 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

दिल्ली-देहरादून हाईवे पर थार सवार युवकों की खतरनाक स्टंटबाजी

बोनट पर बैठा युवक तो खिड़की से बाहर निकलकर दूसरा दिखाता रहा करतब

मुजफ्फरनगर। सड़कों पर तेज रफ्तार और खतरनाक करतब दिखाकर खुद को साहसी साबित करने की कोशिश किस तरह किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है, इसका एक मामला दिल्ली-देहरादून राष्ट्रीय राजमार्ग-58 पर सामने आया है। मुजफ्फरनगर में संधावली गांव के बाहर हाईवे पर थार सवार युवकों की स्टंटबाजी देखने को मिली। यहां एक युवक चलती थार के बोनट पर बैठा नजर आया, जबकि दूसरा युवक गाड़ी की खिड़की में बैठकर जोखिम भरे करतब करता दिखाई दिया। व्यस्त राष्ट्रीय राजमार्ग पर इस तरह की हरकत ने सड़क सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हाईवे पर जहां वाहन चालक अपनी मंजिल तक पहुंचने के लिए लगातार सफर कर रहे होते हैं, वहीं इस तरह की लापरवाही किसी भी समय गंभीर दुर्घटना में बदल सकती है।

हाईवे को स्टंट का मैदान समझ बैठे युवक, दूसरों की जान भी जोखिम में

दिल्ली-देहरादून राष्ट्रीय राजमार्ग-58 पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रमुख मार्गों में शामिल है। इस मार्ग पर कारों, बसों, ट्रकों और अन्य वाहनों की आवाजाही बनी रहती है। ऐसे व्यस्त मार्ग पर चलती गाड़ी के बोनट पर बैठना या खिड़की से बाहर निकलकर करतब दिखाना बेहद जोखिम भरा है। यदि इसी दौरान चालक को अचानक ब्रेक लगाना पड़े, सामने कोई वाहन आ जाए या सड़क पर कोई अप्रत्याशित स्थिति बन जाए, तो बोनट पर बैठा युवक सीधे सड़क पर गिर सकता है। खिड़की से बाहर निकला व्यक्ति भी संतुलन खोकर गंभीर रूप से घायल हो सकता है। इस तरह की स्टंटबाजी का खतरा केवल थार में सवार युवकों तक सीमित नहीं रहता। आसपास से गुजर रहे दूसरे वाहन

चालकों को भी अचानक ब्रेक लगाने या वाहन मोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। इससे पीछे चल रहे वाहनों की टक्कर और अन्य दुर्घटनाओं का जोखिम बढ़ जाता है। यानी कुछ पलों के रोमांच के लिए की गई एक गलती कई लोगों की जिंदगी पर भारी पड़ सकती है।

बोनट पर बैठकर स्टंट, जरा-सी चूक पड़ सकती है भारी

चलती गाड़ी के बोनट पर बैठना अपने आप में जानलेवा जोखिम है। वाहन की गति बढ़ने, अचानक ब्रेक लगने या सड़क पर गड्ढे अथवा अन्य बाधा आने से बोनट पर बैठे व्यक्ति का संतुलन बिगड़ सकता है। ऐसी स्थिति में व्यक्ति के सड़क पर गिरने और पीछे से आ रहे वाहन की चपेट में आने की आशंका रहती है। तेज रफ्तार हाईवे पर दुर्घटना होने के बाद संभलने का अवसर भी बेहद कम मिल पाता है। इसी तरह खिड़की में बैठकर या शरीर को वाहन से बाहर निकालकर स्टंट करने में भी गंभीर खतरा है। वाहन के किसी दूसरे वाहन से नजदीक से गुजरने, अचानक दिशा बदलने या असंतुलित होने पर बाहर निकला व्यक्ति टकरा सकता है। इसके बावजूद सार्वजनिक सड़कों पर इस तरह के करतब करना यातायात सुरक्षा के प्रति लापरवाही को दर्शाता है।

सोशल मीडिया पर दिखावे की चाह या लापरवाही? जांच के बाद ही स्पष्ट होंगी परिस्थितियां

सार्वजनिक सड़कों पर वाहनों के साथ स्टंट करने की घटनाएं सड़क सुरक्षा के लिए लगातार चुनौती बनी हुई हैं। कई बार लोग रोमांच, दिखावे या वीडियो बनाने के उद्देश्य से जोखिम भरी हरकतें करते हैं। हालांकि, संधावली के बाहर सामने आए इस मामले में युवकों का उद्देश्य क्या था, इसकी पुष्टि उपलब्ध जानकारी से नहीं होती है। इतना स्पष्ट है कि चलती गाड़ी के बोनट पर बैठना और खिड़की से बाहर निकलकर करतब करना किसी भी स्थिति में सुरक्षित नहीं है।

नंगला में गाड़ी को रास्ता देने को लेकर विवाद, चार लोगों पर मारपीट का मुकदमा दर्ज

भात देकर बारात में जा रहे परिवार के साथ लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से हमला करने का आरोप

मुजफ्फरनगर। रतनपुरी थाना क्षेत्र के ग्राम नंगला में गाड़ी को रास्ता देने को लेकर हुए विवाद में मारपीट और तोड़फोड़ का मामला सामने आया है। आरोप है कि भात देकर बारात में जा रहे एक परिवार के लोगों के साथ चार युवकों ने लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से मारपीट की। हमले में एक युवक की बाईं बाजू में चोट आई, जबकि उसकी गाड़ी का अगला शीशा भी तोड़ दिया गया। पीड़ित पक्ष ने आरोपियों पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। शिकायत के आधार पर रतनपुरी थाना पुलिस ने चार नामजद लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले में कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। रास्ता देने को लेकर शुरू हुआ विवाद पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, मेरठ जनपद के सरूरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम हर्रा खेड़ी निवासी इमरान ने बताया कि 10 अक्टूबर 2026 की रात करीब साढ़े आठ बजे वह अपने परिजनों के साथ ग्राम नंगला से भात देकर बारात में पिटलोकर जा रहे थे। इसी दौरान ग्राम नंगला में उनकी गाड़ी को रास्ता देने को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि इसी बात को लेकर ग्राम नंगला निवासी सादाब, अरमान, सुल्तान, अब्दुल ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। पीड़ित पक्ष का कहना है कि आरोपियों ने लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से हमला किया।

बड़े भाई की बाजू में आई चोट, गाड़ी का शीशा तोड़ा

इमरान के मुताबिक, मारपीट के दौरान उनके बड़े भाई सलीम के बाईं बाजू में चोट आई। आरोपियों ने मारपीट के साथ ही उनके भाई की गाड़ी संख्या UP 14 FA 0664 के अगले शीशे को भी तोड़ दिया। घटना के दौरान आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी। तहरीर में बताया गया कि मौके पर लोगों के पहुंचने के बाद आरोपी वहां से फरार हो गए। घटना के बाद पीड़ित पक्ष ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। पीड़ित इमरान ने रतनपुरी थाने में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। शिकायत में सादाब, अरमान, सुल्तान और अब्दुल को नामजद किया गया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले में पुलिस की ओर से आगे की कार्रवाई की जा रही है। फिलहाल मामले में लगाए गए आरोप शिकायतकर्ता के पक्ष पर आधारित हैं। आरोपियों का पक्ष और पुलिस जांच के निष्कर्ष सामने आने के बाद ही घटना की पूरी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

मंदिर में पूजा करने गई युवती लापता, युवक पर बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप

सुबह घर से निकली युवती वापस नहीं लौटी, पड़ोसी ने भगत सिंह रोड पर युवक के साथ देखने की दी जानकारी, पिता की शिकायत पर कोतवाली नगर में मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। शहर में मंदिर में पूजा-अर्चना करने के लिए घर से निकली 23 वर्षीय युवती के लापता होने का मामला सामने आया है। युवती काफी देर तक घर वापस नहीं लौटी तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। इसी दौरान एक पड़ोसी ने युवती को भगत सिंह रोड पर एक युवक के साथ जाते हुए देखने की जानकारी दी। परिजनों ने दोनों को तलाशने का प्रयास किया, लेकिन वे नहीं मिले। इसके बाद युवती के पिता ने कोतवाली नगर पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर गाजियाबाद निवासी एक युवक पर उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। परिजनों ने पुलिस से युवती को जल्द तलाशने और मामले में उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। युवती के पिता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी 23 वर्षीय बेटी 7 अक्टूबर 2026 को सुबह करीब 11 बजे पास के मंदिर में पूजा-अर्चना करने के लिए घर से निकली थी। काफी समय बीत जाने के बाद भी जब वह वापस नहीं लौटी तो परिजनों को चिंता हुई। परिवार के लोगों ने आसपास और संभावित स्थानों पर उसकी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। शिकायत के अनुसार, परिजन तलाश करने के बाद घर लौटे तो एक पड़ोसी ने उन्हें बताया कि उसने युवती को भगत सिंह रोड पर अभिषेक कौशिक उर्फ गोल्डी के साथ जाते हुए देखा था। शिकायत में युवक को गाजियाबाद जिले के रहसिपुर क्षेत्र का निवासी बताया गया है। यह जानकारी मिलने के बाद परिजनों ने दोनों को तलाशने का प्रयास किया, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल सका। युवती के पिता ने संबंधित युवक के मोबाइल नंबर पर संपर्क करने की कोशिश की तो शिकायत के मुताबिक उसका फोन बंद मिला।

युवक पर बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप

युवती के पिता ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि अभिषेक कौशिक उर्फ गोल्डी उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। काफी तलाश के बाद भी बेटी का पता नहीं चलने पर उन्होंने पुलिस से गुहार लगाई। पिता ने युवती को तलाशकर सुरक्षित बरामद कराने और मामले की गंभीरता से जांच करने की मांग की है। पिता की तहरीर पर कोतवाली नगर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। अब पुलिस मामले की जांच कर रही है। युवती की तलाश और शिकायत में बताए गए घटनाक्रम की पड़ताल की जाएगी। युवक पर लगाए गए आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। परिजनों ने पुलिस से युवती को जल्द तलाशने और मामले में तथ्यों के आधार पर उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

उधार के 50 हजार रुपये मांगने पर घर में घुसकर हमला, महिला-बेटी और बेटे से मारपीट कर पथराव का आरोप

मीरापुर में रुपये के लेनदेन को लेकर बढ़ा विवाद, पीड़िता का आरोप–लाठी-डंडे और ईंट-पत्थर लेकर घर में घुसे पांच लोग; जान से मारने की धमकी देकर फरार, पुलिस क्षेत्राधिकारी जानसठ के यहां शिकायत के बाद मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। मीरापुर कस्बे में उधार दिए गए 50 हजार रुपये वापस मांगने को लेकर विवाद बढ़ने का मामला सामने आया है। आरोप है कि रुपये मांगने से नाराज एक व्यक्ति ने अपने साथियों के साथ मिलकर महिला के घर पर धावा बोल दिया। हमलावर लाठी-डंडे और ईंट-पत्थर लेकर घर में घुस आए तथा महिला, उसकी बेटी और बेटे के साथ मारपीट करते हुए पथराव किया। पीड़िता का आरोप है कि विरोध करने और शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके की ओर आने लगे तो हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। मामले में महिला ने पुलिस क्षेत्राधिकारी जानसठ को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की। शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मीरापुर निवासी उम्मीदा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनके मोहल्ले

के रहने वाले खालिद ने एक सितंबर 2026 को उनके घर आकर 50 हजार रुपये उधार मांगे थे। शिकायत के मुताबिक, महिला के बेटे ने उसकी परेशानी को देखते हुए 15 दिन के लिए रुपये उधार दे दिए थे। पीड़िता का आरोप है कि तय समय पूरा होने के बाद जब उसके बेटे ने रुपये वापस मांगे तो खालिद बार-बार एक-दो दिन में रकम लौटाने का आश्वासन देता रहा। काफी समय बीतने के बावजूद रुपये वापस नहीं किए गए, जिसके चलते दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ने लगा। उम्मीदा के अनुसार, पांच अक्टूबर 2026 की शाम उनका बेटा इमरान अपने भाई अथर को साथ लेकर खालिद से उधार दिए गए रुपये मांगने गया था। आरोप है कि इस दौरान खालिद ने रुपये उपलब्ध होने पर लौटाने की बात कही और धमकी दी कि उसकी बदमाशों में उठ-बैठ है तथा वह उसे गोली भी मरवा सकता है। पीड़िता ने बताया कि घर लौटने के बाद बेटे ने परिवार को पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। इसके अगले दिन ही विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। शिकायत के अनुसार, छह अक्टूबर 2026 की दोपहर उम्मीदा अपने घर पर मौजूद थीं और उनका बेटा खाना खा रहा था। इसी दौरान खालिद अपने चार कथित साथियों के साथ वहां पहुंचा। पीड़िता ने आरोप लगाया कि सभी लोग एकराय होकर लाठी-डंडे और ईंट-पत्थर लेकर घर में घुस आए। आरोप है कि हमलावरों ने उम्मीदा, उनकी बेटी और बेटे के साथ मारपीट की तथा पथराव भी किया। अचानक हुए हमले से परिवार में अफरा-तफरी मच गई। पीड़िता के अनुसार, परिवार के लोगों ने बचाव के लिए शोर मचाया तो आसपास के लोग घटनास्थल की ओर आने लगे। महिला का आरोप है कि शोर सुनकर आसपास के लोगों को मौके पर आता देख हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से फरार हो गए। घटना के बाद पीड़िता ने पुलिस से शिकायत कर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की। पीड़िता ने अपने प्रार्थना पत्र में रुपये के लेनदेन से शुरू हुए विवाद, कथित धमकी और घर में घुसकर मारपीट किए जाने की पूरी जानकारी देते हुए मामले की जांच कराने की मांग उठाई। उम्मीदा ने आठ अक्टूबर 2026 को पुलिस क्षेत्राधिकारी जानसठ को प्रार्थना पत्र देकर रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की थी। शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले में लगाए गए आरोपों की जांच कर रही है।

मौसम का बदला मिजाज, पेड़ गिरने से मीरापुर और हैदरपुर के पास लगा जाम

मीरापुर। रविवार को क्षेत्र में अचानक मौसम का मिजाज बदल गया। दोपहर बाद आसमान में काली घटाएं छा गईं और तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई। तेज हवा के चलते क्षेत्र में कई स्थानों पर पेड़ गिर गए, जिससे यातायात व्यवस्था प्रभावित हुई। हालांकि, पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से सड़कों पर गिरे पेड़ों को हटाकर यातायात सुचारु कराया गया।

मीरापुर-खतौली मार्ग पर तेज हवा के कारण एक पुराना पेड़ अचानक भरभराकर सड़क पर गिर गया। पेड़ के सड़क पर गिरते ही मार्ग के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। इससे राहगीरों और वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। सड़क पर पेड़ गिरने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और यातायात व्यवस्था संभाली। इसके बाद स्थानीय लोगों और राहगीरों ने कड़ी मशक्कत कर पेड़ को सड़क से हटाया, जिसके बाद वाहनों का आवागमन सामान्य हो सका। वहीं, दिल्ली-पौड़ी राजमार्ग पर हैदरपुर पुलिस चैकी के समीप भी तेज हवा के कारण एक पेड़ सड़क पर गिर गया। इसके चलते राजमार्ग के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और राहगीरों की मदद से पेड़ को सड़क से हटवाया। इसके बाद राजमार्ग पर यातायात सुचारु हो गया।

रामराज थाना प्रभारी ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि तेज हवा के कारण सड़क पर पेड़ गिरने से कुछ समय के लिए यातायात बाधित हुआ था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पेड़ हटवाया और यातायात व्यवस्था को सामान्य करा दिया।

जौली कट बाईपास पर ट्रक की टक्कर से शुभम की मौत, अब पिता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज

अलमासपुर से दो युवकों के साथ मोटरसाइकिल पर निकला था युवक, वाइन शॉप के सामने हुआ हादसा, पिता ने उठाए सवाल, निष्पक्ष जांच की मांग

मुजफ्फरनगर। जौली कट बाईपास पर ट्रक की टक्कर से युवक की मौत के मामले में अब थाना नई मंडी पुलिस ने मृतक के पिता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। अलमासपुर निवासी शुभम कुमार पांच अक्टूबर को अपनी मोटरसाइकिल से घर से निकला था। शाम करीब साढ़े पांच बजे परिजनों को सूचना मिली कि जौली कट बाईपास पर वाइन शॉप के सामने उसकी मोटरसाइकिल की ट्रक से टक्कर हो गई है। हादसे में गंभीर रूप से घायल शुभम को एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के पिता रतन सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि शुभम को संदीप निवासी अलमासपुर और संजीव निवासी भरतिया कॉलोनी फोन करके किसी काम से अपने साथ जौली ले गए थे। पिता ने पूरे मामले की गंभीरता और निष्पक्षता से जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। अलमासपुर निवासी रतन सिंह पुत्र जय सिंह ने थाना नई मंडी पुलिस को दी शिकायत में बताया कि पांच अक्टूबर 2026 को उनके बेटे शुभम कुमार के पास संदीप और संजीव का फोन आया था। शिकायत के मुताबिक, दोनों युवक शुभम को किसी काम से जौली ले जाने के लिए अपने साथ लेकर गए थे। शुभम अपनी मोटरसाइकिल से घर से निकला था। परिवार को शाम तक हादसे की सूचना मिली, जिसके बाद परिजन घटनास्थल की ओर दौड़े। इस घटना ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया। रतन सिंह के अनुसार, शाम करीब 5:30 बजे उन्हें फोन के माध्यम से जानकारी मिली कि जौली कट बाईपास पर वाइन शॉप के सामने उनके बेटे की मोटरसाइकिल को ट्रक ने टक्कर मार दी है। शिकायत में ट्रक का पंजीकरण नंबर यूपी 86 एटी 0368 बताया गया है। सूचना मिलने पर रतन सिंह ने अपने छोटे भाई अतर सिंह को घटना की जानकारी दी और दोनों घटनास्थल पर पहुंचे। हालांकि, उनके पहुंचने से पहले ही घायल शुभम को एंबुलेंस से जिला अस्पताल ले जाया जा चुका था। वहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बेटे की मौत के बाद रतन सिंह ने पुलिस से पूरे घटनाक्रम की गंभीरता से जांच कराने की मांग की। उन्होंने अपनी शिकायत में दोनों युवकों के शुभम को फोन करके साथ ले जाने का उल्लेख किया और मामले के सभी पहलुओं की पड़ताल करने का अनुरोध किया। पिता का कहना है कि जांच निष्पक्ष होनी चाहिए और दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाकर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। हालांकि, शिकायत में युवकों के साथ जाने का उल्लेख होने से उनकी हादसे में संलिप्तता साबित नहीं होती। इसका निर्धारण पुलिस जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर होगा।

रतन सिंह ने सात अक्टूबर 2026 को थाना नई मंडी पुलिस को लिखित प्रार्थना पत्र दिया था। अब पुलिस ने उनकी शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले में दुर्घटना की परिस्थितियों, ट्रक और मोटरसाइकिल की टक्कर के कारणों तथा शिकायत में बताए गए घटनाक्रम की जांच की जाएगी।

शुभम की मौत से परिवार में शोक का माहौल है। परिजनों को उम्मीद है कि पुलिस निष्पक्ष जांच कर घटना की वास्तविक स्थिति सामने लाएगी और जांच में जो भी जिम्मेदार पाया जाएगा, उसके खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मीरापुर में नौ दिवसीय श्री दुर्गा दुःख-दारिद्र्य विनाशिनी महायज्ञ शुरू

मीरापुर। शिवशक्ति कॉलोनी स्थित शिवशक्ति मंदिर में नौ दिवसीय श्री दुर्गा दुःख-दारिद्र्य विनाशिनी महायज्ञ का वैदिक मंत्रोच्चार और ढोल-नगाड़ों के साथ शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में भूमिया मंदिर के महंत बाबा श्यामनाथ महाराज एवं वरिष्ठ व्यापारी नेता ब्रजभूषण अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

समाजसेवी एवं मंदिर प्रबंध समिति के प्रबंधक अभिषेक काम्बोज ने पत्नी रीता काम्बोज तथा पुत्रों विशिष्ट काम्बोज और अक्षित काम्बोज के साथ आचार्य पंडित दीपक कृष्णात्रेय के मार्गदर्शन में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत मूर्ति एवं कलश स्थापना की। इस दौरान निकाली गई कलश यात्रा में दर्जनों महिला-पुरुष श्रद्धालुओं ने भाग लिया। सायंकालीन पूजा में शिक्षक संजय कुमार शर्मा ने पत्नी चंचल शर्मा के साथ मां दुर्गा का विधिवत पूजन किया। इसके बाद श्रद्धालुओं ने दुर्गा सप्तशती पाठ का श्रवण किया और भव्य आरती में भाग लिया। आरती के उपरांत श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। आचार्य पंडित दीपक कृष्णात्रेय ने बताया कि महायज्ञ के दौरान नौ दिनों तक प्रतिदिन शाम चार से छह बजे तक मां भगवती का पूजन, दुर्गा सप्तशती पाठ और आरती की जाएगी। अनुष्ठान का समापन 19 अक्टूबर को विशाल यज्ञ एवं भंडारे के साथ होगा। कार्यक्रम में वासुदेव वत्स, डॉ. कमल कुमार, संजय रॉय, धर्मपाल ठाकुर, संजय माहेश्वरी, अंकुर पहलवान, ऋषि शर्मा, अमित कुमार, रितिन मास्टर जी, अजय शर्मा, सुधा शर्मा, लता चैधरी, सीमा, डोली शर्मा, पूजा और विमला देवी सहित दर्जनों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मीरापुर में मारपीट के मामले में पुलिस की कार्रवाई, दूसरे पक्ष के पांच लोगों पर केस

मीरापुर। कस्बे के मोहल्ला मुश्तर्क में रुपये के लेनदेन को लेकर पांच दिन पूर्व हुए विवाद के मामले में पुलिस ने दूसरे पक्ष की तहरीर पर भी पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। विवाद के दौरान दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई थी, जिसमें कई लोग घायल हो गए थे। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पांच दिन पूर्व मोहल्ला मुश्तर्क में रुपये के लेनदेन को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया था। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों के एक-एक व्यक्ति का चालान किया था। इसके बाद एक पक्ष की ओर से गुलफाम पर जानलेवा हमला किए जाने का आरोप लगाते हुए चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था। अब शनिवार रात दूसरे पक्ष की ओर से उम्मीदा पत्नी सुक्खा की तहरीर पर पुलिस ने खालिद पुत्र शेरु, शेरु पुत्र इदरीश, साजिद पुत्र शेरु, गुलफाम पुत्र जान मोहम्मद तथा गुलफाम पुत्र इलियास उर्फ भिंडी, निवासी मोहल्ला मुश्तर्क, के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। तहरीर के अनुसार, खालिद उसके पुत्र सोनू से 50 हजार रुपये मांगने आया था। आरोप है कि सोनू ने उससे 50 हजार रुपये उधार लिए थे, जिन्हें वापस नहीं किया गया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी के बाद मारपीट हो गई।

भाजपा जिला कार्यालय पर संगठनात्मक बैठक आयोजित, शिक्षक एवं स्नातक चुनाव को लेकर बनी रणनीति

क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर ने कार्यकताओं को दिया जनसंपर्क बढ़ाने का संदेश, जिलाध्यक्ष डॉ. सुधीर सैनी ने जिम्मेदारियों के निर्वहन पर दिया जोर

मुजफ्फरनगर। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय मुजफ्फरनगर पर शिक्षक एवं स्नातक विधान परिषद चुनाव की तैयारियों को लेकर संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी चुनावों की रणनीति पर विस्तार से चर्चा करते हुए संगठन को मजबूत बनाने, मतदाता संपर्क अभियान को प्रभावी बनाने तथा कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियां निर्धारित करने पर जोर दिया गया। चुनाव की तैयारियों को गति देने के लिए कमेटी के गठन सहित विभिन्न संगठनात्मक विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। पार्टी पदाधिकारियों ने सभी कार्यकर्ताओं से आपसी समन्वय और पूरी सक्रियता के साथ चुनावी तैयारियों में जुटने का आह्वान किया। जिला मीडिया प्रभारी पवन अरोरा ने बताया कि

बैठक में भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर, क्षेत्रीय महामंत्री रुपेंद्र सैनी, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष प्रदीप सैनी, क्षेत्रीय मंत्री नितिन मलिक, प्रदेश सह प्रभारी अनंत ओझा, हरीश ठाकुर तथा जिला प्रभारी हरिओम शर्मा सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे। राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल, सुरेश तितोरिया, अशोक कंसल, विक्रम सैनी, उमेश मलिक, पूर्व जिलाध्यक्ष देवव्रत त्यागी, सतपाल पाल और यशपाल पंवार सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी बैठक में सहभागिता की।

बैठक को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर ने केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से समाज के अलग-अलग वर्गों तक लाभ पहुंचाने का कार्य कर रही है। किसान सम्मान निधि, युवाओं के लिए रोजगार एवं

सरकारी नौकरी के अवसर, छात्राओं के लिए स्कूटी वितरण, उज्ज्वला योजना और मुफ्त राशन जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे जनता के बीच जाकर सरकार की योजनाओं की जानकारी दें और पात्र लाभार्थियों को उनका लाभ दिलाने में सहयोग करें।

नवाब सिंह नागर ने संगठन की मजबूती को चुनावी सफलता का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए कहा कि आगामी शिक्षक एवं स्नातक विधान परिषद चुनाव पार्टी के लिए महत्वपूर्ण हैं। इन चुनावों में बेहतर प्रदर्शन के लिए सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने मतदाताओं से निरंतर संपर्क बनाए रखने, पार्टी की नीतियों एवं सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने और चुनाव संबंधी तैयारियों को व्यवस्थित ढंग से पूरा करने पर बल दिया।

राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि संगठन का उद्देश्य केवल मतदाता सूची तैयार करना नहीं, बल्कि प्रत्येक मतदाता तक पहुंचकर उससे संवाद स्थापित करना है। उन्होंने कार्यकताओं से अपने-अपने क्षेत्रों के मतदाताओं के साथ निरंतर संपर्क बनाए रखने और उनकी समस्याओं एवं अपेक्षाओं को समझने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रभावी जनसंपर्क और संगठनात्मक समन्वय के माध्यम से चुनावी तैयारियों को मजबूत किया जा सकता है। भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. सुधीर सैनी ने कहा कि शिक्षक एवं स्नातक विधान परिषद चुनाव संगठन के लिए महत्वपूर्ण हैं और इनकी तैयारियों में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने प्रतिदिन की प्रगति की समीक्षा करने, निर्धारित जिम्मेदारियों को समय से पूरा करने और बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पार्टी की सबसे बड़ी ताकत उसका कार्यकर्ता है।

लोहिया बाजार में सुबह 10 से शाम 7 बजे तक ई-रिक्शाओं की आवाजाही पर प्रतिबंध

दुकानदारों ने प्रतिष्ठान बंद कर सड़क पर दिया था धरना, ई-रिक्शाओं के संचालन और अतिक्रमण को लेकर जताई थी नाराजगी

मुजफ्फरनगर। शहर के प्रमुख बाजार लोहिया बाजार में ई-रिक्शाओं के संचालन को लेकर दुकानदारों और बाजार में आने-जाने वाले लोगों की परेशानी के बीच व्यापारियों के विरोध के बाद समाधान निकाला गया। दुकानदारों ने बाजार से ई-रिक्शाओं की आवाजाही पर रोक लगाने की मांग करते हुए अपने प्रतिष्ठान बंद कर बीच सड़क पर दरी बिछाकर धरना शुरू कर दिया था। मामले की जानकारी मिलने पर शहर कोतवाल बृजेश कुमार शर्मा मौके पर पहुंचे और व्यापारियों से बातचीत कर उनकी समस्या के समाधान का आश्वासन दिया। इसके बाद लोहिया बाजार में सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक ई-रिक्शाओं के संचालन पर प्रतिबंध लगाने की व्यवस्था तय की गई।

प्रतिष्ठान बंद कर सड़क पर बैठ गए थे व्यापारी

रविवार को लोहिया बाजार में ई-रिक्शाओं की आवाजाही के विरोध में दुकानदारों ने एकजुट होकर धरना शुरू कर दिया। व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान बंद किए और बीच सड़क पर दरी बिछाकर बैठ गए। उनकी प्रमुख मांग थी कि बाजार के भीतर से गुजरने वाली ई-रिक्शाओं का संचालन बंद कराया जाए, ताकि दुकानदारों के साथ-साथ बाजार में आने वाले ग्राहकों और राहगीरों को भी परेशानी का सामना न करना पड़े। दुकानदारों का कहना था कि बाजार में ई-रिक्शाओं की आवाजाही के कारण आवागमन प्रभावित होता है। बाजार में भीड़ के बीच वाहनों के निकलने से रास्ते पर दबाव बढ़ता है और जाम जैसी स्थिति पैदा होने की आशंका बनी रहती है। इसी समस्या को लेकर व्यापारियों ने विरोध जताते हुए पुलिस-प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की।

अतिक्रमण हटाने की मांग भी उठाई

धरने के दौरान व्यापारियों ने केवल ई-रिक्शाओं के संचालन का मुद्दा ही नहीं उठाया, बल्कि बाजार में दुकानदारों की ओर से किए गए अतिक्रमण को हटाने की मांग भी की। व्यापारियों का कहना था कि बाजार के रास्ते को सुचारु बनाए रखने के लिए सभी को अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। सड़क और रास्ते पर अतिक्रमण होने से राहगीरों को निकलने में परेशानी होती है और यातायात व्यवस्था भी प्रभावित होती है। व्यापारियों ने मांग की कि बाजार में आवागमन को व्यवस्थित करने के लिए ई-रिक्शाओं के संचालन पर समय निर्धारित किया जाए और रास्ते में बाधा बनने वाले अतिक्रमण को भी हटाया जाए, जिससे बाजार में आने वाले लोगों को राहत मिल सके।

मौके पर पहुंचे शहर कोतवाल, बातचीत के बाद बनी व्यवस्था

व्यापारियों के धरने की सूचना पर शहर कोतवाल बृजेश कुमार शर्मा मौके पर पहुंचे। उन्होंने दुकानदारों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान का आश्वासन दिया। बातचीत के बाद लोहिया बाजार में सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक ई-रिक्शाओं की आवाजाही प्रतिबंधित करने की व्यवस्था तय की गई। इस निर्णय का उद्देश्य बाजार के व्यस्त समय में आवागमन को व्यवस्थित करना और दुकानदारों व राहगीरों की परेशानी कम करना है।

नवरात्र के पहले दिन बाजार में आवागमन बना था परेशानी

शारदीय नवरात्र के पहले दिन बाजार में खरीदारी के लिए लोगों की आवाजाही के बीच धरने के कारण रास्ता प्रभावित हुआ था। मार्ग अवरुद्ध होने से कई राहगीरों को दूसरी गलियों से होकर भगत सिंह रोड की ओर जाना पड़ा। ऐसे में ई-रिक्शाओं के संचालन को लेकर व्यापारियों की मांग और बाजार में अतिक्रमण का मुद्दा प्रमुखता से सामने आया।

व्यवस्था लागू होने से राहत की उम्मीद

लोहिया बाजार में सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक ई-रिक्शाओं पर प्रतिबंध की व्यवस्था तय होने के बाद अब बाजार के दुकानदारों और राहगीरों को राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि, बाजार में यातायात को सुचारु बनाए रखने के लिए अतिक्रमण हटाने और तय व्यवस्था का पालन कराने पर भी ध्यान देना जरूरी होगा।

भोपा पुलिस का वारंटी अभियुक्तों के खिलाफ अभियान, चार आरोपियों को गिरफ्तार किया

चेक बाउंस और पुराने आपराधिक मुकदमे से जुड़े मामलों में वांछित चार वारंटी पकड़े गए, वरिष्ठ अधिकारियों के पर्यवेक्षण में थाना भोपा पुलिस ने की कार्रवाई

मोरना। जनपद में वांछित वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना भोपा पुलिस ने रविवार को चार वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में दो कस्बा भोकरहेड़ी और बेहड़ा थ्रू क्षेत्र के निवासी हैं, जबकि दो अभियुक्त गांव रूडकली के रहने वाले हैं। पुलिस ने चारों के खिलाफ संबंधित न्यायालयी वादों के आधार पर कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई अपर पुलिस महानिदेशक मेरठ जोन, पुलिस उपमहानिरीक्षक सहारनपुर परिक्षेत्र और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के पर्यवेक्षण में की गई। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक, क्षेत्राधिकारी भोपा राधा रमण सिंह तथा थाना प्रभारी निरीक्षक आशुतोष सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई की।

चेक बाउंस के मामले में दो वारंटी गिरफ्तार

पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए चार अभियुक्तों में दो के खिलाफ परक्राम्य लिखत अधिनियम की धारा 138 के तहत मामले दर्ज हैं। इस धारा के अंतर्गत चेक अनादर से संबंधित मामलों की सुनवाई की जाती है। गिरफ्तार अभियुक्त शिवम गर्ग पुत्र प्रमोद कुमार गर्ग, निवासी कस्बा भोकरहेड़ी, थाना भोपा, के खिलाफ वाद संख्या 785/24 में वारंट जारी था। वहीं, प्रविन्द्र कुमार पुत्र सुभाषचंद, निवासी ग्राम बेहड़ा थ्रू, थाना भोपा, को वाद संख्या 746624 से संबंधित मामले में गिरफ्तार किया गया। यह मामला थाना छपार से संबंधित बताया गया है।

पुराने मुकदमे में दो अन्य वारंटी पकड़े

पुलिस ने गांव रूडकली निवासी इरफान पुत्र ईशाक और असद पुत्र अली मोहम्मद को भी गिरफ्तार किया। दोनों के खिलाफ वाद संख्या 632/09 में भारतीय दंड संहिता की धारा 430 के तहत मामला दर्ज है। पुलिस के अनुसार, दोनों इस मामले में वारंटी थे और उनकी गिरफ्तारी की गई। थाना भोपा पुलिस की इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक सुमित चौधरी, उपनिरीक्षक आकाश शर्मा, उपनिरीक्षक विवेक चौधरी, मुख्य आरक्षी तेजेन्द्र सिंह, मुख्य आरक्षी सतेन्द्र, आरक्षी अरुण कुमार, आरक्षी अजीत सिंह और आरक्षी सुन्दर कुमार शामिल रहे। पुलिस ने चारों वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर संबंधित मामलों में कार्रवाई की है। वारंटियों की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस का यह अभियान न्यायालय से जारी आदेशों के अनुपालन की दिशा में की गई कार्रवाई का हिस्सा है।

स्नातक एमएलसी चुनाव को लेकर मुजफ्फरनगर में सपा की बड़ी बैठक, प्रमेंद्र कुमार भाटी के समर्थन में जुटे पदाधिकारी और कार्यकर्ता

महाराजा अग्रसेन भवन में चुनावी रणनीति पर मंथन, हरेंद्र मलिक और जिया चौधरी समेत पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने कार्यकताओं में भरा जोश

मुजफ्फरनगर। ए टू जेड रोड स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में स्नातक एमएलसी चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्नातक एमएलसी प्रत्याशी प्रमेंद्र कुमार भाटी के समर्थन में पार्टी की चुनावी तैयारियों, संगठन की भूमिका और कार्यकताओं की जिम्मेदारियों को लेकर चर्चा की गई। कार्यक्रम में सांसद हरेंद्र मलिक, सपा जिलाध्यक्ष जिया चौधरी और स्नातक एमएलसी प्रत्याशी प्रमेंद्र कुमार भाटी सहित पार्टी के अनेक वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिव सोमपाल कोरी ने किया। बैठक में पार्टी पदाधिकारियों ने स्नातक एमएलसी चुनाव को महत्वपूर्ण बताते हुए कार्यकताओं से संगठन को मजबूत करने और मतदाताओं तक पहुंच बनाने का आह्वान किया। नेताओं ने कहा कि चुनाव में सफलता के लिए आपसी समन्वय, सक्रिय जनसंपर्क और संगठन की एकजुटता महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों ने चुनाव को लेकर अपनी जिम्मेदारियों के निर्वहन और पार्टी की नीतियों को लोगों तक पहुंचाने पर जोर दिया। संगठन की एकजुटता और जनसंपर्क पर जोर : हरेंद्र मलिक

बैठक में सांसद हरेंद्र मलिक ने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं से स्नातक एमएलसी चुनाव को गंभीरता से लेते हुए पूरी सक्रियता के साथ जुटने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि किसी भी चुनाव में संगठन की मजबूती, कार्यकताओं की मेहनत और मतदाताओं के साथ सीधा संवाद महत्वपूर्ण होता है। पार्टी के सभी पदाधिकारियों को आपसी तालमेल के साथ काम करना चाहिए, ताकि प्रत्याशी की बात अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच सके। उन्होंने कार्यकताओं से कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में संपर्क बढ़ाएं और स्नातक मतदाताओं को चुनाव के महत्व के बारे में जानकारी दें। संगठन की ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता होते हैं और उनकी मेहनत से ही चुनावी अभियान को मजबूती मिलती है। सपा जिलाध्यक्ष जिया चौधरी ने बैठक में संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकताओं से एकजुट होकर चुनाव अभियान में जुटने की अपील की। उन्होंने कहा कि पार्टी की मजबूती बूथ और क्षेत्र स्तर पर सक्रिय रहने वाले कार्यकताओं से होती है। स्नातक एमएलसी चुनाव में भी सभी पदाधिकारियों को अपनी जिम्मेदारी समझते हुए मतदाताओं से संपर्क स्थापित करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि संगठन के सभी वर्गों और विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों को मिलकर काम करना होगा। आपसी समन्वय और निरंतर जनसंपर्क से चुनावी अभियान को प्रभावी बनाया जा सकता है। उन्होंने कार्यकताओं से पार्टी की नीतियों और विचारधारा को जनता तक पहुंचाने का आह्वान किया। स्नातक एमएलसी प्रत्याशी प्रमेंद्र कुमार भाटी ने बैठक में उपस्थित नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकताओं का आभार जताते हुए चुनाव में सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि स्नातक मतदाताओं के बीच पहुंचकर उनकी अपेक्षाओं, समस्याओं और सुझावों को समझना जरूरी है। चुनावी अभियान के दौरान मतदाताओं से सीधा संवाद स्थापित करने और उनकी बात सुनने पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनाव में कार्यकताओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मिलकर अभियान को आगे बढ़ाएं तथा स्नातक मतदाताओं तक प्रत्याशी का पक्ष पहुंचाएं। उन्होंने संगठन के सहयोग से चुनाव में मजबूती के साथ उतरने की बात कही।

बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता रहे मौजूद

बैठक में सपा के राष्ट्रीय सचिव राकेश शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष प्रमोद त्यागी, प्रदेश सचिव ईलम सिंह, नौशाद अली, ठाकुर सुखपाल, विनय पाल, बृजराज सैनी, पूर्व जिलाध्यक्ष श्यामलाल सैनी, जिला महासचिव सोमपाल कोरी, जिला कोषाध्यक्ष धर्मेंद्र पवार, जिला उपाध्यक्ष ओमपाल सिंह, सुरेश प्रजापति, पवन बंसल, अजय कुमार, आमिर कासिम, गोल्डी अहलावत, पंकज सैनी, रमेश चंद शर्मा और प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य तहसीन मंसूरी मौजूद रहे। इसके अलावा महिला सभा जिलाध्यक्ष पूजा अंबेडकर, डॉ. मोनिका सिंह, मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड जिलाध्यक्ष राशिद मलिक, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष सतीश गुर्जर, मजदूर सभा जिलाध्यक्ष इकराम कस्सार, व्यापार सभा जिलाध्यक्ष अब्दुल मुतालिब, खतौली विधानसभा अध्यक्ष सत्यदेव शर्मा, मीरापुर विधानसभा अध्यक्ष सादिक चौहान, पुरकाजी विधानसभा अध्यक्ष संजीव आर्य, खतौली ब्लॉक अध्यक्ष शेखर, पुरकाजी ब्लॉक अध्यक्ष नरेश गुर्जर, भोकरहेड़ी नगर अध्यक्ष अफजल काजी और पुरकाजी नगर अध्यक्ष इस्तेखार सभासद भी शामिल हुए।

शिक्षकों की समस्याओं पर मुखर होगी भाकियू टिकैत

गौरव टिकैत की मौजूदगी में संगठन का गठन, दानवीर सिंह और जहीर फारूकी ने दिया समस्याओं के समाधान का भरोसा

मुजफ्फरनगर। शिक्षकों की समस्याओं को संगठन के मंच से उठाने और उनके समाधान के लिए आवाज बुलंद करने के उद्देश्य से भारतीय किसान यूनियन ने मुरादाबाद में भी शिक्षक प्रकोष्ठ का गठन किया। रविवार को मंडी समिति के निकट ड्रीमलैंड बैंक्विट हॉल में आयोजित शिक्षक-किसान गोष्ठी में युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष गौरव टिकैत की मौजूदगी में सर्वसम्मति से करतार सिंह गुर्जर को जिलाध्यक्ष और मोहम्मद मुनव्वर को जिला महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई। गोष्ठी की अध्यक्षता शब्बीर हुसैन ने की। भाकियू के प्रदेश उपाध्यक्ष दानवीर सिंह और राष्ट्रीय सचिव एवं शिक्षक प्रकोष्ठ के प्रदेश प्रभारी जहीर फारूकी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। गोष्ठी में शिक्षक समाज से जुड़ी समस्याओं को उठाने, संगठन को मजबूत बनाने और उनके समाधान के लिए सामूहिक प्रयास करने पर जोर दिया गया। मुख्य अतिथि गौरव टिकैत ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि शिक्षकों की समस्याओं को उचित मंच पर उठाकर उनके समाधान का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने शिक्षक प्रकोष्ठ के गठन को संगठनात्मक विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए शिक्षकों से एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। प्रदेश उपाध्यक्ष दानवीर सिंह ने कहा कि शिक्षक समाज की समस्याओं के समाधान के लिए भारतीय किसान यूनियन तत्पर है। संगठन शिक्षकों की समस्याओं को गंभीरता से लेकर उनके समाधान के लिए प्रयास करेगा। राष्ट्रीय सचिव एवं शिक्षक प्रकोष्ठ के प्रदेश प्रभारी जाहिर फारूकी ने शिक्षक समाज से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को गोष्ठी में प्रमुखता से उठाया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि इन समस्याओं को संबंधित अधिकारियों और उचित मंच पर पहुंचाकर समाधान कराने का प्रयास किया जाएगा। गोष्ठी में भाकियू के मुरादाबाद मंडल अध्यक्ष मनोज चौधरी, नौ सिंह, गुरमीत सिंह (चंचू), अभिराज सिंह और मोहन सिंह बेनीवाल मौजूद रहे।

अवैध चाकू लेकर घूम रहे दो युवक गिरफ्तार, पुलिस ने दो चाकू बरामद किए

गौशाला मोहल्ले और लद्धावाला जाने वाली गली से पकड़े गए दोनों आरोपी, दोनों का आपराधिक इतिहास भी आया सामने

मुजफ्फरनगर। शहर कोतवाली पुलिस ने अवैध हथियारों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के कब्जे से एक-एक अवैध चाकू बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जुल्फकार उर्फ जुल्लू निवासी सुभाष नगर और निशांत उर्फ दंगल निवासी मल्हेड़ा के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत अलग-अलग मुकदमे दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपियों का पूर्व का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। अभियान के तहत पुलिस ने की कार्रवाई मुजफ्फरनगर में अपराध और अपराधियों पर नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत शहर कोतवाली पुलिस ने यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन, पुलिस अधीक्षक नगर अमृत जैन के पर्यवेक्षण तथा सहायक पुलिस अधीक्षक एवं नगर क्षेत्राधिकारी सिद्धार्थ मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बृजेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ कार्रवाई कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से दो युवकों को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, पहली कार्रवाई में जुल्फकार उर्फ जुल्लू पुत्र सुबेदीन को गौशाला मोहल्ले से गिरफ्तार किया गया। आरोपी की उम्र करीब 33 वर्ष बताई गई है और वह सुभाष नगर में सल्मो की चक्की के पास का निवासी है। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक अवैध चाकू बरामद हुआ।

इस मामले में शहर कोतवाली पर मुकदमा संख्या 453/2026 धारा 4/25 शस्त्र अधिनियम के तहत दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपी के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई में जुटी है। दूसरी कार्रवाई में पुलिस ने निशांत उर्फ दंगल पुत्र दिनेश को लद्धावाला की ओर जाने वाली गली से गिरफ्तार किया। करीब 28 वर्षीय आरोपी का मूल निवास रामपुरी में सैनी वाले मंदिर के पास बताया गया है, जबकि वर्तमान पता मल्हेड़ा क्षेत्र में मकान संख्या 42 बताया गया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से भी एक अवैध चाकू बरामद किया। इस संबंध में शहर कोतवाली पर मुकदमा संख्या 455/2026 धारा 4/25 शस्त्र अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार जुल्फकार उर्फ जुल्लू के खिलाफ वर्ष 2026 के वर्तमान मामले के अलावा वर्ष 2020 में भी दो मुकदमे दर्ज होने का उल्लेख है। इनमें एक मामला भारतीय दंड संहिता की धारा 414 तथा दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 41/102 से संबंधित है, जबकि दूसरा मामला शस्त्र अधिनियम की धारा 4/25 के तहत दर्ज बताया गया है।

फुगाना पुलिस के हत्थे चढ़ा धोखाधड़ी के मामले में वांछित आरोपी

सहारनपुर और हरिद्वार समेत कई जिलों में दर्ज हैं 10 मुकदमे, पुलिस ने महिंद्रा टीयूवी कार भी की बरामद, फजीर्वाड़े समेत कई गंभीर धाराओं में वांछित था आरोपी

बुढ़ाना। फुगाना थाना पुलिस ने धोखाधड़ी समेत विभिन्न धाराओं में दर्ज मुकदमे में वांछित चल रहे आरोपी अमित चौधरी उर्फ मोहित को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को 10 अक्टूबर की रात दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे के पुल के नीचे से दबोचा। उसके कब्जे से महिंद्रा टीयूवी कार संख्या डीएल 8सीएएन 8082 बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ मुजफ्फरनगर, सहारनपुर और उत्तराखंड के हरिद्वार जिले में भी विभिन्न आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस आरोपी के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई में जुटी है।

कई धाराओं में दर्ज मुकदमे में चल रहा था वांछित

पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के पर्यवेक्षण में जनपद में वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक, क्षेत्राधिकारी फुगाना नरेंद्र सिंह यादव और थाना प्रभारी बबलू सिंह के नेतृत्व में फुगाना पुलिस ने यह कार्रवाई की। थाना फुगाना में दर्ज मुकदमा संख्या 106/2026 में भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4), 316(2), 351(2), 352 और 317(2) के तहत आरोपी अमित चौधरी उर्फ मोहित वांछित चल रहा था। पुलिस ने उसकी तलाश करते हुए 10 अक्टूबर की रात दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे के पुल के नीचे से उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के दौरान आरोपी के कब्जे से एक महिंद्रा टीयूवी कार भी बरामद हुई।

मेरठ का रहने वाला, सहारनपुर में भी है ठिकाना

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी की पहचान अमित चौधरी उर्फ मोहित पुत्र वीरपाल सिंह के रूप में हुई है। वह मूल रूप से ग्राम नगली साधारण, थाना दौराला, जनपद मेरठ का निवासी है। उसका वर्तमान पता इंद्रा कॉलोनी, पेपरमिल रोड, थाना सदर, जनपद सहारनपुर बताया गया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद बरामद वाहन को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, आरोपी का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। उसके खिलाफ वर्ष 2018 से लेकर वर्ष 2026 तक अलग-अलग मामलों में मुकदमे दर्ज हैं। इनमें अपहरण, लूट के प्रयास, अवैध हथियार रखने, गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम, धमकी, जबरन वसूली और धोखाधड़ी जैसी धाराओं से जुड़े मामले शामिल हैं। आरोपी की गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में फुगाना थाने के वरिष्ठ उपनिरीक्षक राजदीप सिंह, उपनिरीक्षक अभिषेक चौधरी, मुख्य आरक्षी अमित कुमार और मुख्य आरक्षी अमन कुमार शामिल रहे। फुगाना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से महिंद्रा टीयूवी कार बरामद की है। पुलिस का कहना है कि मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

खरड़ पंचायत में जातिगत टिप्पणी करने का आरोप, एक व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज

बुजुर्ग की हत्या के बाद पीड़ित परिवार के समर्थन में हुई पंचायत में विवादित बयान देने का आरोप

मुजफ्फरनगर। जिले के फुगाना थाना क्षेत्र के गांव खरड़ में बुजुर्ग की पीट-पीटकर हत्या किए जाने की घटना के बाद आयोजित पंचायत में कथित जातिगत टिप्पणी का मामला सामने आया है। धौलरा निवासी सचिन कश्यप पर एक समाज विशेष को निशाना बनाकर जातिगत टिप्पणी करने और उसके लोगों के फर्जी पुलिस मुठभेड़ की मांग करने का आरोप लगाया गया है। कथित बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद मामला गरमा गया। सुजड़ू निवासी विरेंद्र की तहरीर पर थाना फुगाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पीड़ित परिवार का दुख बांटने के लिए हुई थी पंचायत

शिकायत के अनुसार, गांव खरड़ में एक बुजुर्ग व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या किए जाने की घटना के बाद पीड़ित परिवार को सांत्वना देने और उसका दुख बांटने के उद्देश्य से 16 सितंबर 2026 को शाम करीब पांच बजे पंचायत आयोजित की गई थी। आरोप है कि इसी पंचायत में धौलरा निवासी सचिन कश्यप ने एक समाज विशेष को निशाना बनाते हुए कथित तौर पर जातिगत टिप्पणी की।

शिकायतकर्ता का आरोप है कि पंचायत के दौरान समाज के लोगों के खिलाफ फर्जी पुलिस मुठभेड़ की मांग भी की गई। कथित बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद संबंधित समाज के लोगों में नाराजगी फैल गई। खालापार थाना क्षेत्र के सुजड़ू निवासी विरेंद्र ने 10 अक्टूबर 2026 को थाना फुगाना में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। शिकायतकर्ता का कहना है कि किसी आपराधिक घटना की जांच करना पुलिस और कानून का काम है। जांच पूरी होने से पहले किसी पूरे समाज को निशाना बनाना और उसके लोगों के खिलाफ कथित तौर पर फर्जी मुठभेड़ की मांग करना अनुचित है। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि कथित टिप्पणी से संबंधित समाज के लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं और उनमें रोष व्याप्त है। शिकायतकर्ता ने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो बना विवाद की वजह

शिकायत में कथित टिप्पणी का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने का भी उल्लेख किया गया है। शिकायतकर्ता ने मांग की है कि वीडियो की जांच कर उसमें सामने आए बयान और पूरे घटनाक्रम की वास्तविकता का पता लगाया जाए, ताकि तथ्यों के आधार पर उचित कार्रवाई हो सके। विरेंद्र निवासी खेड़ड़ा पट्टी, सुजडू की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर थाना फुगाना पुलिस ने अभियोग पंजीकृत किया है। मामले में कथित टिप्पणी, सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो और शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल आरोपी के खिलाफ लगाए गए आरोप शिकायत पर आधारित हैं। मामले में कथित बयान की वास्तविकता और अन्य तथ्यों की पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी।

15 मिनट में उजड़ गई ई-रिक्शा चालक की रोजी-रोटी, घर के बाहर से दिनदहाड़े वाहन चोरी

मुस्तफाबाद में खाना खाने गया था दिलबर, लौटकर देखा तो गायब थी एक लाख रुपये की ई-रिक्शा; सीसीटीवी में संदिग्धों के कैद होने का दावा, नई मंडी पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

मुजफ्फरनगर। मेहनत-मजदूरी कर परिवार का पेट पालने वाले एक ई-रिक्शा चालक के लिए महज 15 से 20 मिनट भारी पड़ गए। घर के पास ई-रिक्शा खड़ी कर दिलबर खाना खाने गया था, लेकिन जब वापस लौटा तो उसकी रोजी-रोटी का सहारा गायब था। दिनदहाड़े अज्ञात चोर उसकी करीब एक लाख रुपये कीमत की ई-रिक्शा चोरी कर ले गए। घटना नई मंडी थाना क्षेत्र के ग्राम मुस्तफाबाद की है। पीड़ित का कहना है कि उसने घटना के तुरंत बाद पुलिस को सूचना दी थी और सीसीटीवी कैमरों में संदिग्धों के फोटो भी कैद हुए हैं। इसके बावजूद ई-रिक्शा की बरामदगी की उम्मीद में उसे शिकायत लेकर दोबारा पुलिस के पास पहुंचना पड़ा। अब थाना नई मंडी पुलिस ने उसकी शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

घर के पास खड़ी थी ई-रिक्शा, चंद मिनटों में गायब

ग्राम मुस्तफाबाद निवासी दिलबर पुत्र अशफाक ई-रिक्शा चलाकर अपने परिवार का पालन-पोषण करता है।

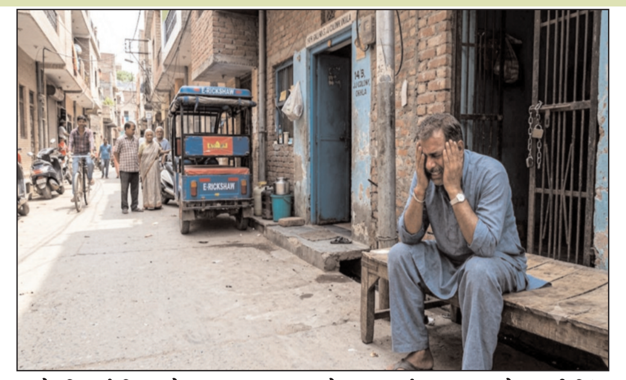

उसके लिए ई-रिक्शा केवल एक वाहन नहीं, बल्कि घर चलाने का प्रमुख साधन है। शिकायत के अनुसार, 23 सितंबर 2026 को दोपहर करीब 1:20 बजे उसने अपनी ई-रिक्शा घर के पास खड़ी की और खाना खाने चला गया। करीब 15 से 20 मिनट बाद जब वह वापस आया तो ई-रिक्शा मौके से गायब मिली। आसपास तलाश करने के बाद भी वाहन का कोई पता नहीं चला। पीड़ित ने आरोप लगाया कि अज्ञात चोर उसकी ई-रिक्शा चोरी कर ले गए। दिन के समय हुई इस वारदात ने उसकी चिंता बढ़ा दी, क्योंकि वाहन के बिना उसकी कमाई का रास्ता बंद हो गया।

एक लाख रुपये का नुकसान, परिवार के सामने आजीविका का संकट

दिलबर ने पुलिस को बताया कि चोरी हुई ई-रिक्शा की कीमत करीब एक लाख रुपये है। वह वाहन चलाकर रोजाना कमाई करता था और उसी से परिवार का खर्च चलाता था। ऐसे में ई-रिक्शा चोरी होने से उसे आर्थिक नुकसान के साथ रोजमर्रा की आजीविका को लेकर भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पीड़ित के अनुसार, चोरी हुई ई-रिक्शा गहरे नीले रंग की है और वर्ष 2023 का मॉडल है। उसका पंजीकरण नंबर यूपी 12 सीटी 0552 है। दिलबर ने पुलिस से वाहन की पहचान कर जल्द बरामदगी कराने की मांग की है। ई-रिक्शा चोरी के मामले में सीसीटीवी कैमरे अहम सुराग साबित हो सकते हैं। पीड़ित ने अपनी शिकायत में दावा किया है कि घटना से जुड़े संदिग्धों के फोटो कैमरों में कैद हुए हैं। उसने पुलिस से फुटेज की जांच कर संदिग्धों की पहचान करने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। अब जांच में सीसीटीवी रिकॉर्डिंग की पड़ताल से यह स्पष्ट करने में मदद मिल सकती है कि वारदात को किस तरह अंजाम दिया गया और चोरी हुई ई-रिक्शा किस दिशा में ले जाई गई। हालांकि, संदिग्धों की पहचान और उनकी संलिप्तता की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

पहले भी दी थी सूचना, अब दर्ज कराया मुकदमा

दिलबर का कहना है कि ई-रिक्शा चोरी होने के तुरंत बाद उसने पुलिस चौकी टीपी नगर को सूचना दी थी। उसने अन्य अधिकारियों को भी मामले से अवगत कराने की बात कही है। बाद में 9 अक्टूबर 2026 को उसने थाना नई मंडी पुलिस को लिखित शिकायत देकर मुकदमा दर्ज करने और वाहन बरामद कराने की मांग की।

शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पीड़ित ने चोरी में शामिल लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। ई-रिक्शा चोरी होने के बाद दिलबर की निगाहें अब पुलिस कार्रवाई पर टिकी हैं। उसके लिए वाहन की बरामदगी का मतलब केवल चोरी हुआ सामान वापस मिलना नहीं, बल्कि परिवार की कमाई का साधन दोबारा हासिल करना भी है। पुलिस जांच में सीसीटीवी फुटेज और वाहन के पंजीकरण संबंधी विवरण महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। अब देखना होगा कि पुलिस चोरी हुई ई-रिक्शा का पता लगाकर उसे पीड़ित तक कब पहुंचाती है।

चूहों की नो इंट्री

विश्व में चूहों की 3000 प्रजातियां पाई जाती हैं तथा भारतवर्ष में इनकी 85 से अधिक प्रजातियां हैं। एक चूहा प्रतिदिन 30 ग्राम अनाज खाता है तथा 3 किलो ग्राम कुतर कर अपने मलमूत्र इत्यादि से खराब का देता है। 6 चूहे एक आदमी की खुराक के बराबर खा जाते हैं। चूहे के नुकीले दांत प्रतिदिन 0.4 मिमी बढ़ते हैं तथा वर्ष में करीब 12-15 सेमी बढ़ते हैं परंतु चूहा इनसे कड़ी वस्तुएं कांट कर इन्हे घिसता रहता है। चूहें, आदमी, पशुओं एवं पक्षियों में लगभग 130 प्रकार की बीमारियां फैलाते हैं। अधिकांश चूहे 3 से 7 दिन तक बिना भोजन एवं पानी के जीवित रह सकते हैं। रेगिस्तानी चूहा एक वर्ष से अधिक समय बिना पानी के रह सकता है। एक चूहे की अधिकतम आयु 3 वर्ष होती है एवं एक जोड़ा प्रति वर्ष 800-1200 बच्चे देता है इनसे प्रतिवर्ष 15000 चूहे उत्पन्न होते हैं। चूहे भण्डारण गृह में 5 से 15 प्रतिशत तथा खड़ी फसलों में 6 से 10 प्रतिशत तक नुकसान करते हैं। देश में प्रति वर्ष 10 लाख टन अनाज का नुकसान करते हैं।

चूहों की भण्डारण एवं खेतों में हानि करने वाली प्रजातियां-

घरेलू चूहा

यह चूहा मुख्यत: मानव घरों एवं गोदामों में रहता है। रात्रिचर, वर्ष में 3–4 बार बच्चे देते हैं।

घरेलू चूहिया

यह चूहिया सम्पूर्ण विश्व में पायी जाती है। यह ठंडे गोदामों में 10 डिग्री सेल्सियस पर भी आसानी से जीवित रह सकती है। रात्रिचर है परंतु घरों में दिन में भी सक्रिय रहती है।

छोटी घूस

यह देश का सबसे हानिकारक चूहा है। यह प्राय: गेहूं, धान, गन्ना इत्यादि एवं खलिहानों, गोदामों, आवासीय क्षेत्रों में खूब नुकसान करता है। सुरंग में अकेला रहता है तथा इसमें अनाज का भण्डारण करता है।

बड़ी घूस

यह भारतवर्ष में पाये जाने वाले चूहों में सबसे बड़ा होता है। यह मानव बस्तियों, गोदामों, वाटिकाओं एवं गंदी जगहों में अधिक पाया जाने वाला रात्रिचर है। इसके शरीर का रंग गहरे भूरे रंग का तथा बाल कांटेनुमा, मंह बड़ा तथा चपटा, कड़ा एवं लम्बा तथा शरीर का वजन 1–1.5 किलोग्राम तक होता है।

चूहों का प्रभावी नियंत्रण

चूहा नियंत्रण के लिए दो प्रकार की विधियां काम में लाई जाती हैं। बिना विष के प्रयोग द्वारा, विष के प्रयोग द्वारा

बिना विष के प्रयोग द्वारा

चूहों के आक्रमण को रोक कर क्षति से बचा जा सकता है इसके लिए निम्न तरीके काम में लावें।

फसलों में

● पिंजरों के प्रयोग से खेतों, भण्डार गृहों एवं आवासीय क्षेत्रों को आसानी से पकड़ा जा सकता है। इन्हें पकड़ने के बाद जीवित चूहों सहित पिंजरे को 2–3 मिनट के लिए पानी में डुबों दें। इससे चूहे मर जायेंगे। जीवित चूहों को किसी दूसरे स्थान पर नहीं छोड़ें।

● खरपतवार नियंत्रण से भी चूहों की संख्या में काफी कमी आती है। जब खेतों में फसलें नहीं होती है तो चूहे खरपतवारों को खाकर ही जीवित रहते हैं। खरपतवार भोजन एवं आश्रय दोनों ही देते हैं।

घरों में गोदामों में

● घरों में गोदामों में या उसके आस–पास चूहों के आश्रय स्थलों को खत्म कर दें।

● गंदगी एवं कूड़े कचरे के ढेर इकट्ठे न करें।

● मकानों एवं गोदामों में दरारों एवं बिलों को सीमेंट में थोड़ा कीटनाशी रसायन तथा कांच के बारीक टुकड़े मिलाकर बंद करें।

● नालियों के मुंह पर जाली लगायें।

● लकड़ी के दरवाजों के नीचे 30 सेमी चौड़ी धातु की पट्टी लगायें जिससे चूहे किवाड़ों को कुजरकर अंदर ना जा सके। जहां तक हो सके दरवाजे खुले न रखें।

● घर में अनाज एवं खुले का सामान खुला न रखें तथा उसको जमा कर रखें। गैर जरुरी सामान रिहायसी मकान से दूर रखें।

● गोदाम भण्डारगृह एवं मुर्गीघर चूहा निरोधक बनावें। यह आसान है व अतिरिक्त खर्च भी नहीं होता।

● गोदामों इत्यादि को सप्ताह में एक बार निरीक्षण कर सफाई आदि करते रहें। गोदाम या भण्डारगृह पर लटकती पेड़ों की टहनियां काट दें।

● गोदामों के अंदर बोरियों को दीवारों से दूर एवं लकड़ी की पट्टियों या ईटों के ऊपर रखें।

विष प्रयोग द्वारा चूहा नियंत्रण

आजकल देश में दो प्रकार के चूहानाशी रसायन काम में लिये जाते हैं।

तेज असर वाले विष

जिंक फास्फाइड, एल्यूमिनियम फास्फाइड, बेरियम कार्बोनेट इत्यादि।

धीमे असर वाले विष

आतंकरोधी जेसे वारफेरिन, ब्रोमॅडियालन। इसमें जिंक फास्फाइड सबसे अधिक प्रचलित है। यह विष मनुष्य एवं पशु पक्षियों के लिए कम घातक है एवं इतनी बहुत कम मात्रा की जरुरत पड़ती है। आजकल ब्रोमॅडियालन तैयार चुग्गे तथा मोमयुक्त टिकिया के रुप में बाजार में उपलब्ध हैं इसको सीधे काम में लाया जा सकता है। एल्यूमिनियम फॉस्फाइड नामक विष गोलियों के रुप में आता है। इसकी जहरीली गैस चूहों के लिये विष का कार्य करती हैं। इसके प्रयोग में बहुत सावधानी रखनी पड़ती है। यह मानव व अन्य पशु–पक्षियों के लिए अत्यंत घातक है। इसका प्रयोग प्रशिक्षित व्यक्तियों की निगरानी में ही करें।

चूहा नियंत्रण अभियान

चूहा नियंत्रण कार्यक्रम एक अभियान के रुप में लें चाहे घरों में या खेतों में। एक सीमित क्षेत्र में लागू किया गया तो शीघ्र ही आसपास के क्षेत्रों से चूहे नियंत्रित क्षेत्र में आ जाते हैं तथा नियंत्रण कार्यक्रम असफल हो जाता है।

प्रलोभन चुग्गा तैयार करना

जिंक फास्फाइड चूहे सीधे एकदम नहीं खाते हैं। उन्हें इसके लिये प्रलोभन चुग्गा देना पड़ता है। जिस क्षेत्र में आप चूहा नियंत्रण कार्यक्रम ले रहे हैं वहां उपलब्ध अनाज जैसे– मक्का, ज्वार, बाजरा, गेहूं आदि एक किलोग्राम अनाज एक बर्तन में लें। उसमें 2 प्रतिशत खाने का तेल अच्छी तरह मिलायें। तथा इस अनाज को घर गोदामों या खेत में चूहों के बिलों के पास मिट्टी के बर्तन के टुकड़ों या कागज पर रखें। चूहे इस चुग्गे को खा जाते हैं क्योंकि इसमें मिला तेल उन्हें आकर्षित करता है। इस प्रकार चुग्गों को दो दिन लगातार दें। तीसरे दिन विषयुक्त चुग्गा उसी स्थान पर रखें।

विषयुक्त चुग्गा तैयार करना

एक बर्तन में एक किलोग्राम आटा, 20 ग्राम खाने का तेल मिलायें। इसके उपरांत इसमें 20 ग्राम जिंक फॉस्फाइड मिलायें। बर्तन को हिलाकर या लकड़ी इत्यादि की मदद से विष मिलायें इसमें हाथ नहीं लगायें। तीसरे दिन चूहों के बिल या घर में चूहों के आने के स्थान पर 6 से 10 ग्राम चुग्गा रखें। सुबह चूहे मरे हुए मिलेंगे। सुबह बचा हुआ विषयुक्त चुग्गा तथा मरे हुए चूहों को एकत्र कर गहरा गड्ढा खोदकर गाड़ दें। जिससे इन्हें कुत्ते, बिल्ली आदि नहीं खा सकें।

चूहानाशी विष प्रयोग के समय सावधानियां एवं उपचार

चूहानाशी विष मनुष्यों, पशु एवं पक्षियों के लिए अतिघातक है। अतः इसके प्रयोग के समय विशेष ध्यान रखना आवश्यक है।

● इस विष को घर पर सुरक्षित स्थान या ताले में रखे जहां बच्चों व अन्य लोग की पहुंच न हो।

● डिब्बे से जहर निकालते समय ध्यान रखें कि उस पावडर के कण आपके ऊपर, मुंह, आंख इत्यादि में न जायें।

● खाली डिब्बों को तोड़कर जमीन में गाड़ दें। उन्हें किसी भी काम के लिए इस्तेमाल न करें। बनाने में चम्मच, लकड़ी इत्यादि काम में लेवें। तथा प्रयोग में आई सभी चीजों को नष्ट कर दें।

● इस बात का ध्यान रखें कि चुग्गा पशु, पक्षियों मुर्गियों एवं अन्य जानवर न खा पायें।

● विष चुग्गा डालने वाले व्यक्ति के हाथ–पैरों में किसी प्रकार का घाव नहीं होना चाहिए। चुग्गा डालने के उपरांत हाथ–पैरों को साबुन से साफ कर स्नान करें।

● खेतों या घरों में धमन करते समय सभी बिल गीली मिट्टी से बंद करें जिससे विषैली गैस बाहर न निकले।

● इन विषैले पदार्थों से कार्य करते समय तम्बाकू, बीड़ी, सिगरेट तथा खाने–पीने की वस्तुओं का कभी उपयोग नहीं करना चाहिए।

● नियंत्रण के बाद मरे चूहों को एकत्रित करके गहरा जमीन मे गाड़ दें। ध्यान रखें, इन्हें कुत्ता, बिल्ली एवं चिड़िया नहीं खायें।

अण्डों की देखभाल

भारत एक उष्ण जलवायु वाला देश है। यहां के ज्यादातर राज्य जैसे मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ तथा अन्य में अप्रैल से जून के मध्य तक भीषण गर्मी पड़ती हैं। इस गर्मी का असर गर्मियों के अण्डों पर भी पड़ता है जिससे कई खराब हो जाते हैं। इससे अण्डा उत्पादक किसान भाईयों को आर्थिक हानि होती है। अगर किसान भाई निम्नलिखित जानकारी ध्यान में रखें तो काफी हद तक नुकसान से बच सकते हैं। अण्डों में निम्नलिखित समस्याएं आती हैं जिनके कारण तथा उन्हे दूर करने के उपाय यहां प्रस्तुत हैं।

अण्डों में स्थित हवा की जगह बड़ी होना

अण्डों में कवच के भीतर चौड़ी जगह हवा की होती हैं वह कभी-कभी बड़ी हो जाती है।

कारण: अण्डों का भण्डारण ज्यादा समय के लिए करने से तापक्रम ज्यादा होने अण्डों के भीतर नमीं कम होने से या अण्डों का छिलका पतला होने से भी अण्डों के भीतर की हवा की जगह बड़ी हो जाती है और अंडे हल्के हो जाते हैं। उपाय: अण्डों को जल्द से जल्द बाजार भेजकर बेच दे। अण्डों के भण्डारण गृह का तापक्रम 50 से 60 डिग्री फेरनहीट तथा नमी 70 से 80 प्रतिशत होनी चाहिए।

अण्डों का छिलका पतला या लचीला रहना

कभी-कभी किसी मुर्गी के अण्डें का छिलका सामान्यतः कड़ा या कठोर न होते हुए नर्म लचीला या पतला रह जाता हैं।

कारण: मुर्गी के आहार में खनिज लवण विशेषकर कैल्शियम तथा जीवन तत्वों की कमी होना। इसके अलावा लंबे समय तक लगातार अण्डें देते रहने से मुर्गी के शरीर में कवच निर्माण आवश्यक खनिज लवण कैल्शियम पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध न होने के कारण तथा श्वसन संख्या के रोग से ग्रसित होना। उपाय: मुर्गी के आहार में कैल्शियम चीजें जैसे सीप का चूर्ण, चूना, कॅल्साईट आदि प्रचुर मात्रा में समाविष्ट करें। इसके अलावा मॅगनीज तथा अन्य खनिज लवण भी समाविष्ट करें। बाड़े की गर्मी कम करने हेतु उपाय करें।

अण्डों की सफेदी पतली होना

कभी-कभी अण्डों के अंदर स्थित सफेद द्रव (अल्बुमीन) पतला/पनीला हो जाता हैं।

कारण: वातावरण का तापक्रम बढ़ने पर ऐसा होता है। उपाय: अण्डों का 50 से 60 डिग्री फेरनहीट इतने तापमान वाली जगह भण्डारण करें।

अण्डों में खून की कड़ी दिखना

कभी–कभी अण्डे फोड़ने के बाद अंदरूनी हिस्से में खून की कड़ी दिखाई देती हैं।

कारण : अगर अण्डों के भीतर जीव/चूजा तैयार होने लगा तो ऐसी खून की कड़ी भीतर दिखाई देती है।

उपाय : ऐसी समस्या से निजात पाने के लिए मुर्गियों के झुंड से नर (मुर्गा) को हटा दें अन्यथा : उससे मादा (मुर्गी) का मिलन हुआ और बाद में मुर्गी के प्रजनन अंग में अण्डा तैयार हुआ तो वह फलित/निषेचित (फर्टीलाइज्ड़) होगा और जब अण्डे के भीतर जीव विकसित होने लगा तो अंदरूनी द्रव में खून की कड़ी दिखाई देगी।

अण्डों के अंदर खून के धब्बे दिखाई देना तथा मांस के छोटे टुकड़े चिपके दिखाई देना :

कारण : जब मुर्गी के प्रजनन अंग में अण्डा तैयार होता हैं तब खून की नलिकाएं फूटना जिससे अण्डों के भीतरी द्रव में खून के धब्बे दिखाई देते हैं। अण्डों के भीतर मांस के छोटे टुकड़े चिपके हुए दिखाई देने का कारण है : अण्डा निर्माण अनियमित होना तथा वंश परंपरा से कुछ मुर्गियों में आनुवांशिक दोष होना।

उपाय : मुर्गियों को उत्तेजित न होने दें। वे डरना नही चाहिए ऐसी सावधानियां बरते जैसे शांत वातावरण बनाये रखें। मुर्गीघर में हौले–हौले प्रवेश करें। धीरे–धीरे काम करें। वहां परदेसी तथा बाहरी व्यक्तियों को आने न दें। मुर्गियों को सहेजकर रखें और उन्हे जख्म न होने दें उनको नियमित रूप से लगातार दाना देते रहें। अगर किसी मुर्गी में दोष हैं तो उसे बदल दें। अण्डों की भीतरी पीली जर्दी ज्यादा गहरे पीले रंग की होना

कारण : मुर्गियों को ज्यादा मात्रा में हरा चारा खिलाना तथा अण्डों को अत्यधिक गर्म वातावरण में रखना। उपाय : जो चारा/दाना खिलाने से अण्डों की भीतरी जर्दी गहरी पीली हो रही है उस दाने को खिलाना बंद करें।

अण्डों का भण्डारण 50 से 60 डिग्री फैरनहीट तापमान वाली ठंडी जगह करें। अण्डे जल्द से जल्द बेच दें।

पशुओं में घातक स्थितियां एवं उपचार

संकर ज्वार : चरी का जहर

ज्वार एवं संकर ज्वार आदि के पौधों में हायड्रोसायनिक अम्ल होता है, जो जहरीला होता है, नए पौधे एवं 2 से 3 फीट ऊंचाई के पौधे में जहर की मात्रा अधिक होती है एवं इसको खा लेने से कुछ ही घंटों में मृत्यु हो जाती है। संकर ज्वार के नये पौधे या पहली कटाई के बाद के पौधे खाने के बाद पशुओं में जहर के ये लक्षण दिखाई देते हैं जैसे मुंह से झाग आना, शरीर का तापमान बढ़ जाना, कंपकपी आना और खड़े होने के प्रयास में 10–15 मिनट के अंतराल पर मिर्गी जैसे दौरे पड़ना। बार–बार गिरने से शरीर चोटिल हो जाता है एवं घावों से खून निकलने लगता है।

उपचार

प्रभावित पशु को हायपो, सोडियम थायोसल्फेट की 50 से 100 ग्राम की मात्रा गुड़ के साथ दें एवं 100 ग्राम गुड़ में 1 चम्मच साधारण नमक मिलाकर 2–2 घंटे से देते रहें। इमली का पानी, नींबू का पानी, सिरका, छाछ व अण्डे की सफेदी भी प्रभावित पशु को थोड़े–थोड़े अंतराल से दी जा सकती है। यदि पशु 1 घंटे से अधिक तक जीवित रह जावे तो 99 प्रतिशत विष का प्रभाव समाप्त हो जाता है, और पशु ठीक हो जाता है।

सावधानी

पशुओं को ज्वार एवं संकर ज्वार आदि फूल आने के बाद ही खिलाना चाहिए। फूल आने के बाद हायड्रोसायनिक अम्ल नष्ट हो जाता है एवं चरी में जहर नहीं रहता।

यूरिया की ज्यादा मात्रा खाने की स्थिति

अक्सर पशु पालकों की असावधानी से खुला असुरक्षित रखा यूरिया पशु खा जाते हैं जो जहरीला होता है। यदि पशु सोयाबीन के साथ यूरिया खा लेते हैं तो विष का प्रभाव और अधिक बढ़ जाता है।

लक्षण

प्रभावित पशु में पेट फूल जाना, पेट में दर्द होना, मुंह से लार एवं झाग आना, सांस लेने में कठिनाई (हांपना), पसीना आना, पैरों में झटके जैसे लक्षण प्रकट होते हैं, श्वास में अमोनिया की गंध आती है।

उपचार

डाक्टर के आने तक 1 लीटर सिरका 1 लीटर पानी में मिलाकर पिलायें। 100 ग्राम शक्कर या गुड़ 1 लीटर पानी में घोलकर पिलायें। एक घंटे में पुन: पिलायें। 250 ग्राम इमली को 1 लीटर पानी में घोलकर छानकर इस घोल को देते रहें।

सांप काटने की स्थिति

ज्यादातर सर्प विषैले नहीं होते हैं, कुछ प्रजातियां जैसे कोबरा, करैत या वायपर ही विषैली होती है, जिनके काटने पर पशु की मृत्यु हो जाती है। सर्प के काटने से पशुओं को बहुत घबराहट व दर्द होता है। दूसरे लक्षण जैसे मुंह से लार व झाग आना, पैरों में कमजोरी एवं निर्जीवता, मांस पेशियों में शिथिलन, श्वांस गति धीमी होना, आंखों की पुतलियों को संकुचित होना आदि भी दिखाई देते हैं।

उपचार-

सांप के काटे हुए स्थान पर सूजन व दो दांतों के निशान दिखाई देते हैं। तात्कालीन उपचार में काटे हुए स्थान से कुछ ऊपर रस्सी से बांध दें, उसके बाद साफ चाकू से काटे हुए स्थान पर करीब 1 सेंमी लम्बा व इतना ही गहरा चीरा लगाकर उस स्थान पर गरम पानी डाल कर अधिक खून बहने दें। इसके बाद चीरा लगाए गए स्थानों में पोटेशियम परमेंगनेट (लाल रंग की दवा) का पाउडर भर दें।

आग से जलने की स्थिति

कई बार दुर्भाग्यवश पशु आवास या खेत खलिहान में आग लग जाने पर पशु भी आग की लपेट में आकर झुलस जाते हैं ऐसी स्थिति में अधिक जले स्थान पर फफोले पड़ जाते हैं। इस स्थिति में छाले, फफोले पड़ने से पहले की पर्याप्त मात्रा में ठंडा पानी लगातार 15–20 मिनट तक डालें। फफोले फूट जाने या झुलसे हुए स्थान पर मीठे तेल में चूने का निथरा हुआ पानी व कपूर मिलाकर अच्छी तरह फेंट ले व लेप की स्थिति में आने पर इस मिश्रण को प्रभावित स्थान पर दिन में 3–4 बार लगावें। मेंहदी के पत्तों की राख ऊपर से छिड़क दें। प्याज का रस लगाना भी लाभदायक है। मीठा तेल, डेटाल व कपूर को भली–भांति मिश्रित कर लगाना भी प्रभावी होता है।

जहरीला कीड़ा खा जाने पर

हरी घासों पर एक प्रकार का जहरीला कीड़ा होता है, जिसे पशु चारे के साथ खा जाता है जिससे पशु के शरीर में अकड़न आ जाती है एवं उसका हिलना–डुलना भी मुश्किल होता है। ऐसी स्थिति में पशु चुपचाप पड़ा रहता है। खाना पीना छोड़ देता है व कभी–कभी उसका पेट भी फूल जाता है। इस स्थिति में निम्न उपचार करें।

● 20 ग्राम पिसी काली मिर्च, 200 ग्राम घी में मिलाकर गर्म कर पशुओं को दें।

● 500 ग्राम जुलाबी नमक पानी में घोलकर पिलावें। पेट फूला हो तो इसमें 30 मिली तारपीन का तेल व आधा लीटर मीठे तेल के साथ पिलावें।

● 1 किलो प्याज खिलाकर थोड़ी देर के लिए मुंह बांध दें।

● 100 ग्राम सज्जी पानी में घोलकर पिलावें।

साइबर ठगी के बैंक खाते मुहैया कराने वाले तीन शातिर गिरफ्तार

नोएडा। थाना बिसरख पुलिस ने साइबर ठगी करने वाले एक सक्रिय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से साइबर ठगी के बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ है।

थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक रंजीत कुमार सिंह ने बताया कि 10 अक्टूबर 2026 को स्थानीय सूचना तंत्र और इलेक्ट्रॉनिक निगरानी की सहायता से यह कार्रवाई की गई। पुलिस ने गौर सिटी-2 स्थित भविष्य इंडिया टावर के पास से तीनों आरोपितों को दबोचा। पुलिस ने उनके कब्जे से विभिन्न बैंकों की 29 पासबुक, 23 चेकबुक, दो डेबिट कार्ड, 14 आधार कार्ड, आठ पैन कार्ड, आठ सिम कवर और तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

ठगी का तरीका और कमीशन: पुलिस के अनुसार, आरोपित अपने और अन्य लोगों के आधार कार्ड तथा पैन कार्ड में धोखाधड़ी करके पते बदलवाते थे या अधूरे पते दर्ज कराकर बैंक खाते खुलवाते थे। इसके बाद इन खातों को साइबर ठगी करने वाले अपराधियों को उपलब्ध कराया जाता था। बदले में आरोपितों को 20 प्रतिशत कमीशन मिलता था। गिरोह के सदस्य पहचान संबंधी दस्तावेजों में हेराफेरी कर बैंक खाते खुलवाने का काम करते थे।

देशभर में फैला जाल: पुलिस का कहना है कि इन बैंक खातों का इस्तेमाल देश के विभिन्न राज्यों में लोगों के साथ निवेश के नाम पर ठगी, ब्लैकमेलिंग और सामाजिक माध्यमों पर विज्ञापन से संबंधित धोखाधड़ी करने के लिए किया जाता था। इस तरह की साइबर ठगी से संबंधित दर्जनों शिकायतें अलग-अलग राज्यों में राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज होने की जानकारी दी गई है।

आरोपियों की पहचान और मुकदमे की जानकारी: गिरफ्तार आरोपितों की पहचान प्रेम (21) पुत्र भोला शंकर, कुनाल (19) पुत्र सुशील कुमार और आतिश (20) पुत्र अशोक अग्रवाल के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, तीनों हाथरस जिले के सासनी क्षेत्र के निवासी हैं। पुलिस ने इस मामले में थाना बिसरख में मुकदमा दर्ज किया है। आरोपितों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 318(4), 319(2), 238(सी), 61(2) तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धाराओं 66(सी) और 66(डी) के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है। फिलहाल, तीनों आरोपित पुलिस की कार्रवाई के दायरे में हैं।

महर्षी नगर में दुर्गा पूजा एवं रामलीला मंचन शुरू

नोएडा। महर्षि नगर नोएडा महर्षि वेद विज्ञान विद्यापीठ मीडिया प्रभारी ए के लाल ने बताया महर्षि नगर शारदीय नवरात्रि के दौरान रोजाना सुबह दुर्गा पूजन एवं साय को भजन वेद पर प्रवचन तथा आरती की जायेगी ।वहीं रात में 8:00 बजे श्री रामलीला का मंचन किया जायेगा । यह कार्यक्रम 11 अक्टूबर से शुरू है जो 21 अक्टूबर तक चलेगा सुबह से देर रात तक चलाने वाले धार्मिक कार्यक्रम से लगता कि समूचा महर्षि नगर भक्ति तथा अध्यात्मक की गूंज से सरोबोर हो गया है । महर्षि नगर में मां दुर्गा दुर्गा, गणेश जी ,लक्ष्मी जी , सरस्वती जी, कार्तिकेय एवं राम एवं लक्ष्मण की मूर्ति स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा महर्षि संस्थान के अध्यक्ष अजय प्रकाश श्रीवास्तव की उपस्थिति में वैदिक विद्वानों द्वारा की गई महर्षि दुर्गा पूजा आर विजयादशमी के सयोजक रामेन्द्र सचान ने बताया है कि यहां प्रतिदिन प्रातः 9:00 बजे से दुर्गा पूजन पाठ एवं साय 7:00 बजे से भजन वेद पाठ करके प्रवचन होने तथा आरती होगी। इसके बाद महर्षि श्री रामलीला रात्रि को 8:00 बजे से रामलीला का मंचन होगा और 21 अक्टूबर को भारत भरत मिलाप तथा राज्य तिलक का मंचन किया जाएगा । 20अक्टूबर को विजयादशमी महोत्सव रावण का दहन किया जाएगा । शारदीय नवरात्रि के अवसर पर यज्ञा अनुष्ठान संकल्पों से इच्छित कार्यो की प्राप्ति होती है । महर्षि योगी के निर्देशन में विष चेतना में देवी शांति की जागरण करने के उपेसय से विनायक पीठो के ज्योति लिंगो की शक्ति पीठो की स्थापना की जा रही है । यहां नियमित वेद पाठ यगाअनुष्ठान आदि हो रहे है । आज महर्षि नगर दुर्गा पूजा में मुख्य अतिथि अजय प्रकाश महर्षि संस्थान केअध्यक्ष. ।इस अवसर पर विनोद श्रीवास्तव, विनीत श्रीवास्तव, शिशिर श्रीवास्तव, विनोद दीक्षित, एस पी गर्ग, मनोज श्रीवास्तव, एल एस सोम,लल्लन पाठक,दयाशंकर गुप्ता, श्रीकांत ओझा, शीशपाल सिंह यादव, कमलेश यादव, रजनीश यादव, नरेश श्रीवास्तव, राजेंद्र शुक्ला, नरेंदर सिंह आदि मौजूद रहे।

राज्यसभा सांसद ने पूजा अर्चना के साथ किया प्रथम दिन की रामलीला का शुभारंभ

नोएडा। श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी सेक्टर 46 नोएडा द्वारा 10 वर्षो से शुरू की गई रामलीला के प्रथम दिन यानी रविवार को रामलीला ग्राउंड पहुंचकर मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद सुरेंद्र नागर एवं विशिष्ट अतिथि भाजपा के नोएडा के पूर्व अध्यक्ष मनोज गुप्ता द्वारा रामलीला का दीप प्रजलान के साथ शुभारंभ किया।

इस अवसर पर आए हुए अतिथियों का रामलीला आयोजन समिति के अध्यक्ष विपिन अग्रवाल और महासचिव गिर्राज अग्रवाल और उनकी टीम ने स्वागत किया।

इस अवसर पर सुरेंद्र नागर ने रामलीला देखने आए लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि राम की लीला देखने में जितना आनंद आता है, उतना आनंद किसी और कार्य में नहीं आता ।

उन्होंने कहा कि रामलीला को प्रत्येक व्यक्ति परिवार के साथ बैठकर देखना चाहिए।

उन्होंने कहा कि रामलीला में सत्य और असत्य की लीला का मंचन होता है जिसमें हमेशा सत्य की ही जीत होती है।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि भाजपा के पूर्व नोएडाअध्यक्ष मनोज गुप्ता ने कहा कि रामलीला से प्रत्येक व्यक्ति को बेहतर कार्य करने की सीख लेनी चाहिए।

इस अवसर पर रामलीला का शुभारंभ करते हुए कृष्णा स्वामी ने गणेश पूजन के बाद

दशरथ सम्बरासुर युद्ध, कैकई द्वारा राजा दशरथ के प्राणों की रक्षा, दशरथ द्वारा कैकई को दो वर देने का वचन, के अलावा दशरथ दरबार पुत्रेष्ठी यज्ञ व राम जन्मोत्सव लीला का बेहतर मंचन किया गया।

इस अवसर पर आए हुए अतिथि और रामलीला मंचन देखने आए भक्तों का रामलीला समिति के अध्यक्ष विपिन अग्रवाल ने आभार प्रकट किया। इस अवसर पर आयोजन समिति के

चेयरमैन मनोज अग्रवाल ,सीएम डी,प्रिया गोल्ड,वाइस चेयरमैन राजेंद्र जैन, पूनम सिंह, अध्यक्ष विपिन अग्रवाल, महासचिव गिर्राज अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मनोज अग्रवाल, पं कृष्णा स्वामी, संजय गोयल, आलोक गुप्ता, गौरव कुमार यादव, रामवीर यादव, अशोक गोयल, विकास बंसल ,संदीप अग्रवाल, सुशील कुमार सिंघल, मुकेश शर्मा, पीयूष गोयल, कार्तिक मिश्रा आदि मौजूद थे वही रामलीला में सहयोग देने वाले सुशील गुप्ता, अभिषेक जैन, सुनील जैन, डॉ कपिल सिंघल, विकास गुप्ता, प्रदीप गुप्ता, गौरव छावड़ा, कुलदीप गुप्ता, अखिल जैन, अरुण गोयल, राजेश गुप्ता, मुकेश कुमार, प्रमोद गुप्ता, राम अवतार सिंह, विजय अग्रवाल, दीपक सिंघल, बिमलेन्दु कुमार, सौरभ अग्रवाल, सौरभ कुमार, पीयूष द्विवेदी, नवीन सोनी, सचिन सिंघल, राजकुमार गोयल, गौरव मित्तल, कैलाश गर्ग, दीपांशु अग्रवाल, श्रीधर गोयनका, अमित प्रकाश आदि मौजूद थे।

जेवर में इमरान हत्याकांड के दो आरोपी गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। जेवर थाना क्षेत्र के जहांगीरपुर इलाके में हुई इमरान की गोली मारकर हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। इस सनसनीखेज वारदात को अंजाम देने वाले दो वांछित आरोपियों को पुलिस ने दबोच लिया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान जहांगीरपुर के मोहल्ला व्यापारियान के रहने वाले जान मोहम्मद उर्फ जानू और चांचली गांव के रहने वाले इदरीश के रूप में की गई है। पुलिस इस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और वारदात में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश लगातार जारी है।

जानकारी के अनुसार, घटना को लेकर 8 अक्टूबर 2026 को मृतक इमरान के भाई ने थाने में लिखित तहरीर दी थी। दी गई तहरीर में यह आरोप लगाया गया था कि जान मोहम्मद, इदरीश और उनके अन्य साथियों ने पुरानी रंजिश के चलते उनके भाई इमरान को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। इस शिकायत के आधार पर पुलिस ने त्वरित एक्शन लेते हुए थाना जेवर में छह धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस के मुताबिक, 11 अक्टूबर को स्थानीय सूचना तंत्र और बीट पुलिसिंग की खास मदद से दोनों वांछित आरोपियों को धर दबोचा गया। इन दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी चांचली नहर पुलिया के पास से की गई है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, पकड़े गए आरोपियों में जान मोहम्मद उर्फ जानू पुत्र यूनुस शामिल है जो मोहल्ला व्यापारियान, कस्बा जहांगीरपुर का रहने वाला है। वहीं दूसरा आरोपी इदरीश पुत्र सब्बीर है, जो ग्राम चांचली का रहने वाला है।

वर्ष 2021 की हत्या से जुड़ी है पुरानी रंजिश: जेवर थाना प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार सिंह के अनुसार, पकड़े गए आरोपियों से शुरुआती पूछताछ की गई है। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वर्ष 2021 में उनके ताऊ की हत्या हुई थी। इस हत्या के मामले में इमरान भी शामिल था। इसी पुरानी रंजिश को इमरान की हत्या की मुख्य वजह बताया जा रहा है। थाना जेवर पुलिस का कहना है कि इस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई तेजी से जारी है और बाकी बचे अन्य वांछित आरोपियों की तलाश भी की जा रही है।

चिरोड़ी में गुर्जर महासभा ने लिया एक दिन समाज के नाम नारे का संकल्प

गाजियाबाद। गाजियाबाद के चिरोड़ी क्षेत्र में कपिल चौधरी द्वारा अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के पदाधिकारियों के अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज की एकता, शिक्षा, व्यापार और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। समारोह की अध्यक्षता ओमप्रकाश प्रधान ने की, जबकि मंच का संचालन गजराज कसाना ने किया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिश्चंद्र भाटी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह में राष्ट्रीय महासचिव राजपाल कसाना, रामकेश चपराना, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सविंदर भाटी, केपी सिंह कसाना, जयप्रकाश विकल, जगबीर दौला, बाबू सिंह आर्य, मनीष कसाना, गौतमबुद्ध नगर के जिलाध्यक्ष अशोक भाटी, बबली कसाना, अरुण भाटी और ओमप्रकाश नगर सहित महासभा के अनेक पदाधिकारियों ने शिरकत की। इस दौरान उपस्थित लोगों ने समाज के विकास, संगठन की मजबूती और

आपसी भाईचारे को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

समारोह में वक्ताओं ने कहा कि समाज की प्रगति के लिए शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देना जरूरी है। युवाओं को बेहतर शिक्षा के साथ-साथ व्यापार और रोजगार के क्षेत्र में भी आगे बढ़ने के अवसर मिलने चाहिए। वक्ताओं ने समाज के लोगों से आपसी मतभेद भुलाकर एकजुट होने और आने वाली पीढ़ी के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया।

वक्ताओं ने यह भी कहा कि समाज के विकास से जुड़े मुद्दों पर सरकारों को गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। समाज की अपेक्षाओं और जरूरतों को उचित मंच पर उठाकर शिक्षा, रोजगार और सामाजिक उत्थान के लिए प्रभावी प्रयास किए जाने चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान दिल्ली में रहकर यूपीएससी सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे समाज के छात्र-छात्राओं के लिए हॉस्टल की व्यवस्था कराने की मांग प्रमुखता से उठाई गई। वक्ताओं ने कहा कि आर्थिक या आवास संबंधी परेशानियों के कारण किसी भी प्रतिभाशाली विद्यार्थी की पढ़ाई प्रभावित नहीं होनी चाहिए। यदि विद्यार्थियों को दिल्ली में बेहतर आवासीय सुविधाएं और अनुकूल शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जाए, तो वे प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर समाज और देश का नाम रोशन कर सकते हैं।

समारोह में आगामी 27 अक्टूबर को दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती के अवसर पर आयोजित होने वाली गुर्जर स्वाभिमान रैली को सफल बनाने पर भी चर्चा हुई। उपस्थित लोगों से अपील की गई कि वे अधिक से अधिक संख्या में रैली में पहुंचकर समाज की एकता और सामूहिक शक्ति का परिचय दें।

इस दौरान उपस्थित समाज के लोगों ने 'एक दिन समाज के नाम' का नारा देते हुए संकल्प लिया कि चिरोड़ी और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग दिल्ली पहुंचकर आयोजन में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करेंगे। वक्ताओं ने कहा कि समाज की एकजुटता ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है और सामूहिक प्रयासों से ही सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक विकास के लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

अभिनंदन समारोह में सुभाष प्रधान, तेजपाल बाबूजी, नरेंद्र प्रधान, सुखबीर आर्य, राजवीर प्रधान, ओमी प्रधान, मेनपाल प्रधान, मनुपाल बंसल, सेलाक प्रधान, महेश प्रधान, धर्मवीर बंसल, विक्रम मास्टर, विजयपाल कसाना और निरंजन कसाना सहित कसाना एवं बैसलात समाज के बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

श्री सनातन धर्म रामलीला समिति, नोएडा की रामलीला का भव्य शुभारंभ

नोएडा। श्री सनातन धर्म रामलीला समिति, नोएडा द्वारा आयोजित रामलीला का शुभारंभ भव्य एवं भक्तिमय वातावरण में हुआ। प्रथम दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना एवं माता गौरा की स्तुति के साथ हुआ। भक्तिमय प्रस्तुति ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया तथा संपूर्ण वातावरण धर्ममय हो गया। इस शुभारंभ अवसर पर माननीय सांसद डॉ. महेश शर्मा जी, माननीय विधायक श्री पंकज सिंह जी, कैप्टन विकास गुप्ता जी, श्रीमती विमला बाथम जी, श्री वाई.पी. सिंह जी, श्री गिरीश बत्रा जी एवं श्री मधुसूदन दादू जी सहित अनेक गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में गणेश वंदना एवं माता गौरा की स्तुति के माध्यम से भगवान गणेश और माता पार्वती का स्मरण कर रामलीला के सफल आयोजन की मंगलकामना की गई। कलाकारों ने अपनी भावपूर्ण प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने धार्मिक आस्था एवं उत्साह के साथ कार्यक्रम में सहभागिता की।

समिति के कार्यक्रम संयोजक श्री मधुसूदन दादू जी, कार्यक्रम अध्यक्ष श्री मुकेश शर्मा जी तथा स्वागत अध्यक्ष श्री पीयूष द्विवेदी जी सहित समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने रामलीला के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी सदस्यों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर नोएडा महानगर अध्यक्ष श्री महेश चौहान जी, श्री टी.एन. गोविल जी, श्री टी.एन. चौरसिया जी, श्री सुशील भारद्वाज जी, श्री संजय वाली जी, श्री अल्पेश गर्ग जी, श्री अतुल मित्तल जी, श्री पंकज जिंदल जी, श्री रमेश कुमार जी, श्री विपिन बंसल जी, श्री एस.के.एस. राणा जी, श्री विनय शर्मा जी, श्री अनुज गुप्ता जी, श्री सतना नारायण गोयल जी, श्री मित्रा शर्मा जी, श्री राजीव अजमानी जी, श्री संजय गोयल जी, श्री रामरतन जी, श्री केशव गंगल जी, श्री पवन सिंह जी, श्री महेंद्र कटारिया जी, श्री मुकेश गर्ग जी, श्री राजीव गर्ग जी, श्री चित्तरंजन जी, श्री मनीष अग्रवाल जी, श्री विकास जैन, श्री प्रमोद रंगा जी, श्री चंद्रपाल सिंह जी, श्री अखिलेश भदौरिया जी, श्री जितेंद्र सिंह जी एवं श्री प्रमोद शर्मा जी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य अतिथि एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

अभियान चलाकर तीन दिन में 47 अवैध बसें सीज

नोएडा। शासन के निर्देश पर परिवहन विभाग द्वारा अवैध और नियम-विरुद्ध संचालित होने वाली बसों के खिलाफ विशेष प्रवर्तन अभियान 'ऑपरेशन कवच ' चलाया जा रहा है। बीते तीन दिनों में अब तक 47 अवैध बसों को सीज किया जा चुका है। इस अभियान के लिए जिले में प्रवर्तन दलों को मैदान में उतारा गया है। अब तक कुल 47 बसें सीज की जा चुकी हैं तथा 76 बसों का चालान किया गया है। परिवहन विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि सीज की गई इन सभी बसों को केवल चालान या जुर्माना भरने मात्र से नहीं छोड़ा जाएगा।

यात्रियों की सुरक्षा से कोई समझौता न करते हुए, इन सभी बसों का गहन तकनीकी निरीक्षण कराया जा रहा है। यदि कोई भी बस मानकों पर खरी नहीं उतरती है, तो उसका पंजीकरण और फिटनेस प्रमाण पत्र निलंबित कर दिया जाएगा। विभाग ने सख्त चेतावनी दी है कि अवैध रूप से बसें चलाने वाले और यात्रियों की जान जोखिम में डालने वाले ऑपरेटरों के खिलाफ यह दंडात्मक कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

300 डॉक्टरों की 'जीवन के लिए पदयात्रा', सांसद ने समय पर इलाज को बताया जरूरी

नोएडा। गंभीर रोगों की चिकित्सा सेवाओं की जानकारी सामान्य लोगों तक पहुंचाने के लिए चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों ने एक विशेष पैदल यात्रा निकाली। सोसाइटी ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन (एससीसीएम), दिल्ली-नोएडा की तरफ से इस कार्यक्रम की शुरुआत की गई। यह जागरूकता पदयात्रा अंतरराष्ट्रीय सोसाइटी ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन दिवस और प्रथम राष्ट्रीय गहन चिकित्सा दिवस के मौके पर रविवार को आयोजित हुई। इस पूरे आयोजन को 'समुदाय के द्वार पर गहन चिकित्सा' विषय पर केंद्रित रखा गया था।

'जीवन के लिए पदयात्रा' नाम से आयोजित इस खास कदम का मुख्य मकसद आम लोगों को गंभीर बीमारियों के प्रति सावधान करना था। इसके साथ ही आपात स्थिति में समय पर सही कदम उठाने और जल्द से जल्द चिकित्सीय मदद पाने की अहमियत के बारे में लोगों को बताना था। इस पदयात्रा का शुभारंभ चिल्ला खेल परिसर से हुआ। इसके बाद यह यात्रा आगे बढ़ते हुए नोएडा स्टेडियम, सेक्टर-21ए के गेट नंबर चार पर जाकर संपन्न हुई।

इस पैदल यात्रा में स्वास्थ्य क्षेत्र के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस कार्यक्रम में लगभग 250 से 300 डॉक्टरों, नर्सों और दूसरे स्वास्थ्यकर्मियों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। गौतमबुद्ध नगर के सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा इस पूरे आयोजन में विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

सांसद डॉ. महेश शर्मा ने समय पर इलाज के महत्व पर दिया जोर: समापन अवसर पर डॉक्टरों को संबोधित करते हुए सांसद डॉ. महेश शर्मा ने कहा कि गंभीर बीमारियों के इलाज में सही समय पर डॉक्टरी मदद मिलना बेहद महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने गहन चिकित्सा सेवाओं की भूमिका पर अपनी बात रखी और आम जनता तक स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच पक्की करने की जरूरत पर विशेष जोर दिया। इसके साथ ही उन्होंने लोगों में सेहत के प्रति जागरूकता बढ़ाने और बेहतर चिकित्सीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए डॉक्टर समाज की कोशिशों की खुलकर तारीफ की।

कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए डॉ. महेश शर्मा ने डॉ. अखिल तनेजा और डॉ. आशुतोष भारद्वाज के नेतृत्व एवं सहयोग के प्रति अपना आभार व्यक्त किया। इसके अलावा उन्होंने इस आयोजन में योगदान देने वाले सभी डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ, स्वास्थ्यकर्मियों, स्वयंसेवकों और समिति के सदस्यों के समर्पण और उत्साह की बहुत सराहना की।

आईसीयू के बाहर भी समय पर पहचान और मदद है जरूरी: आयोजकों ने इस दौरान बताया कि गहन चिकित्सा सेवाएं केवल अस्पतालों के आईसीयू तक ही सीमित नहीं रहती हैं। आपातकालीन हालात में बीमारी के लक्षणों को पहचानना, सही वक्त पर उचित कदम उठाना और तुरंत डॉक्टरी सहायता प्राप्त करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इसी मकसद को ध्यान में रखते हुए समाज के बीच स्वास्थ्य से जुड़ी जागरूकता बढ़ाने के लिए यह पहल की गई थी।

इस पूरे आयोजन में चिकित्सा जगत की कई प्रमुख हस्तियां उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में कैलाश अस्पताल समूह की अध्यक्ष डॉ. उमा शर्मा, समूह के गहन चिकित्सा विभाग के निदेशक डॉ. अनिल गुरनानी और एससीसीएम दिल्ली-नोएडा के अध्यक्ष डॉ. अखिल तनेजा मौजूद थे। इनके साथ ही संगठन के सचिव डॉ. अमित गोयल, कोषाध्यक्ष डॉ. अनुप अग्रवाल, उपाध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार और कार्यकारिणी समिति के सदस्य डॉ. आशुतोष भारद्वाज भी मौजूद रहे।

दिल्ली-एनसीआर के वरिष्ठ डॉक्टरों ने दी अपनी उपस्थिति: इसके अलावा समिति के सदस्य डॉ. अनीश गुप्ता, डॉ. देव शंकर पटेल, डॉ. ऋषभ कुमार मित्तल, डॉ. प्रशांत सिंह, डॉ. सौरभ जैन, डॉ. जितिन शर्मा, डॉ. राहुल कुमार और डॉ. गौरव प्रताप सिंह ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया। उत्तरी क्षेत्र के क्षेत्रीय सदस्य डॉ. रंजीत चटर्जी और डॉ. सौरभ तनेजा के साथ-साथ दिल्ली-एनसीआर के अनेक डॉक्टर भी वहां उपस्थित थे।

आयोजन के माध्यम से स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने यह संदेश दिया कि इमरजेंसी की स्थिति में सही जानकारी, समय पर लिया गया फैसला और त्वरित इलाज ही गंभीर मरीजों की जान बचाने में सबसे अहम भूमिका निभाते हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: अनिल रॉयल

फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address :
royalnoida@gmail.com

भंगेल बाजार में एटीएम में लगी भीषण आग, मशीन और नकदी जलकर खाक

नोएडा। थाना फेस-2 क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले भंगेल के मुख्य बाजार में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब वहां स्थित एक बैंक के एटीएम में अचानक भीषण आग भड़क उठी। यह पूरी घटना शॉर्ट सर्किट के कारण होना सामने आई है। आग की भयंकर चपेट में आने से एटीएम बूथ, अंदर रखी मशीनें और कुछ नकदी जलकर पूरी तरह नष्ट हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद तुरंत प्रशासनिक और सुरक्षा तंत्र हरकत में आया।

जानकारी के अनुसार, भंगेल के मुख्य बाजार में स्थित एक इमारत में कई अलग-अलग बैंकों के एटीएम और वित्तीय कंपनियों के कार्यालय संचालित होते हैं। इसी इमारत में बने एक बैंक के एटीएम में अचानक आग भड़क उठी। आग लगने की सूचना मिलने पर दमकल विभाग की चार गाड़ियां और स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंच गई। दमकलकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत की और आग बुझाने का अभियान चलाया। समय रहते आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया, जिससे यह आसपास की दुकानों और इमारत के अन्य हिस्सों तक नहीं फैल सकी।

गौतमबुद्ध नगर के मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि भंगेल स्थित बैंक के एटीएम में आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम और स्थानीय पुलिस तत्काल मौके पर पहुंच गई थी। अग्निशमन कर्मियों ने अपनी तत्परता दिखाते हुए आग को पूरी तरह बुझा दिया। राहत की बात यह रही कि इस भीषण घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई और किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। हालांकि, आग की वजह से एटीएम बूथ, मशीनों और अंदर रखी कुछ नकदी को भारी नुकसान पहुंचा है।

दोस्ती टूटने पर युवती को बदनाम करने का प्रयास

नोएडा। दोस्ती टूटने पर सिरफिरा दोस्त रिश्तेदार और जानकारों को मैसेज कर सेक्टर-24 थाना क्षेत्र के एक सेक्टर में रहने वाली युवती को परेशान कर रहा है। पीड़िता ने दोस्त के खिलाफ केस दर्ज कराया है। पुलिस मामले में जांच कर रही है। सेक्टर-24 थाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली युवती ने पुलिस को बताया कि उनकी दिल्ली के संगम विहार के उमेश से काफी समय पहले दोस्ती हुई थी। दोनों नोएडा की अलग-अलग कंपनी के कार्यालय में नौकरी करते हैं। उमेश के गलत व्यवहार के चलते युवती कुछ माह से बात नहीं कर रही। उससे दोस्ती खत्म कर चुकी है।

आरोप है कि उमेश रिश्तेदार और जानकारों को सोशल मीडिया के माध्यम से मैसेज कर बता रहा है कि दोनों के बीच प्रेम-संबंध थे। युवती ने उसे धोखा दिया है। कार्यालय के स्टाफ को फोन कॉल कर रहा है। युवती ने बताया कि उमेश की हरकतों से वह परेशान है। उसे बदनामी झेलनी पड़ रही है। युवती ने उमेश से बात कर विरोध किया तो उसने आपत्तिजनक फोटो और वीडियो वायरल करने और जान से मारने की धमकी दी है।

नीमा गौतमबुद्ध नगर के चुनाव में निर्विरोध पुरानी कमेटी को चुना गया

नोएडा। सेक्टर -56 में नीमा (नेशनल इंटीग्रिटीड मेडिकल एसोसियेशन) नोएडा-गौतमबुद्धनगर की जर्नल बॉडी बैठक का आयोजन किया गया जिसमें पुरानी संसद कार्यकारिणी को सर्व सहमति के द्वार निर्विरोध चुना गया किया गया।जिसमें डॉ मुकेश शर्मा अध्यक्ष व डॉ अनुप गुप्ता महासचिव पद पर काज हुए। बाक़ी सदस्यों का चयन आगे की जर्नल बॉडी बैठक में किया जाएगा।

इस अक्सर पर डॉ बी.पी सिंह, डॉ प्रसनजीत मैत्रा, डॉ भोज राज सिंह ,डॉ सुनीता चौधर ,डॉ स्नेह लता, डॉ कपिल त्यागी ,डॉ अशोक सिंह ,डॉ रमेश छाबड़ा ,डॉ वंदना कमल, डॉ प्रशांत शांडिल्य, डॉ एस.यम शुक्ला, डॉ के के शुक्ला , डॉ हेमलता सोनी , डॉ अंकुर समस्त नीमा कार्यकारणी उपस्थित रही।

पांच लोगों से 39 लाख की ठगी

नोएडा। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में साइबर ठगों ने पांच लोगों को अपना शिकार बनाकर 39 लाख रुपये ठग लिए। किसी को शेयर ट्रेडिंग में निवेश कर दोगुना मुनाफा कमाने का लालच दिया गया, तो किसी को टेलीग्राम पर टास्क देकर जाल में फंसाया गया।

वहीं, एक व्यक्ति को गैस बिल बकाया होने का झांसा देकर मोबाइल में एपीके फाइल डाउनलोड कराई गई। रकम वापस नहीं मिलने और बैंक से जुड़े मैसेज आने पर पीड़ितों को ठगी का पता चला। सभी ने साइबर क्राइम थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

नोएडा सेक्टर-8 निवासी योगेश शीशे का काम करते हैं। उनके मुताबिक, 1 अप्रैल 2025 को एक व्यक्ति ने खुद को शेयर बाजार का एक्सपर्ट बताकर संपर्क किया। शुरुआत में टास्क पूरे कराने के बाद उनके खाते में रकम भेजी गई, जिससे उन्हें भरोसा हो गया। इसके बाद दोगुना मुनाफा कमाने का लालच देकर एक ऐप पर पंजीकरण कराया गया और निवेश के नाम पर रकम ट्रांसफर कराई गई। आरोप है कि 8 अप्रैल तक उनसे 8 लाख रुपये ठग लिए गए।

टेलीग्राम पर टास्क देकर 10 लाख की ठगी: नोएडा सेक्टर-63 निवासी इंजीनियर मनीष कुमार को टेलीग्राम पर टास्क पूरे करने के लिए कहा गया। इसके बाद निवेश के नाम पर रकम जमा कराई गई। आरोप है कि 30 मई 2025 तक उनसे 10 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए गए। रकम वापस मांगने पर उन्हें ठगी का पता चला। इसी तरह ग्रेटर नोएडा वेस्ट निवासी नीलाभ को शेयर ट्रेडिंग में निवेश का झांसा देकर 8 लाख रुपये ठग लिए गए।

गैस बिल के नाम पर एपीके फाइल डाउनलोड कराई: नोएडा सेक्टर-62 निवासी प्रमोद को 8 दिसंबर 2025 को एक फोन आया। कॉल करने वाले ने खुद को आईजीएल का कर्मचारी बताया और गैस बिल बकाया होने की बात कही। आरोप है कि उसने प्रमोद से मोबाइल में एपीके फाइल डाउनलोड कराई, जिसके बाद उनके बैंक खाते से 6 लाख रुपये ट्रांसफर हो गए। वहीं, ग्रेटर नोएडा वेस्ट निवासी दुआ कुमार से भी इसी तरह 7 लाख रुपये ठग लिए गए।

धूमधाम से मनाई गई महाराजा अग्रसेन जयंती

नोएडा। सेक्टर 102 स्थित भंगेल में सलारपुर भंगेल व्यापार मंडल द्वारा महाराजा अग्रसेन जयंती बड़ी धूमधाम से मनाई गई। व्यापार मंडल के अध्यक्ष मनोज गोयल एवं सपा नोएडा महानगर के पूर्व महासचिव एवं प्रवक्ता राघवेंद्र दुबे ने व्यापारियों के साथ महाराजा अग्रसेन जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर पूजा अर्चना की। इस अवसर पर सपा के पूर्व महासचिव एवं प्रवक्ता राघवेंद्र दुबे ने कहा कि महाराजा अग्रसेन सूर्यवंशी क्षत्रिय राजा थे। उनका जन्म द्वापर युग के अंत में हुआ माना जाता है। वे राजा वल्लभसेन के पुत्र थे और अग्रोहा (वर्तमान में हरियाणा का हिसार क्षेत्र) के शासक बने। उन्होंने अग्रवाल समाज की स्थापना की और व्यापार को बढ़ावा दिया। वे अहिंसा , समानता और सहयोग के प्रबल समर्थक थे। इस अवसर पर व्यापार मंडल के अध्यक्ष मनोज गोयल ने कहा कि महाराजा अग्रसेन जी का प्रसिद्ध सिद्धांत था एक ईंट एक रुपया इसका मतलब था कि राज्य में कोई भी नया परिवार आता था उसे हर घर से एक ईंट एक रुपया दिया जाता था जिससे वह परिवार आसानी से घर बना सकता था और व्यापार शुरू कर सकता था। इस तरह समाज में कोई गरीब नहीं रहता था। इस मौके पर सुबोध गोयल , प्रशांत गोयल , अरविंद गर्ग , सौरभ जिंदल , राजीव गुप्ता , उमेश शर्मा , पंकज त्यागी , विशाल गुप्ता , मोहित , प्रमोद , अनिल गोयल सहित तमाम व्यापारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

रंगदारी नहीं देने पर बर्फ विक्रेता भाइयों से मारपीट, दो हजार रुपये लूटे

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के झट्टा गांव में बर्फ विक्रेता दो भाइयों से रंगदारी नहीं देने पर मारपीट और लूटपाट करने का मामला सामने आया है। पीड़ितों का आरोप है कि छह लोग दुकान पर पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी और दुकान से करीब दो हजार रुपये लूटकर फरार हो गए।

पीड़ितों ने नॉलेज पार्क कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार झट्टा गांव निवासी सोनू चौहान और सुनील सिंह की गांव में बर्फ की दुकान है। आरोप है कि शनिवार की रात कुछ युवक दुकान के पास पहुंचे। शिकायत में छह लोगों के नाम बताए गए हैं। तहरीर के मुताबिक आरोपियों ने कथित तौर पर दुकान पर मारपीट और लूटपाट करने के इरादे से हमला किया। इस दौरान सोनू चौहान और सुनील सिंह को गंभीर चोटें आईं। पीड़ितों का आरोप है कि हमलावर दुकान से करीब दो हजार रुपये और दोनों के मोबाइल फोन लूटकर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद पीड़ितों ने पुलिस से शिकायत कर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने और न्याय दिलाने की मांग की है।

नशीले पदार्थ की तस्करी में चार गिरफ्तार

नोएडा। शहर में गांजे और शराब की तस्करी करने वाले चार आरोपियों को अलग-अलग थाना क्षेत्रों में पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी गांजे की पुड़िया बनाकर कॉलेजों, विश्वविद्यालयों, औद्योगिक क्षेत्रों, सोसाइटियों और झुग्गी बस्तियों के आसपास आपूर्ति करते थे। गांजा दिल्ली से लाया जाता था, जबकि शराब की तस्करी ठेके बंद होने के बाद ऊंचे दामों पर की जाती थी। सेक्टर-126 थाना पुलिस ने हाथरस निवासी उपेंद्र सिंह को गिरफ्तार किया। उसके पास से शराब के 38 टेट्रा पैक बरामद हुए। वहीं, सेक्टर-39 थाना पुलिस ने सदरपुर कॉलोनी निवासी हिमांशु वर्मा को 872 ग्राम गांजे के साथ पकड़ा। एक अन्य कार्रवाई में सेक्टर-39 थाना पुलिस ने ही सदरपुर निवासी गौरव को 730 ग्राम गांजे के साथ गिरफ्तार किया। सेक्टर-113 थाना पुलिस ने गौरव कुमार को 800 ग्राम गांजे के साथ दबोचा। तीनों आरोपियों से करीब 2.4 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। पुलिस के मुताबिक गांजे के तस्कर छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर ग्राहकों तक गांजा पहुंचाते थे। उनकी आपूर्ति कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के आसपास के अलावा सेक्टरों, सोसाइटियों, फैक्टरियों तथा झुग्गी बस्तियों के आसपास की जाती थी। ऑन डिमांड भी गांजे की मांग पूरी होने की बात पूछताछ में सामने आई है। वहीं, शराब तस्कर रात में ठेके बंद होने के बाद शराब को निर्धारित कीमत से अधिक दाम पर बेचते थे। गिरफ्तार आरोपियों में कुछ का आपराधिक इतिहास भी है। उनके आपराधिक रिकॉर्ड और तस्करी के नेटवर्क के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है।

कार व आटो की टक्कर से चार महिलाओं समेत छह घायल

ग्रेटर नोएडा। बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के जीटी रोड स्थित अन्नपूर्णा होटल के सामने ऑटो व कार की टक्कर हो गई। टक्कर होने पर ऑटो में सवार चार महिलाओं समेत छह लोग घायल हो गए। कोतवाली प्रभारी विजय गुप्ता ने बताया कि धूम मानिकपुर गांव निवासी मिथिलेश कुमार पासवान परिवार के साथ रहते हैं। 9 अक्तूबर को उनके परिवार से उनकी पत्नी विद्या देवी, जयमाला देवी सोनी देवी अंजलि, आयुष शर्मा ऑटो में सवार होकर पटवारी के बाग से अपने घर धूम मानिकपुर जा रहे थे। जीरोड स्थित अन्नपूर्णा होटल के सामने कार से आटो की टक्कर हो गई। हादसे में चार महिला समेत छह लोग घायल हो गए। घटना की प्राथमिकी कार नंबर के आधार पर चालक अमित के खिलाफ कोतवाली में दर्ज कराई गई है ।

फ्लैट दिलाने के नाम पर बुजुर्ग से 30 लाख 60 हजार रुपये की ठगी

नोएडा। साइबर ठगों ने एक बुजुर्ग को सस्ते में फ्लैट दिलाने का झांसा देकर 30 लाख 60 हजार रुपये ठग लिए है। आरोपियों ने खुद को भवन निर्माता और संपत्ति विक्रेता का प्रतिनिधि बताया। पीड़ित ने राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद साइबर क्राइम थाना पुलिस को प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए शिकायत दी गई है।

पुलिस को दी गई शिकायत में 63 वर्षीय राजेश कुमार सुमन ने बताया है कि उनके साथ 27 जुलाई 2026 को धोखाधड़ी हुई। ठगों ने फर्जी बुकिंग दस्तावेज, भुगतान की रसीदें और संपत्ति से जुड़े अन्य कागजात सोशल मीडिया पर दिखाएग। इन दस्तावेज को असली मानकर राजेश कुमार सुमन ने उन पर विश्वास कर लिया। आरोपियों ने अलग-अलग माध्यमों से ऑनलाइन रकम ट्रांसफर कराई। पीड़ित ने कुल 30 लाख 60 हजार रुपये दे दिए। हालांकि, उन्हें फ्लैट नहीं मिला और ठगी का पता चला। इसके बाद उन्होंने एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। एसीपी साइबर क्राइम विवेक रंजन राय ने बताया कि थाना पुलिस सभी तथ्यों की जांच कर रही है।

सोसाइटी के बाहर बिना नंबर प्लेट की स्कॉर्पियो से स्टंट, वीडियो वायरल

नोएडा। नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र के सेक्टर 150 स्थित टाटा यूरेका पार्क के बाहर कुछ युवकों द्वारा सरेआम खतरनाक स्टंट करने और उपद्रव मचाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में दो काले रंग की स्कॉर्पियो नजर आ रही हैं, जिस पर काली फिल्म चढ़ी हुई है। खास बात यह है कि गाड़ी पर नंबर प्लेट भी नहीं लगी है। वीडियो में युवक स्कॉर्पियो को गोल-गोल घुमाते और जिगजैग तरीके से तेज रफ्तार में चलाते दिखाई दे रहे हैं।

गांव की प्रमुख समस्याओं को लेकर भकियू लोकशक्ति ने की बैठक

नोएडा। आज ग्राम हाजीपुर में भारतीय किसान यूनियन (लोकशक्ति) की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता सुरेश प्रधान जी ने की, तथा संचालन संगठन परिवहन मंत्री ओमप्रकाश गुर्जर ने किया। बैठक में ग्रामीणों ने अपनी ज्वलंत समस्याएं संगठन के सामने रखीं। ग्रामीणों ने बताया कि गांव का बारात घर बहुत पुराना व जर्जर हालत में है जो किसी काम का नहीं है, आज तक गांव में शमशान घाट नहीं बनाया गया है, जगह-जगह सीवर उबल रहे हैं और कई मुख्य सड़कों की हालत बेहद खराब है। इस पर राष्ट्रीय महासचिव चौधरी बीसी प्रधान बरौला ने आश्वासन दिया कि इन सभी मांगों को लेकर संगठन जल्द ही नोएडा प्राधिकरण व जिला प्रशासन से मिलेगा और समाधान कराएगा। इस बैठक में संगठन का विस्तार करते हुए कई युवाओं को संगठन में शामिल किया गया। संगठन से जुड़ने वाले नवनियुक्त पदाधिकारियों में संजीव चपराना, पंकज कसाना, सोनू बंसल, अंकित अवाना, प्रवीण बैसोया, मोनू चपराना, केशव अवाना, राहुल सैनी, सिंटू सिंह सहित कई अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे।

सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों का फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया और उन्हें किसान हित में काम करने की शपथ दिलाई गई।

इस मौके पर मुख्य रूप से मास्टर राजबीर सिंह, बिरम अवाना , बिजेंद्र अवाना,महानगर अध्यक्ष हरेन्द्र सिंह , युवा अध्यक्ष राजकुमार मोनू, अरुण गौतम, सुनील बैसोया, धर्मराज बैसोया, धर्मेंद्र बैसोया, जीत सिंह, महेश बैसोया ,प्रमोद प्रजापति, सुधीर ठाकुर, जय सिंह, रोहित अवाना , अरविंद जाटव, अंकुर कश्यप, हरेन्द्र अवाना, पुष्पेन्द्र सिंह आदि सैकड़ों लोग मौजूद रहे ।

बास्केटबॉल खिलाड़ी चांदनी सिंह को मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया

नोएडा। शहर की बास्केटबॉल खिलाड़ी चांदनी सिंह को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आठ अक्टूबर को लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया। चांदनी सिंह बास्केटबॉल में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करती हैं। एचसीएल टेक की ओर से आयोजित कार्यक्रम में योगी आदित्यनाथ ने चांदनी सिंह को प्रशस्ति पत्र दिया। साथ ही भविष्य में भी इसी तरह यूपी का नाम रोशन करने की प्रेरणा दी। चांदनी सिंह ड्रिबल एकेडमी में खेल का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। यह एकेडमी सैकड़ों बच्चों को निशुल्क प्रशिक्षण दे रहा है। यहां के खिलाड़ी जूनियर स्तर पर प्रतिष्ठित एनबीए बास्केटबॉल प्रतियोगिता में भी भाग ले चुके हैं। चांदनी सिंह की इस उपलब्धि पर ड्रिबल एकेडमी फाउंडेशन के संस्थापक और मुख्य प्रशिक्षक भुवनेश गहलोत ने खुशी जताई है। साथ ही कहा कि जरूरतमंद बच्चों को निशुल्क प्रशिक्षण देकर उन्हें प्रतिभावान बनाने का कार्य चल रहा है। भविष्य में भी कई अच्छे खिलाड़ी निकलकर प्रदेश और देश का मान बढ़ाएंगे।

स्कूल गेम्स में नवजीवन इंटर कॉलेज का उम्दा प्रदर्शन रहा: गेझा स्थित नवजीवन इंटर कॉलेज की टीम ने स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया गोरखपुर में 18 सितंबर को समाप्त हुई प्रतियोगिता में नवजीवन कॉलेज के 14 छात्रों ने मेरठ मंडल का प्रतिनिधित्व किया। अंडर-14, 17 और 19 आयुवर्ग में दमखम दिखाया। अंडर-14 में लड़कों की टीम ने पहला स्थान हासिल किया। लड़कियों की टीम दूसरे स्थान पर रही। अंडर-17 लड़कों की टीम को तीसरा स्थान मिला। अंडर-19 में लड़कियों की टीम को दूसरा स्थान मिला। नवजीवन इंटर कॉलेज के प्रधनाचार्य पुष्पेंद्र सिंह सहित अन्य शिक्षकों ने खिलाड़ियों को बधाई दी।

आग बुझाने के इंतजाम फेल, दो सोसाइटियों की कटेगी बिजली

नोएडा। सेक्टर ओमीक्रॉन-3 स्थित प्लूमेरिया गार्डन और मिगसन अल्टिमो सोसाइटी में आग से बचाव के इंतजामों में कमी मिली है। फायर ऑडिट में सामने आई कमी के बाद दोनों सोसाटियों में बिजली आपूर्ति बंद होगी। एनपीसीएल ने रविवार को दोनों सोसाइटियों के गेट पर नोटिस चस्पा कर मंगलवार को बिजली कनेक्शन काटने की जानकारी दी है। एनपीसीएल के अनुसार, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के आदेश पर यह कार्रवाई की जा रही है।

नोटिस चस्पा होने के बाद दोनों सोसाइटियों में रहने वाले 1800 से अधिक परिवारों की चिंता बढ़ गई है। एनपीसीएल के प्रवक्ता मनोज कुमार झा ने बताया कि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने दोनों सोसाइटियों का फायर ऑडिट कराया था। ऑडिट में आग बुझाने की व्यवस्थाओं में कई कमियां पाई गई थीं। इसके बाद प्राधिकरण ने 7 अक्तूबर को एनपीसीएल को पत्र भेजकर बिजली आपूर्ति बंद करने के निर्देश दिए थे। एनपीसीएल ने रविवार को दोनों सोसाइटियों के गेट पर नोटिस लगाकर निवासियों को कार्रवाई की जानकारी दी। प्लूमेरिया गार्डन सोसाइटी में सिंगल प्वाइंट कनेक्शन होने के कारण पूरी सोसाइटी की बिजली बंद होगी। वहीं, मिगसन अल्टिमो सोसाइटी में मल्टीप्वाइंट कनेक्शन होने के कारण केवल कॉमन एरिया की बिजली काटी जाएगी। दोनों सोसाइटियों के प्रबंधन को भी नोटिस सौंपा गया है।

निवासियों ने सोशल मीडिया पर जताया विरोध: प्लूमेरिया गार्डन एस्टेट सोसाइटी में करीब 704 परिवार रहते हैं, जबकि मिगसन अल्टिमो में करीब 1108 परिवार रहते हैं। नोटिस के बाद निवासियों ने सोशल मीडिया पर विरोध जताना शुरू कर दिया है। उनका कहना है कि बिल्डरों की लापरवाही का खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ रहा है। बिजली कटने के बाद उन्हें महंगे जनरेटर बैकअप का सहारा लेना पड़ेगा और कई सुविधाएं प्रभावित होंगी।

सपा नोएडा महानगर ने धूमधाम से मनाई लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती

नोएडा। सपा नोएडा महानगर संगठन द्वारा नोएडा सेक्टर 53 सपा नोएडा महानगर कैंप कार्यालय में लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती सपा नोएडा महानगर अध्यक्ष डॉ आश्रय गुप्ता के नेतृत्व में धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम का संचालन महानगर महासचिव विकास यादव के द्वारा किया गया।

सभी समाजवादी लोगों ने जेपी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित करने का काम किया। महानगर अध्यक्ष डॉ आश्रय गुप्ता ने कहा कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण भारतीय स्वतंत्रता सेनानी और राजनेता थे उन्हें 1970 में इंदिरा गांधी के विरुद्ध विपक्ष का नेतृत्व करने के लिए जाना जाता है। महानगर महासचिव विकास यादव ने कहा कि वे सच्चे समाज सेवक थे जिन्हें 'लोकनायक' के नाम से भी जाना जाता है। वही गौरव यादव ने बताया कि 1999 में उन्हें मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य लोगों में डॉक्टर आश्रय गुप्ता, विकास यादव, गौरव यादव, अली शेर, जितेंद्र गुप्ता, लोकपाल पहलवान, पंकज चौरसिया, मोहम्मद रब्बानी, कमल जाटव, संदीप बागड़ी, प्रदीप यादव, राम अवतार यादव, दशरथ ठाकुर, अनेक प्रधान व शाहिद उस्मानी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

गूगल मैप ने एक किमी का रास्ता 13 किमी दिखाया

मंजिल पास फिर भी लंबा चक्कर, चक्रव्यूह में उलझे लोग

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में रास्ता पूछने के लिए अमूमन गूगल मैप सटीक साबित होता है, लेकिन शनिवार लुटियंस दिल्ली में यह भी कंफ्यूज दिखा। इसमें गोल पोस्ट ऑफिस से जंतर मंतर की महज एक किमी की दूरी तय करवाने के लिए लंबा रास्ता लिया। इससे रास्ता करीब 13 किमी लंबा हो गया। वहीं, जिस मंजिल को पैदल करीब 10 मिनट में पाया जा सकता है, उसके लिए वाया बाइक 45 मिनट खर्च होने थे। मतलब, मंजिल पास थी, लेकिन वहां तक पहुंचने के लिए लंबा चक्कर लगाने की नौबत आ गई। लुटियंस की दिल्ली में प्रदर्शन का असर ऐसा रहा कि रास्ता बताने वाला डिजिटल साथी भी मानो उलझ गया। दरअसल, जंतर-मंतर पर प्रदर्शन को देखते हुए नई दिल्ली के कई हिस्सों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। जगह-जगह बैरिकेडिंग, पुलिस की तैनाती और यातायात प्रतिबंधों के कारण सामान्य आवाजाही प्रभावित रही।

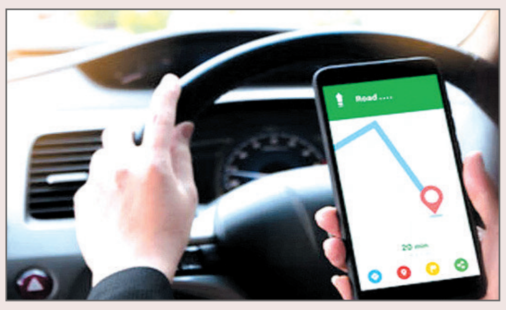

चुनाव आयोग का रास्ता मैप पर बंद दिखाया

गूगल मैप लोगों को जाम से बचाने और कम समय में मंजिल तक पहुंचाने का रास्ता बताता है। लेकिन जब सड़कें बंद हों, जगह-जगह बैरिकेड लगे हों और आवाजाही पर पाबंदियां हों, तो तकनीक भी उपलब्ध रास्तों के हिसाब से लंबा विकल्प दिखा दे रही थी। इसके उलट अशोक रोड पर स्थित पुलिस हेड क्वार्टर और भारतीय चुनाव आयोग का रास्ता मैप पर बंद दिख रहा था, लेकिन बंदिशों के बावजूद जंतर मंतर की आवाजाही को गूगल ने सामान्य लेकिन लंबा बताया। दूसरी तरफ नई दिल्ली के दूसरे रास्तों पर रेड लाइन दिख रही थी। इससे बाहर से आए ऐसे

शारदीय नवरात्रि का शुभारंभ

सांसद बांसुरी स्वराज ने झंडेवालान मंदिर में की पूजा, देशवासियों को दी शुभकामनाएं

नईदिल्ली, एजेंसी। शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व की शुरुआत के साथ ही देश भर के मंदिरों में भक्तों का तांता लग गया है। नवरात्रि के पहले दिन दिल्ली के प्रसिद्ध झंडेवालान मंदिर में सुबह से ही भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर मां शैलपुत्री की पूजा-अर्चना की और आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी की सांसद बांसुरी स्वराज ने भी मंदिर पहुंचकर विशेष रूप से 'श्रंगार आरती' में हिस्सा लिया। झंडेवालान मंदिर में दर्शन और पूजा के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए सांसद बांसुरी स्वराज ने देशवासियों को नवरात्रि की हार्दिक बधाई दी।

संक्षिप्त समाचार

रत्ना सिंह ने पुलिस पर लगाया अवैध हिरासत का आरोप

- साकेत कोर्ट में एफआईआर की मांग

नईदिल्ली, एजेंसी। सीजेपी की लीगल अफेयर्स हेड रत्ना सिंह ने साकेत कोर्ट में अर्जी देकर पुलिसवालों के खिलाफ एफआइआर दर्ज करने की मांग की है। उनका आरोप है कि सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रोटेस्ट में जाने से

पुलिसकर्मियों ने उन्हे गलत तरीके से रोका था। इससे जुड़ा एक विडियो भी इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है, जिसमें वह वीडियो काल के माध्यम से अपनी कार के अंदर से बात करते हुए नजर आ रही है। उनका कहना है कि पुलिस सुबह उनके घर आई थी। लेकिन, उन्हें बताया गया कि वह वहां नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जब पुलिस से पूछा कि क्या उनके पास कोई आफिशियल नोटिस है, तो पुलिस के पास कुछ नहीं था।

हिरासत में लेने का मिला ऑर्डर

उन्होंने बस इतना कहा कि हमें ऊपर से आपको हिरासत में लेने का ऑर्डर मिला है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस बार-बार उन्हें कार से बाहर निकलने के लिए कह रही थी और उन्हें उनके घर पर हिरासत में लेना चाहती थी। उनका कहना है कि मुझे सड़क पर गैर-कानूनी तरीके से हिरासत में लिया गया है। सिंह ने यह आवेदन साकेत कोर्ट के मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट अभिनव पांडे के समक्ष दायर किया है।
याचिका में कहा गया है कि आज पहले जब सिंह दो साथी वकीलों के विरोध प्रदर्शन का हिस्सा बनने के लिए सुप्रीम कोर्ट की ओर बढ़ रही थीं, तो उन्हें अपने घर के बाहर से हिलने की अनुमति नहीं दी गई। इसमें कहा गया है कि दो कारों ने उन्हें रोक दिया और पुलिसकर्मी कार के दरवाजों के बाहर खड़े रहे।

यूट्यूबर ध्रुव राठी को पुलिस ने देर रात किया रिहा

नई दिल्ली, एजेंसी। यूट्यूबर ध्रुव राठी को गुरुग्राम पुलिस ने हिरासत से रिहा कर दिया है। पुलिस ने उन्हें शनिवार देर रात 3 बजे छोड़ा। इससे पहले शनिवार सुबह 5 बजे उन्हें सेक्टर 56 स्थित उनके आवास से हिरासत में लिया गया था। ध्रुव राठी को दिल्ली के जंतर-मंतर पर होने वाले सीजेपी प्रोटेस्ट में लोगों को वीडियो के माध्यम से बुलाने के मामले में हिरासत में लिया गया था। गुरुग्राम पुलिस ने उन्हें प्रदर्शन में शामिल न होने

की हिदायत देकर छोड़ दिया है। यूट्यूबर ध्रुव राठी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के लिए दिल्ली आए थे। इससे पहले शुक्रवार को ध्रुव राठी ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया था कि सीजेपी के 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर होने वाले प्रदर्शन से पहले दिल्ली में लगभग लॉकडाउन जैसी स्थिति बना दी गई है।
शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए एक वीडियो में ध्रुव राठी ने विरोध प्रदर्शन से पहले राजधानी दिल्ली में लगाई गई भारी सुरक्षा और परिवहन पाबंदियों पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि मेट्रो स्टेशनों को बंद किया गया है, ट्रेनें रद्द की गई हैं और मध्य दिल्ली के कुछ हिस्सों में मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को भी अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है।
वीडियो में ध्रुव राठी ने कहा था, 'कैसे हैं आप दोस्तों? मैं दिल्ली पहुंच गया हूं। यहां मैंने देखा कि 50 से ज्यादा मेट्रो स्टेशन बंद कर दिए गए हैं। ट्रेनें बंद कर दी गई हैं।

बाजार बंद, करोड़ों का व्यापार ठप

व्यापारियों ने रखी अपनी बात

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी में सुरक्षा इंतजामों का सीधा असर कारोबार पर दिखाई देने लगा है। शनिवार को सीजेपी के प्रदर्शन के चलते कनॉट प्लेस समेत कई प्रमुख बाजारों में दुकानें बंद रहीं या ग्राहक आवाजाही प्रभावित रही। कारोबारियों का कहना है कि त्योहारी और विवाह सीजन के ठीक पहले बाजारों में इस तरह की स्थिति व्यापार के लिए बड़ा झटका है। एक दिन बाजार बंद रहने से सिर्फ उस दिन की बिक्री नहीं जाती, बल्कि माल की आवाजाही, कर्मचारियों की कमाई, डिलीवरी, परिवहन और छोटे कारोबारियों की रोजी-रोटी पर भी असर पड़ता है।

उनका कहना है कि जंतर-मंतर जैसे स्थानों के अलावा दिल्ली में तीन-चार और निर्धारित स्थान चिन्हित किए जाएं, जहां राजनीतिक दल कानून के अनुसार प्रदर्शन कर सकें।कैट के राष्ट्रीय महामंत्री व भाजपा सांसद प्रवीन खंडेलवाल के मुताबिक, अक्तूबर 2026 से जनवरी 2027 तक दिल्ली के व्यापार के लिए सबसे महत्वपूर्ण समय है। इस दौरान दिल्ली में अनुमानित दैनिक कारोबार 500 से 600 करोड़ रुपये तक रहता है। प्रदर्शन के कारण रोजाना करीब 250 करोड़ रुपये के कारोबार पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है।

त्योहारी सीजन में ग्राहक बाजार आने की योजना बनाकर निकलते हैं। अगर रास्ते बंद मिलें या बाजार बंद हो तो ग्राहक नहीं आते।

इसका सीधा असर व्यापारी की बिक्री पर पड़ता है। कनॉट प्लेस में करीब 150 करोड़ का कारोबार प्रभावित हुआ है। प्रदर्शन की वजह से चांदनी चौक में फुटफॉल न के बराबर रहा। बी2बी कारोबार ही हो सका, आज कूचा महाजनी में 50 फीसदी ही व्यापार हो पाया है। सरकार को प्रदर्शन के लिए तीन-चार ऐसे वैकल्पिक स्थान तय करने चाहिए जहां राजनीतिक दल अपना विरोध दर्ज करा सकें और बाजार, सरकारी कामकाज तथा आम लोगों की आवाजाही बाधित न हो।

आवश्यक वस्तुओं की सप्लाई से जुड़े बाजारों में किसी भी तरह का व्यवधान आगे कई इलाकों तक असर डाल सकता है। प्रशासन को व्यापारिक गतिविधियों के लिए निर्बाध रास्ते सुनिश्चित करने चाहिए।

बाजार में एक दिन का कारोबार रुकना केवल एक दिन की बिक्री का नुकसान नहीं है। ग्राहक नहीं आया तो बिक्री गई, लेकिन कर्मचारियों का खर्च, किराया और दूसरे खर्च चलते रहते हैं। यह स्थिति कारोबारियों के लिए चिंता बढ़ाने वाली है। थोक बाजार में माल की आवाजाही सबसे अहम है। अक्तूबर से जनवरी तक कपड़ा कारोबार का महत्वपूर्ण सीजन होता है। बाहर से व्यापारी खरीदारी के लिए दिल्ली आते हैं। अगर बाजार आने में परेशानी से वह दूसरे शहर से खरीदारी कर सकते हैं।

राहुल गांधी ने सीईसी के खिलाफ इंडिया. ब्लॉक प्रोटेस्ट का ऐलान किया

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने घोषणा की है कि इंडिया ब्लॉक 12 अक्टूबर को फिर से सड़कों पर उतरेगा. उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली पुलिस और भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर सीजेपी के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शन के दौरान छात्रों और महिलाओं के खिलाफ हिंसा का इस्तेमाल किया.

एक्स पर पोस्ट की एक श्रृंखला में कांग्रेस सांसद ने प्रधान मंत्री को 'मिस्टर इंडिया' के अमरीश पुरी के प्रतिष्ठित प्रतिद्वंद्वी 'मोगैम्बो' के रूप में संदर्भित किया और आरोप लगाया कि सरकार युवाओं और छात्रों की आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है. राहुल गांधी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की दिल्ली पुलिस पर 'ठगी' का सहारा लेने और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस)-भाजपा कार्यकर्ताओं को महिलाओं और युवाओं के खिलाफ हिंसा करने की अनुमति देने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा, 'अमित शाह की दिल्ली पुलिस न केवल खुद गुंडागर्दी पर उतर आई है, बल्कि आरएसएस-भाजपा के असली गुंडों को महिलाओं और युवाओं के खिलाफ हिंसा करने की खुली छूट और प्रोत्साहन भी दे रही है.' उन्होंने कहा कि युवाओं को दबाने की सरकार की कोशिशों से उनका गुस्सा और बढ़ेगा. राहुल ने कहा, 'जैसा कि मैंने कहा था, 'मोगैम्बो मोदी' और उनकी सरकार जितना उन्हें दबाने की कोशिश करेगी, जेन जेड और छात्रों का गुस्सा उतना ही तेज होगा.' अगले राउंड के विरोध प्रदर्शन का ऐलान करते हुए उन्होंने कहा, 'सोमवार, 12 अक्टूबर को कांग्रेस, पूरा अलायंस और देश के युवा एक बार फिर बड़ी संख्या में सड़कों पर उतरेंगे. और इस बार भी, आवाज पूरे देश में गूंजेगी. पहले से कहीं ज़्यादा जोरदार.'

आया नगर खूनी रंजिश

जिम ट्रेनर हत्याकांड में कमल अधाना का नाम, शूटरों की तलाश में छापेमारी

नईदिल्ली, एजेंसी। आया नगर में 14 सितंबर को जिम ट्रेनर विजय कुमार की 18 गोलियां मारकर हत्या मामले में भी फरीदाबाद के तिगांव निवासी कमल अधाना का नाम सामने आया है। 30 नवंबर 2025 को डेरी संचालक रतनलाल की हत्या मामले में भी वह मुख्य साजिशकर्ता था। उसे जनवरी के पहले सप्ताह में नीरज फरीदपुरिया के शूटर नरेन्द्र उर्फ नीटू के साथ गिरफ्तार किया था। उसके जेल जाते ही उसके दूसरे भांजे अंकित कल्ली ने कमान संभाल ली। बता दें कि आया नगर गांव में खूनी रंजिश की शुरुआत 15 मई 2025 को प्राप्टी डीलर अरुण लोहिया का हत्या के साथ शुरू हुई। कमल अधाना मृतक अरुण का मामा है और अंकित कल्ली बड़ा भाई है, जो वर्तमान में थाईलैंड में है। दोनों हत्याओं की कड़ी जोड़ते हुए पुलिस ने हाल ही में अरुण के पिता रामबीर लोहिया को गिरफ्तार किया।

शूटरों के संभावित ठिकानों पर छापेमारी जारी

रामबीर लोहिया की निशानदेही पर पुलिस अब हरियाणा से लेकर उत्तर प्रदेश तक गैंगस्टर नीरज फरीदपुरिया और रणदीप भाटी के शूटरों के संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। बता दें कि आया नगर गांव में खूनी रंजिश की शुरुआत 15 मई 2025 को प्रापर्टी डीलर अरुण लोहिया का हत्या के साथ शुरू हुई।

राष्ट्र निर्माण संकल्प सम्मेलन

उइके और पंड्या ने जागृत आत्माओं से किया आह्वान

नई दिल्ली, एजेंसी। गायत्री परिवार के लोगों का आवाहन करते हुए केंद्रीय जनजातीय मंत्री दुर्गादास उइके ने देश में बढ़ते असुरत्व का मुकाबला करने के लिए जागृत आत्माओं से राष्ट्रीय रक्षा को आगे आने का आवाहन किया। तभी राष्ट्रीय धर्म का उत्थान होगा।

उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि राष्ट्रीय भाव जब जब घटा है, तब तब इस देश का विघटन हुआ है, उसी का परिणाम है कि आज बृहत भारत के 22 टुकड़े हो चुके हैं।

वहीं, देव संस्कृति विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति डा. चिन्मय पंड्या ने गायत्री परिवार के लोगों से राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ आगे आने का आह्वान किया।

भारत को फिर महान बनाने के लिए राष्ट्रीय चेतना जगाने और समाज को एकजुट करने की जरूरत है। दोनों वक्ता शनिवार को भारत मंडपम में अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा त्रिपदा जन्म शताब्दी समारोह की तैयारियों के

तहत आयोजित राष्ट्र निर्माण संकल्प सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने राष्ट्र निर्माण के लिए एकजुटता पर जोर दिया।

भारत ने शक्ति को भुला दिया, इसलिए शक्ति ने भी भारत को भुला दिया। देश को महान बनाने के लिए उसके पराक्रम की कहानियां बतानी होंगी। गायत्री परिवार राष्ट्र निर्माण का संकल्प लेकर चला है।

देवत्व के तीन गुण बताते हुए उन्होंने कहा कि दूसरों को देने की आकांक्षा रखना, उनकी परेशानियां दूर करना और जिस स्थान पर रहें, उसे स्वर्ग जैसा बना देना ही देवत्व है।

15 अक्टूबर तक पूरे देश से विदा हो सकता है मानसून

2011 के बाद सबसे जल्दी होगी विदाई

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण-पश्चिम मानसून 15 अक्टूबर के आसपास पूरे देश से विदा हो सकता है। यदि ऐसा होता है, तो यह हाल के वर्षों में मानसून की सबसे जल्दी होने वाली विदाई में से एक होगी। इसके साथ ही दक्षिण भारत में पूर्वोत्तर मानसून की शुरुआत होने की भी संभावना जताई गई है। भारतीय मौसम विभाग और मौसम पूर्वानुमान एजेंसी स्काईमेट ने इसकी पुष्टी की है। आईएमडी के अनुसार, 15 से 21 अक्टूबर के दौरान दक्षिण-पश्चिम मानसून की पूर्ण वापसी के लिए परिस्थितियां अनुकूल होने की उम्मीद है। पूर्वोत्तर मानसून के आगमन के साथ प्रायद्वीपीय भारत और पूर्वी तट के अधिकांश हिस्सों में छिटपुट से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।

वहीं तटीय आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक और केरल में कुछ दिनों के लिए भारी बारिश हो सकती है। इस अवधि के दौरान दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में बारिश सामान्य से अधिक रहने की उम्मीद है, जबकि उत्तर-पश्चिम, पूर्व और उत्तर-पूर्व भारत में सामान्य से कम रह सकती है।

क्या है मानसून वापसी की मौजूदा स्थिति?

स्काईमेट वेदर सर्विसेज के अध्यक्ष जी.पी. शर्मा ने बताया कि 19 सितंबर से शुरू हुई मानसून की वापसी अब अंतिम चरणों में है। वर्तमान में मानसून की वापसी रेखा सुपौल, रांची, सुंदरगढ़, बरगढ़, बीजापुर, हैदराबाद, बेलगावी और पणजी से होकर गुजर रही है।

क्या हैं पहले का रिकॉर्ड?

दक्षिण-पश्चिम मानसून की विदाई और पूर्वोत्तर मानसून का आगमन एक साथ या 48 घंटों के भीतर हो सकता है। जब वापसी रेखा प्रायद्वीप पर लगभग 15ए उत्तरी अक्षांश तक पहुंच जाती है और मानसूनी हवाएं देश के बाकी हिस्सों से हट जाती हैं, तब विदाई को पूर्ण माना जाता है। 15एह अक्षांश से नीचे सुदूर दक्षिणी प्रायद्वीप में पूर्वोत्तर मानसून की आधिकारिक घोषणा से पहले ही बारिश शुरू हो सकती है। यदि आईएमडी 15 अक्टूबर के आसपास विदाई की घोषणा करता है, तो यह पिछले डेढ़ दशक की सबसे तेजी से हुई विदाई के रिकॉर्ड से मेल खाएगा। इससे पहले वर्ष 2024 में 15 अक्टूबर, 2025 में 16 अक्टूबर और 2023 में 19 अक्टूबर को मानसून पूरी तरह विदा हुआ था।

लाहौरी गेट हवेली में बनेगा शाहजहांनाबाद संग्रहालय

पुरानी दिल्ली की विरासत होगी प्रदर्शित

नई दिल्ली, एजेंसी। पुरानी दिल्ली का इतिहास और उसकी संस्कृति को दिखाने के लिए लाहौरी गेट स्थित हवेली में शाहजहांनाबाद संग्रहालय बनने का रास्ता साफ हो गया है। महापौर प्रवेश वाही ने इसको विकसित करने के लिए अंग्रिम मंजूरी दे दी है। इसके बाद अब जल्द ही आइजीएनसीए और एमसीडी के बीच औपचारिक समझौता होगा। इसके बाद वहां पर संग्रहालय विकसित करने का कार्य शुरू होगा। परियोजना के तहत संग्रहालय को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आइजीएनसी) के सहयोग से विकसित किया जाएगा। यहां आने वाले लोगों को पुरानी दिल्ली के इतिहास, स्थापत्य कला, खानपान और जीवनशैली से प्रदर्शित किया जाएगा। इस हवेली की बात करें तो वर्ष 1929 में बनी इस हवेली का इस्तेमाल पहले निजी आवास के रूप में होता था। बाद में यहां एमसीडी की डिस्पेंसरी चलने लगी।

इसे संग्रहालय के रूप में विकसित करने की तैयारी जारी- इसके बाद इसे स्टोर रूम के तौर पर उपयोग किया जाने लगा। हवेली की छत, झरोखों और बालकनियों को नुकसान पहुंचा था। राज्यसभा सदस्य रहते हुए विजय गोयल ने इसका अपने फंड से जीर्णोद्धार कराया। अब इसे संग्रहालय के रूप में विकसित करने की तैयारी है।

स्मृति को मिली नई जिम्मेदारी

यूनिसेफ इंडिया ने सेलिब्रिटी एडवोकेट बनाया

नई दिल्ली, एजेंसी। यूनिसेफ इंडिया ने रविवार को भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान स्मृति मंधाना को संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार एजेंसी की सेलिब्रिटी एडवोकेट के रूप में नियुक्त करने की घोषणा की। इस नई भूमिका में मंधाना बच्चों और युवाओं के समान अधिकारों और अवसरों की वकालत करने के अपने पूर्व के कार्यों को आगे बढ़ाएंगी। यह नियुक्ति 11 अक्तूबर को अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर की गई, जो लड़कियों के अधिकारों, सुरक्षा, क्षमता और नेतृत्व पर प्रकाश डालती है, साथ ही उन बाधाओं पर भी जो अभी भी उनके विकल्पों को सीमित करती हैं।

भारत की खेल आइकन और युवा महिलाओं व लड़कियों के लिए रोल मॉडल, मंधाना लड़कियों को खेलने और आगे बढ़ने के लिए समान अवसरों की वकालत करेंगी। वह यूनिसेफ इंडिया के प्रयासों को आगे बढ़ाने में सहयोग देंगी ताकि किशोरियों को सशक्त बनाया जा सके, उनके स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा दिया जा सके और वे अपनी पूरी क्षमता तक पहुंच सकें। मंधाना ने कहा, मैं यूनिसेफ इंडिया की सेलिब्रिटी एडवोकेट के रूप में जुड़कर सम्मानित महसूस कर रही हूं। बचपन में क्रिकेट खेलने ने मुझे सिखाया कि हर सपना एक अवसर से शुरू होता है। मेहनत, दृढ़ संकल्प और प्रोत्साहन से वह अवसर कुछ असाधारण बन सकता है। हर बच्चे और युवा को बड़ा सपना देखने और अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने का अवसर मिलना चाहिए। यूनिसेफ इंडिया की प्रतिनिधि सिंथिया मैककैफ्री ने कहा, हम अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर स्मृति मंधाना का यूनिसेफ इंडिया की सेलिब्रिटी एडवोकेट के रूप में स्वागत करते हुए प्रसन्न हैं। स्मृति की यात्रा, एक महत्वाकांक्षी युवा एथलीट से वैश्विक क्रिकेट आइकन तक, लड़कियों को दिखाती है कि जब प्रतिभा को अवसर मिलता है तो क्या संभव है। ऐसे समय में जब भारत दुनिया के सबसे बड़े बच्चों और युवाओं की पीढ़ी का घर है, लड़कियों के अधिकारों, नेतृत्व और कल्याण में निवेश करना किसी देश का सबसे समझदार निवेश है। हम स्मृति के साथ साझेदारी करने की आशा करते हैं ताकि हर लड़की को सीखने, खेलने, नेतृत्व करने और अपनी क्षमता पूरी करने का अवसर मिल सके।

हाल ही में महिला टीम की कप्तान बनी हैं मंधाना

अर्जुन पुरस्कार प्राप्त और भारत की अग्रणी खिलाड़ियों में से एक मंधाना, भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हैं। वह उस टीम का हिस्सा थीं जिसने 2025 में भारत को पहला आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप खिताब दिलाया। उसी वर्ष वह पहली महिला बनीं जिन्होंने एक कैलेंडर वर्ष में 1,000 से अधिक वनडे रन बनाए और पांच वनडे शतक लगाकर रिकॉर्ड बनाया। 2026 में, वह महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर और महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में अग्रणी रन-स्कोरर बनीं। वह विश्व की शीर्ष रैंक वाली महिला वनडे बल्लेबाज हैं और दो बार आईसीसी महिला क्रिकेटर ऑफ द ईयर रह चुकी हैं। मंधाना ने पहले यूनिसेफ-आईसीसी अभियानों का समर्थन किया है जो लैंगिक समानता और जीवन कौशल पर केंद्रित थे। वह यूनिसेफ के प्रॉमिस टू चिल्ड्रन अभियान की भी समर्थक रही हैं।

दर्शक से जुड़े विवाद के बाद मेदवेदेव ने दर्ज की पहली जीत

शंघाई: रूस के स्टार टेनिस खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव ने दर्शक से जुड़े विवाद के बाद कोर्ट पर वापसी करते हुए शंघाई मास्टर्स में जीत दर्ज की। मेदवेदेव ने शनिवार को खेले गए दूसरे दौर के मुकाबले में जर्मनी के जान-लेनार्ड स्ट्रफ को 4-6, 6-4, 6-3 से हराया। चीन ओपन में डिसक्वालिफाई किए जाने के बाद यह उनका पहला मुकाबला था। शंघाई मास्टर्स एटीपी 1000 टूर्नामेंट के दूसरे दौर में मेदवेदेव को शुरुआत में संघर्ष करना पड़ा। स्ट्रफ ने पहला सेट 6-4 से जीतकर बढ़त बनाई, लेकिन मेदवेदेव ने दूसरे सेट में 6-4 से वापसी की। निर्णायक तीसरे सेट में रूसी खिलाड़ी ने 6-3 से जीत हासिल कर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के बाद स्ट्रफ के खिलाफ मेदवेदेव का करियर रिकॉर्ड 10-2 हो गया है। मेदवेदेव को बीजिंग में चीन ओपन के सेमीफाइनल मुकाबले के दौरान नोवाक जोकोविच के खिलाफ खेलते हुए डिसक्वालिफाई कर दिया गया था। घटना तब हुई, जब उनके द्वारा स्टैंड की ओर मारी गई गेंद एक दर्शक की आंख में जा लगी। इस घटना के बाद अधिकारियों ने उन्हें मुकाबले से बाहर कर दिया। घटना के बाद मेदवेदेव ने माफी मांगी थी और कहा था कि यह जानबूझकर नहीं किया गया। बीजिंग टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक पहुंचने के लिए उन्हें मिलने वाली 2.85 लाख अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि भी गंवानी पड़ी। शंघाई में स्ट्रफ के खिलाफ मुकाबला उनकी इस घटना के बाद पहली उपस्थिति थी।

बढ़ सकती है सजा

रोनाल्डो को पुर्तगाल महासंघ ने किया अस्थायी निलंबित

नई दिल्ली। पुर्तगाल फुटबॉल महासंघ के अनुशासन विभाग ने रोनाल्डो के संभावित नियम उल्लंघन की जांच शुरू की है। महासंघ के मुताबिक, मामले में पहले से लागू स्वतः निलंबन के अलावा रोनाल्डो पर अतिरिक्त अस्थायी प्रतिबंध भी लगाया गया है। मामले को तत्काल प्राथमिकता के आधार पर निपटाने का फैसला किया गया है।

कोच जॉर्ज जीसस से विवाद के बाद छोड़ा था शिविर

रोनाल्डो का विवाद पुर्तगाल के मुख्य कोच जॉर्ज जीसस के साथ हुआ था। बताया गया है कि नॉर्वे के खिलाफ 2-1 की जीत के दौरान रोनाल्डो को मैदान पर उतरने का मौका नहीं मिला। वह मैच में स्थानापन्न खिलाड़ियों के साथ अभ्यास करते नजर आए, लेकिन उन्हें खेलने के लिए नहीं बुलाया गया। रोनाल्डो के अनुसार, कोच ने मैच से पहले उन्हें लगभग 30 मिनट खेलने का मौका देने का आश्वासन दिया था। जब ऐसा नहीं हुआ, तो उन्हें लगा कि उनकी बात को गंभीरता से नहीं लिया गया। रोनाल्डो ने यह भी दावा किया कि जीसस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस मामले पर सार्वजनिक रूप से सफाई देने का वादा किया था, लेकिन वह भी पूरा नहीं हुआ। इसके बाद दोनों के बीच तनाव बढ़ गया। रोनाल्डो ने डेनमार्क के खिलाफ मुकाबले से पहले ही पुर्तगाल की राष्ट्रीय टीम का प्रशिक्षण शिविर छोड़ने का फैसला कर लिया।

रोनाल्डो ने टीम और समर्थकों से मांगी माफी

विवाद के बाद रोनाल्डो ने एक विस्तृत सार्वजनिक बयान जारी किया। इसमें उन्होंने अपने साथियों और समर्थकों से माफी मांगी। उन्होंने स्वीकार किया कि राष्ट्रीय टीम का शिविर छोड़ने के उनके फैसले के परिणाम हो सकते हैं।रोनाल्डो ने यह भी कहा कि एक आदर्श खिलाड़ी के रूप में उनकी जिम्मेदारी है कि उनके व्यवहार का आकलन सख्ती से किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह अपने फैसले के लिए मिलने वाली सजा स्वीकार करने को तैयार हैं, हालांकि उन्होंने कोच के व्यवहार की आलोचना भी की।

एक से छह महीने तक लग सकता है प्रतिबंध

पुर्तगाल फुटबॉल महासंघ के अनुशासनात्मक नियमों के तहत रोनाल्डो को एक से छह महीने तक के निलंबन का सामना करना पड़ सकता है। इसके साथ उन पर जुर्माना भी लगाया जा सकता है। हालांकि, रोनाल्डो की ओर से गलती स्वीकार करने को अंतिम सजा कम करने का आधार माना जा सकता है। फिलहाल महासंघ ने अंतिम दंड का फैसला नहीं किया है। जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि पुर्तगाल के कप्तान को कितने समय तक मैदान से बाहर रहना पड़ेगा।

न्यूजीलैंड की वनडे टीम घोषित, रचिन की वापसी

वेलिंगटन। भारत के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज के लिए न्यूजीलैंड की टीम का एलान कर दिया गया है। इसमें फिन एलेन, लॉकी फर्ग्यूसन और टिम सीफर्ट की वनडे टीम में वापसी हुई है। वहीं, पिछले महीने कंधे में चोट लगने के कारण टी20 सीरीज से बाहर रहने वाले रचिन रवींद्र 50 ओवरों के इन मैचों के लिए चोट से उबरकर टीम में लौट रहे हैं।

न्यूजीलैंड के चयनकर्ताओं ने पांच मैचों की इस वनडे सीरीज के लिए एक विभाजित (स्प्लिट) स्क्वाड का चयन किया है।

वनडे सीरीज का कार्यक्रम

भारत न्यूजीलैंड के खिलाफ तीनों प्रारूपों की सीरीज खेलेगा। टी20 सीरीज के बाद दोनों टीमें पांच मैचों की वनडे सीरीज में आमने-सामने होंगी। पहला वनडे चार नवंबर को ऑकलैंड में खेला जाएगा। दूसरा मुकाबला सात नवंबर को वेलिंगटन में और तीसरा वनडे 10 नवंबर को हैमिल्टन में होगा। चौथा और पांचवां वनडे क्रमशः 13 और 15 नवंबर को माउंट माउंगानुई (टौरंगा) के बे ओवल मैदान पर खेले जाएंगे।

अंतिम दो वनडे के लिए सात अन्य खिलाड़ियों को जगह

चयनकर्ताओं ने यह फैसला इसलिए लिया है क्योंकि तीसरे वनडे के बाद कुछ खिलाड़ी पहले टेस्ट मैच की तैयारी के लिए सीधे वेलिंगटन रवाना हो जाएंगे, जो कि पहले टेस्ट का वेन्यू है। इस व्यवस्था के चलते अंतिम दो वनडे मैचों के लिए सात अन्य खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया गया है। टीम के बल्लेबाज मार्क चापमैन चोट के कारण टी20 सीरीज से बाहर हो गए थे, लेकिन उन्हें वनडे टीम में शामिल किया गया है। मार्क चापमैन पिछले महीने यूरोपीय टी20 लीग के दौरान बाएं पैर की हैमस्ट्रिंग में चोटिल हो गए थे और फिलहाल उबर रहे हैं।

न्यूजीलैंड की वनडे टीमें

पहले तीन वनडे के लिए टीम: मिचेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चापमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, टॉम लाथम (विकेटकीपर), डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, नाथन स्मिथ, विल यंग, ब्लेयर टिकनर।

आखिरी दो वनडे के लिए टीम: मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलेन, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चापमैन, क्रिस्टियन क्लार्क, जैकब डफी, मैट फिशर, लॉकी फर्ग्यूसन, मिच हे (विकेटकीपर), निक केली, टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), ब्लेयर टिकनर, विल यंग।

पूर्व बल्लेबाज ने सूर्यवंशी को दी महत्वपूर्ण सलाह

सहवाग बोले- वैभव में दिखती है अपनी झलक, वह सर्वश्रेष्ठ दौर में

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व विस्फोटक सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग को युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाजी में अपनी झलक दिखती है। उन्होंने इस युवा सनसनी को भारत के लिए लंबा करियर बनाने पर ध्यान देने की सलाह दी है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 17,253 रन बनाने वाले सहवाग ने सूर्यवंशी की तारीफ की।

सहवाग बोले- पहली गेंद से शॉट मारना चाहते हैं वैभव

सूर्यवंशी ने अब तक आठ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 246 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 186 का रहा है, जो उनकी आक्रामक बल्लेबाजी का प्रमाण है। अपने जमाने में सबसे आक्रामक बल्लेबाजों में शुमार रहे सहवाग ने कहा, सूर्यवंशी इस समय अपने सर्वश्रेष्ठ दौर में हैं और उनकी सोच कुछ हद तक मेरी जैसी है। वह पहली गेंद से ही बड़े शॉट खेलने के इरादे से उतरते हैं। अब यह देखना अहम होगा कि उन्हें भारत के लिए खेलने का मौका कब मिलता है और वह कितने मैच खेलते हैं।

प्रदर्शन ही सबसे ज्यादा मायने रखता है

सहवाग ने कहा कि अगर कोई खिलाड़ी शीर्ष स्तर के क्रिकेट में खेलने के लिए पर्याप्त प्रतिभाशाली है, तो उसकी उम्र को लेकर चिंता नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आयु वर्ग के टूर्नामेंट में उम्र के नियमों का पालन जरूरी है, लेकिन आईपीएल या भारतीय टीम में खेलने के दौरान प्रदर्शन ही सबसे ज्यादा मायने रखता है। उन्होंने कहा, आप अगर किसी आयु वर्ग की प्रतियोगिता में खेल रहे हैं, तो नियमों के मुताबिक आपकी उम्र होनी चाहिए। अंडर-19 में खेल रहे हैं, तो आपकी उम्र 19 साल से कम होनी चाहिए। लेकिन जब आप आईपीएल या भारत के लिए खेलते हैं, तो उम्र मायने नहीं रखती। 38 या 40 साल के विराट कोहली खेल रहे हैं और 15 साल

कप्तान गिल को जमकर सराहा

वनडे विश्व कप 2011 के विजेता सहवाग ने भारतीय कप्तान शुभमन गिल की भी तारीफ की। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ गुवाहाटी में 30 सितंबर को खेले गए दूसरे वनडे मुकाबले में गिल की 133 गेंदों पर 223 रन की पारी का उल्लेख करते हुए कहा, इन दिनों कई खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। उनमें से एक शुभमन गिल हैं, जो बेहतरीन खेल दिखा रहे हैं। वह भारत की टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान भी हैं। उन्होंने इंग्लैंड में 700 से ज्यादा रन बनाकर सुनील गावस्कर का रिकॉर्ड पीछे छोड़ा और हाल ही में वनडे में अपना दूसरा दोहरा शतक भी लगाया। ऐसा करना आसान नहीं है। भारत के 2025 के इंग्लैंड दौरे पर गिल ने पांच टेस्ट मैचों में कुल 754 रन बनाए थे। इस प्रदर्शन के साथ उन्होंने गावस्कर के 1978-79 में वेस्टइंडीज के खिलाफ बनाए गए 732 रन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया था। सहवाग का मानना है कि अगर भारतीय गेंदबाजी आक्रमण मजबूत बना रहता है, तो टीम के पास 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले वनडे विश्व कप को जीतने का अच्छा मौका होगा। उन्होंने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भारत का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज बताते हुए कहा कि विश्व कप में गेंदबाजी आक्रमण का मजबूत प्रदर्शन खिताबी सफलता की राह आसान कर सकता है। सहवाग ने कहा, हमारे तेज गेंदबाजों में बुमराह हैं, जो हमारे सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं। अगर विश्व कप में हमारा गेंदबाजी आक्रमण मजबूत रहता है, तो हम खिताब जीत सकते हैं।

कॉमनवेल्थ क्यू स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2026

13 पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर रहा भारत

अहमदाबाद, एजेंसी। भारत ने कॉमनवेल्थ क्यू स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 13 पदक अपने नाम किए और पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। शनिवार को अहमदाबाद के वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में संपन्न हुई इस प्रतियोगिता में भारतीय खिलाड़ियों ने तीन स्वर्ण, पांच रजत और पांच कांस्य पदक जीते। घरेलू मैदान पर भारतीय खिलाड़ियों ने स्नूकर, इंग्लिश बिलियर्ड्स और अन्य क्यू स्पोर्ट्स स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

पीटी उषा की मौजूदगी में पदक समारोह

इस चैंपियनशिप का आयोजन एपेक्स स्पोर्ट्स प्रमोशन ने किया, जबकि बिलियर्ड्स एंड स्नूकर फेडरेशन ऑफ इंडियामेजबान रहा। प्रतियोगिता को वर्ल्ड कॉन्फेडरेशन ऑफ बिलियर्ड्स स्पोर्ट्स और कॉमनवेल्थ स्पोर्ट की मान्यता प्राप्त थी। पदक वितरण समारोह में भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं।

आदित्य मेहता ने स्नूकर में जीता स्वर्ण

भारत के अभियान की अगुवाई आदित्य स्नेहल मेहता ने की, जिन्होंने पुरुष स्नूकर स्पर्धा में स्वर्ण पदक

जीता। फाइनल में उन्होंने अपने ही देश के ध्वज हरिया को 3-0 से हराकर खिताब अपने नाम किया। इस स्पर्धा में हरिया को रजत पदक मिला, जबकि भारत के लक्ष्मण सिंह रावत और श्रीलंका के मोहम्मद तह इरशाद ने कांस्य पदक जीते।

अनुपमा और रेयान ने भी जीते स्वर्ण

महिला इंग्लिश बिलियर्ड्स स्पर्धा में अनुपमा रामचंद्रन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। उन्होंने फाइनल में भारतीय खिलाड़ी रेवन्ना उमादेवी को 1-0 से हराया। उमादेवी को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इस स्पर्धा में ग्रेट ब्रिटेन की मैरी रॉबर्टा मैके और ऑस्ट्रेलिया की जूली वॉटसन ने कांस्य पदक जीते।पुरुष इंग्लिश बिलियर्ड्स में रेयान रज़मी ने भारत के लिए एक और स्वर्ण पदक जीता।

144 खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा

कॉमनवेल्थ क्यू स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में 40 से अधिक देशों के 144 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। चार दिनों तक चली इस प्रतियोगिता में इंग्लिश बिलियर्ड्स, स्नूकर, हेयबॉल, 10-बॉल पूल और ब्लैकबॉल की विभिन्न स्पर्धाएं आयोजित की गईं। यह पहली बार था जब बहु-विषयक कॉमनवेल्थ क्यू स्पोर्ट्स चैंपियनशिप का आयोजन भारत में किया गया।

शताब्दी समारोह का भी बनी हिस्सा

यह प्रतियोगिता बिलियर्ड्स एंड स्नूकर फेडरेशन ऑफ इंडिया के शताब्दी समारोह का प्रमुख हिस्सा भी रही। भारत के खिलाड़ियों ने घरेलू मैदान पर कई स्पर्धाओं के फाइनल में जगह बनाकर और पदक जीतकर देश की मजबूत स्थिति को रेखांकित किया। कुल 13 पदकों के साथ भारत का प्रदर्शन अंतरराष्ट्रीय क्यू स्पोर्ट्स में देश की बढ़ती उपस्थिति और प्रतिस्पर्धी क्षमता को दर्शाता है।